सुप्रभात
रांची, शुक्रवार
23.05.2025
* * नगर संस्करण। पेज : 12

धरती आबा की ऊर्जावान भूमि से प्रकाशित लोकप्रिय दैनिक

खबर मन्त्र

रांची और धनबाद से एक साथ प्रकाशित
सबकी बात सबके साथ

khabarmantra.net | ज्येष्ठ, कृष्ण पक्ष, एकादशी, संवत् 2082 | मूल्य : ₹ 3 । वर्ष : 12 । अंक : 307 | 12

जहां भी आतंकी होंगे, घुसकर मारेंगे

न्यूज डायरी

बिरसा जैविक उद्यान की शेरनी प्रियंका की मौत

ओरमांझी। भगवान बिरसा जैविक उद्यान की शेरनी प्रियंका (15) की मौत हो गयी। बुधवार दोपहर से ही उसकी तबीयत अचानक बिगड़ गयी थी। पशु चिकित्सकों ने उपचार शुरू तो किया, पर उसे नहीं बचाया जा सका। गुरुवार को अंत्यपरीक्षण के बाद उसका शव जला दिया गया। डाक्टरों ने मौत का कारण बच्चेदानी में गंभीर संक्रमण होना बताया।

श्रावणी मेला को लेकर आज सीएम करेंगे बैठक

रांची। सीएम हेमंत सोरेन शुक्रवार आगामी 11 जुलाई से शुरू होने वाले देवघर श्रावणी मेला को लेकर उच्चस्तरीय बैठक करेंगे। बाबा बैद्यनाथ तीर्थ क्षेत्र विकास प्राधिकार के तहत यह बैठक दिन के 12 बजे से प्रोजेक्ट भवन में होगी। इस बैठक में मेले की तैयारी को लेकर सभी बिंदुओं पर चर्चा होगी, ताकि श्रावणी मेला में देश के विभिन्न क्षेत्रों से आने वाले श्रद्धालुओं को किसी प्रकार की दिक्कतें न हो।

दिल्ली में पाकिस्तानी जासूस गिरफ्तार

नयी दिल्ली। जदयू के सीलमपुर निवासी मोहम्मद हारून को गुरुवार को यूपी आतंकवाद निरोधक दस्ता (एटीएस) ने गिरफ्तार किया है। वह दिल्ली में स्क्रैप का काम करता है। उसपर देश से जुड़ी सुरक्षा संबंधित सूचना पाकिस्तान को साझा करने का आरोप है। पाकिस्तान उच्चायोग में नियुक्त कर्मचारी मुजम्मल हुसैन के साथ मिलकर वीजा दिलवाने के नाम पर अवैध वसूली भी करता था। एटीएस ने केस दर्ज कर आगे की जांच शुरू कर दी है।

पाक की पोल खोलने दूसरा दल जापान पहुंचा

नयी दिल्ली। जदयू सांसद संजय कुमार झा के नेतृत्व में सर्वदलीय प्रतिनिधिमंडल ऑपरेशन सिंदूर के माध्यम से आतंकवाद के खिलाफ भारत के संकल्प को बताने के लिए पांच देशों के दौरे के तहत गुरुवार तड़के टोक्यो पहुंचा। जापान में प्रतिनिधिमंडल का भारतीय राजदूत ने स्वागत किया।

सुकमा में एक नक्सली ढेर, एक जवान भी शहीद

सुकमा। छत्तीसगढ़ के सुकमा-बीजापुर जिले की सीमा पर तुमरेल के जंगल में गुरुवार सुबह सुरक्षाबलों और नक्सलियों के बीच हुई मुठभेड़ में एक नक्सली मारा गया। वहीं मुठभेड़ में 3 जवान घायल हो गये। उनमें से एक न दम तोड़ दिया।

सड़क हादसे में दो की मौत, सात गंभीर

कोडरमा। गुरुवार सुबह ऑटो और पिकअप की जोरदार टक्कर में दो लोगों की मौत हो गयी। सात लोग गंभीर रूप से घायल हो गये। तिलैया नरेशनगर से नौ लोग सवार होकर डोमचांच की ओर जा रहे थे। इसी क्रम में लोकाई तालाब के समीप विपरीत दिशा से आ रहे पिकअप से जोरदार टक्कर हो गयी।

न पानी, न व्यापार; वार्ता होगी भी तो सिर्फ पीओके पर : मोदी

एजेंसी

जयपुर/बीकानेर। पीएम मोदी ने एकबार फिर साफ कर दिया कि भारत और पाकिस्तान के बीच कोई बातचीत नहीं होगी। उसे पानी नहीं मिलेगा। पाकिस्तान के साथ कोई व्यापार नहीं होगा। अब अगर पाकिस्तान से भारत की बात होगी तो सिर्फ पीओके खाली करने पर। ऑपरेशन सिंदूर के बाद पहली बार पीएम सरहदी बीकानेर में जनसभा को संबोधित कर रहे थे। उन्होंने कहा कि आतंक को संरक्षण देने वाले पाकिस्तान को सीधा जवाब देंगे। करीब 41 मिनट के भाषण में आतंकवाद का मुद्दा छाया रहा। उन्होंने कहा, पाकिस्तान एक बात भूल गया कि अब मां भारती का सेवक सीना तानकर खड़ा है। भारत ने साफ कर दिया है कि हर आतंकी हमले की पाकिस्तान को भारी कीमत चुकानी पड़ेगी। ये कीमत, पाकिस्तान की सेना और पाकिस्तान की अर्थव्यवस्था चुकायेगी। पाकिस्तान को भारत के पानी का हक नहीं मिलेगा, यह हमारा संकल्प है।

कोई भी ताकत इस संकल्प को रोक नहीं सकती। आतंकवाद के खिलाफ भारत फैसलों पर किसी भी देश की दखल बर्दाश्त नहीं होगी।

मोदी का दिमाग ठंडा है, ठंडा रहता है। मोदी का लहू गर्म होता है। अब तो मोदी की नसों में लहू नहीं, गर्म सिंदूर बह रहा है...

सिंदूर के बारूद बनने का नतीजा देखा

पीएम मोदी ने कहा- हमने 22 मिनट में आतंकियों के नौ सबसे बड़े ठिकाने नष्ट कर दिये। जब सिंदूर बारूद बन जाता है, तो उसका नतीजा क्या होता है, यह पाकिस्तान को बता दिया गया है। जो सिंदूर मिटाने निकले थे, उन्हें हमने मिट्टी में मिला दिया है। जो हिंदुस्तान का लहू बहाते थे, आज उनसे एक-एक कतरे का हिसाब चुकाया गया है। जो अपने हथियारों पर घमंड करते थे, आज वे मलबे के ढेर में दबे पड़े हैं।

दुश्मन के सीने पर सीधा प्रहार किया

पीएम मोदी ने कहा- यह ऑपरेशन सिंदूर है। यह आक्रोश नहीं, समर्थ भारत का रौद्र रूप है। अब सीधा सीने पर प्रहार किया गया है। उन्होंने कहा, ऑपरेशन सिंदूर ने तीन नियम तय किये हैं। अगर, भारत पर आतंकी हमला हुआ तो देश के विरुद्ध युद्ध माना जायेगा, समय सेना तय करेगी। एटम बम की गीदड़ भभकी से भारत डरने वाला नहीं है। आतंकियों और आतंकपरस्त सरकार को एक ही माना जायेगा।

दुश्मन का एयरबेस आईसीयू में पहुंचा दिया

पीएम मोदी ने कहा- पाकिस्तान ने हमारे एयरबेस को निशाना बनाने की कोशिश की थी, लेकिन वह उसे रत्ती भर भी नुकसान नहीं पहुंचा सका। यहां से कुछ ही दूरी पर स्थित पाकिस्तान का रहिमयार खान एयरबेस आईसीयू में पड़ा है, पता नहीं कब खुलेगा। उसे तहस-नहस कर दिया गया है।

पाकिस्तान को घुटना टेकने पर किया विवश

पीएम मोदी ने कहा कि एक ओर हम सिंचाई परियोजनाओं को पूरा कर रहे हैं, वहीं नदियों को जोड़ने का कार्य भी कर रहे हैं। इससे यहां की धरती और किसानों को लाभ मिलेगा। उन्होंने कहा कि आतंकवादियों ने धर्म पूछकर मांग का सिंदूर उजाड़ दिया था। इसके बाद देश ने संकल्प लिया कि आतंकवादियों को मिट्टी में मिला देंगे। आज हमारी सेना के शौर्य से हम उस प्रण पर खरे उतरे हैं। हमारी सरकार ने तीनों सेनाओं को खुली छूट दी थी। तीनों सेनाओं ने मिलकर ऐसा चक्रव्यूह रचा कि पाकिस्तान को घुटनों पर आना पड़ा।

जल संसाधान आयोग के गठन समेत दस प्रस्तावों को मंजूरी

आउटसोर्स कर्मियों का प्रति वर्ष 3 प्रतिशत बढ़ेगा वेतन

» हेमंत सोरेन की अध्यक्षता में कैबिनेट का फैसला

खबर मन्त्र ब्यूरो

रांची। राज्य मंत्रिमंडल ने गुरुवार को झारखंड मैनपावर प्रोक्योरमेंट, आउटसोर्सिंग मैनुअल 2025 समेत 10 प्रस्तावों को मंजूरी दी। इस नीति के तहत आउटसोर्स कर्मियों को अब कम से कम 5 साल के लिए अनुबंधित किया जायेगा। सरकारी विभागों में आउटसोर्स कर्मियों की भर्ती में आरक्षण का भी अनुपालन करना अनिवार्य होगा। इसके अलावा प्रतिवर्ष 3 प्रतिशत वेतन में बढ़ोत्तरी करने का प्रावधान किया गया। आउटसोर्स कर्मियों को 4 लाख रुपये तक का एक्सीडेंटल ग्रुप इंश्योरेंस मिलेगा। जैप आइटी में ग्रिवांस सेल का भी गठन किया जायेगा। वहीं गैर सरकारी सहायता प्राप्त वित्त सहित अल्पसंख्यक माध्यमिक विद्यालय, मदरसा और संस्कृत विद्यालयों में वर्ग 9 से वर्ग 10 तक की कक्षाओं में नामांकित एवं अध्ययनरत सभी कोटि के छात्र-छात्राओं को निःशुल्क पाठ्य-पुस्तक और कॉपी देने के प्रस्ताव को भी स्वीकृति दी गई। इस पर 4 करोड़ 84 लाख 91 हजार रुपए खर्च किये जायेंगे। इससे 41 हजार से अधिक छात्र-छात्रायें लाभान्वित होंगे।

साइंस और कंटीटिव पत्रिका का होगा वितरण : राज्य के सरकारी विद्यालयों में कक्षा 9 से 12 के लिए साइंस मैगजीन तथा कक्षा 11 से 12 के लिए कंटीटिव मैगजीन के मुद्रण एवं वितरण की स्वीकृति दी गई। वर्ग नौ से 12 के लिए साइंस मैगजीन का वितरण 2723 स्कूलों में किया जायेगा। वहीं कक्षा 11 से 12 तक के लिए 996 स्कूलों में कंटीटिव मैगजीन का वितरण किया जायेगा। इसके मुद्रण में हर साल 14 करोड़ रुपए खर्च किये जायेंगे।

कैबिनेट के अन्य फैसले : झारखंड वरीय व्यावसायिक सेवा, भर्ती, नियुक्ति एवं सेवाशर्त, नियमावली, 2001 के नियम 4 में उल्लेखित प्रावधान में वरीय व्यावसायिक सेवा में जिला व्यवसायी के पद पर विवेक को सीधी भर्ती द्वारा नियुक्त किये जाने की स्वीकृति। चतरा जिला में सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र, इटखोरी के भवन निर्माण की योजना में गबन की गई राशि का डीसी द्वारा वसूली कर राजकोष में जमा करने की प्रत्याशा में गबन की राशि के समतुल्य राशि 22.07, 722 रुपए पुनः आवंटित करने की स्वीकृति दी गई। भारत के नियंत्रक, महालेखापरीक्षक के झारखंड में एकीकृत वित्तीय प्रबंधन प्रणाली पर प्रतिवेदन वर्ष 2025 का प्रतिवेदन विधान सभा के पटल पर आगामी सत्र में उपस्थापन की स्वीकृति दी गई।

राज्य सरकार ने जल संरक्षण आयोग के गठन का भी निर्णय लिया है। इसका उद्देश्य राज्य में स्थित रिवर बेसिन में जल की अद्यतन उपलब्धता, विकास, बहुआयामी उपयोग और कुशल प्रबंधन करना है। आयोग का कार्यकाल 2 वर्ष होगा और इसमें विकास आयुक्त अध्यक्ष और विभागीय सचिव सदस्य सचिव होंगे।

आदिवासी कॉलेज छात्रावास निर्माण का किया शिलान्यास

सभी जिलों में खोलेंगे पुस्तकालय, जरूरी संसाधन करायेंगे उपलब्ध : हेमंत सोरेन

शिलान्यास कार्यक्रम

खबर मन्त्र ब्यूरो

रांची। सीएम हेमंत सोरेन ने कहा है कि उनकी सरकार राज्य के छात्र-छात्राओं का बेहतर भविष्य सुनिश्चित करने के लिए प्रतिबद्ध है। सीएम रांची में करमटोली में गुरुवार को आदिवासी कॉलेज छात्रावास परिसर में 520 शैय्या वाले बहुमंजिला छात्रावास निर्माण के भूमि पूजन कार्यक्रम को संबोधित कर रहे थे। उन्होंने कहा कि सरकार स्कूल और कॉलेज की शिक्षा में नया आयाम जोड़ने की दिशा में लगातार काम कर रही है। इस क्रम में सरकार ने कल्याण विभाग के सभी छात्रावासों का जीर्णोद्धार करने का निर्णय लिया है। उन्होंने कहा कि राज्य के अलग-अलग हिस्सों से अपने भविष्य को संवारने का सपना लेकर आने वाले गरीब आदिवासी बच्चे यहां शिफ्ट करेंगे।

सरकार विद्यार्थियों की चिंतायें करेगी दूर : मुख्यमंत्री ने विद्यार्थियों से कहा कि वे सिर्फ अपनी पढ़ाई पर फोकस करें। उनकी जो भी समस्यायें होंगी, उसे सरकार दूर करेगी। उन्हें सरकार की ओर से तीनों वक्त का पौष्टिक भोजन उपलब्ध कराया जायेगा। विद्यार्थियों के पठन-पाठन से संबंधित जरूरी संसाधन की भी व्यवस्था होगी। श्री सोरेन ने कहा कि प्रतिस्पर्धा का जमाना है। ऐसे में प्रतियोगी परीक्षाओं की तैयारी से लेकर मेडिकल, इंजीनियरिंग और लॉ जैसे कोर्सेज की पढ़ाई के लिए विद्यार्थियों को सरकार हर स्तर से सहयोग कर रही है। यहां के गरीब बच्चों को उच्च शिक्षा के लिए आर्थिक तंगी का सामना नहीं करना पड़े, इसके लिए गुरु जी क्रेडिट कार्ड योजना से बिना किसी गारंटी के ₹15 लाख तक का ऋण उपलब्ध कराया जा रहा है।

इस क्रम में मुख्यमंत्री ने बाबा साहब डॉ भीमराव अंबेडकर के नाम से सभी जिलों में पुस्तकालय खोलने की घोषणा की। मौके पर मंत्री चमरा लिंडा, रास सांसद महुआ माजी, मुख्य सचिव अलका तिवारी, सचिव कृपानंद झा, अरवा राजकमल व आदिवासी कल्याण आयुक्त अजय नाथ झा मौजूद थे।

नीट-पीजी में संस्थानों को फीस डिटेल्स देना होगा : सुप्रीम कोर्ट

एजेंसी

नयी दिल्ली। सुप्रीम कोर्ट ने नीट और पीजी की काउंसलिंग से पहले अब सभी प्राइवेट और डीम्ड मेडिकल संस्थानों को अपनी फीस की डिटेल्स जारी करने का आदेश दिया। अदालत ने यह आदेश नीट-पीजी में ट्रांसपेरेंसी से जुड़ी याचिकाओं की सुनवाई के दौरान दिया। जस्टिस जेबी पारदीवाला और जस्टिस आर महादेवन की बेंच ने काउंसलिंग के समय सीट ब्लॉक करने पर पेनल्टी लगाने का भी आदेश दिया। कहा कि अगर कोई स्टूडेंट्स ऐसा करता है तो उसे नीट-पीजी के अगले एग्जाम से डिस्क्वालिफाई कर दिया जाए। बता दें कि नीट-पीजी 2024 परीक्षा के एस्पिरेंट्स ने सितंबर 2024 में परीक्षा में पारदर्शिता के लिए याचिकाएं दायर की थीं।

- ऑल इंडिया कोटा और स्टेट काउंसिलिंग का एक सिंक्रोनाइज्ड कैलेंडर जारी हो
- प्राइवेट और डीम्ड यूनिवर्सिटी काउंसिलिंग से पहले ट्यूशन व हॉस्टल फीस बतायें।
- नेशनल मेडिकल कमीशन के तहत सेंट्रलाइज्ड फीस रेगुलेशन फ्रेमवर्क बने।
- राउंड-2 काउंसिलिंग के बाद एडमिशन ले चुके विद्यार्थी को बेहतर सीट के लिए अपग्रेडेशन का ऑप्शन मिले।
- अभ्यर्थियों के स्कोर, आंसर-की और नॉर्मलाइजेशन फार्मूला जारी हो
- सीट ब्लॉकिंग करने वालों की सिक्योरिटी डिपोजिट जब्त करें या उन्हें अगले नीट से डिस्क्वालिफाई करें
- अधिक सीट की हॉल्डिंग रोकने के लिए आधार बेस्ड सीट ट्रैकिंग का इस्तेमाल हो

शराब घोटाले में गिरफ्तार आइएएस अधिकारी विनय चौबे की तबीयत बिगड़ी, रिम्स में भर्ती

खबर मन्त्र ब्यूरो

रांची। झारखंड में शराब घोटाला मामले में गिरफ्तार आईएएस अधिकारी विनय चौबे की तबियत बिगड़ने के बाद उन्हें बिरसा मुंडा सेंट्रल जेल से बेहतर इलाज के लिए रिम्स के मेडिसिन विभाग में भर्ती कराया गया है।

बता दें कि कोर्ट के आदेश के आलोक में 21 मई को मेडिकल बोर्ड की बैठक हुई थी। रिम्स के मेडिकल बोर्ड ने विनय चौबे के इलाज से जुड़े दस्तावेज के आधार पर उन्हें रिम्स में भर्ती करने की अनुशंसा की थी। उन्हें किडनी की गंभीर समस्या है। बताते चलें कि विनय चौबे और गजेंद्र सिंह 3 जून तक (14 दिन) न्यायिक हिरासत में भेज दिये गये हैं।

जेल मैनुअल के तहत मिले विनय कुमार चौबे को मेडिकल सुविधा : कोर्ट

रांची। शराब घोटाले से जुड़े मामले में जेल में बंद वरीय आईएएस अधिकारी विनय कुमार चौबे को मेडिकल सुविधा जेल मैनुअल के तहत देने का निर्देश अदालत ने दिया है। उनके वकील ने गुरुवार को याचिका दाखिल कर जेल में बेहतर मेडिकल सुविधा उपलब्ध कराने का अनुरोध किया था, ताकि उनके स्वास्थ्य पर प्रतिकूल असर न पड़े। अदालत ने उनके अनुरोध पर जेल मैनुअल के तहत बेहतर मेडिकल सुविधा देने का निर्देश दिया।

■ एसीबी की ओर से पूछताछ के लिए पुलिस रिमांड की मांग अब तक नहीं की गयी है।

वहीं, इस मामले में गिरफ्तार नीरज कुमार सिंह की ओर से मेडिकल सुविधा उपलब्ध कराने का अनुरोध किया गया। अदालत ने जेल मैनुअल के तहत ही सुविधा उपलब्ध कराने का निर्देश दिया। मालूम हो कि शराब नीति बदल कर सरकार को 38 करोड़ रुपये से अधिक के राजस्व नुकसान मामले में एसीबी टीम ने बीते मंगलवार को तत्कालीन उत्पाद एवं मद्य निषेद विभाग के पूर्व सचिव विनय कुमार चौबे और संयुक्त उत्पाद आयुक्त गजेंद्र सिंह को गिरफ्तार कर जेल भेज दिया है।

तीन जून तक मिली न्यायिक हिरासत

रांची। शराब घोटाला मामले में बुधवार रात गिरफ्तार झारखंड स्टेट बिवरेज कॉरपोरेशन लि. के पूर्व महाप्रबंधक ऑपरेशन सह फाइनेंस सुधीर कुमार, वर्तमान जीएम फाइनेंस सुधीर कुमार दास एवं प्लेसमेंट एजेंसी के स्थानीय प्रतिनिधि नीरज सिंह को गुरुवार को एसीबी के विशेष न्यायाधीश योगेश कुमार सिंह की अदालत में पेश किया गया। तीनों को न्यायिक 3 जून तक के लिए बिरसा मुंडा केंद्रीय कारा होटवार भेज दिया गया है। जेल में बंद विनय कुमार चौबे समेत पांचों आरोपियों की अगली पेशी वीसी से जज के सामने होगी।

शराब पर पांच प्रतिशत वैट लगाने का आदेश

रांची। राज्य सरकार ने नयी उत्पाद नीति से संबंधित अधिसूचना जारी कर दी है। नयी नीति में शराब पर वैट की दर 75 प्रतिशत से घटा कर 5 प्रतिशत कर दिया गया है। अभी चल रही उत्पाद नीति में वैट सिर्फ एक ही प्वाइंट पर लगता है। नयी नीति में हर प्वाइंट पर वैट लगेगा। वैट लगाने के इस फार्मूले से शराब पर वैट का वास्तविक प्रभाव 5 प्रतिशत से अधिक होगा। इससे कुछ शराब की कीमत बढ़ेगी और कुछ शराब की कीमत कम होगी।

गिरेगी शराब की कीमत : शराब कारोबारियों का कहना है कि अब, देसी शराब की कीमत में गिरावट होगी। वहीं विदेशी निर्मित शराब के मूल्य में 300-500 रुपये तक की कमी का अनुमान है, जबकि भारतीय निर्मित विदेशी शराब समूह के शराब की कीमत में 10-30 रुपये तक की बढ़ोत्तरी होने का अनुमान है।

कार्टून कोना

प्रधानमंत्री ने झारखंड के तीन अमृत भारत रेलवे स्टेशनों का किया ऑनलाइन उद्घाटन

अत्याधुनिक सुविधायुक्त रेलवे स्टेशनों से सफर होगा आसान

खबर मन्त्र संवाददाता

रांची। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने गुरुवार को वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग के माध्यम से झारखंड के तीन समेत देश के 103 अत्याधुनिक सुविधायुक्त रेलवे स्टेशनों का उद्घाटन किया। ये स्टेशन अमृत भारत योजना के तहत विकसित किए गए हैं। झारखंड में खूंटी जिले का गोविंदपुर रोड स्टेशन, साहिबगंज का राजमहल स्टेशन और देवघर का शंकरपुर स्टेशन शामिल है। गोविंदपुर रोड स्टेशन को 6.65 करोड़ रुपये, राजमहल स्टेशन को 7.03 करोड़ रुपये और शंकरपुर स्टेशन को 7.7 करोड़ रुपये की लागत से विकसित किया गया है। विशेष रूप से शंकरपुर स्टेशन को देवघर एम्स के निकटतम रेलवे कनेक्शन के रूप में तैयार किया गया है, जिससे चिकित्सा सेवाओं तक पहुंच और आसान होगी।

शंकरपुर रेलवे स्टेशन : एम्स देवघर के लिए नयी रेल सुविधा

शंकरपुर स्टेशन, जो जसीडीह-मधुपुर रेलखंड पर स्थित है, को देवघर एम्स के निकटतम रेलवे स्टेशन के रूप में विकसित किया गया है। अमृत भारत योजना के अंतर्गत इसका आधुनिकीकरण किया गया है। यहां अब वाटरी शेड, डिजिटल टाइमटेबल के लिए लाइटेड साइनेज, सुविधायुक्त प्लेटफॉर्म, अंडरपास, आधुनिक टिकट काउंटर, वेटिंग हॉल, पार्किंग सुविधा और नवीनीकृत फुट ओवरब्रिज उपलब्ध हैं।

राजमहल रेलवे स्टेशन को एयरपोर्ट जैसी सुविधाओं से युक्त दिया गया नया स्वरूप

पूर्व रेलवे के मालदा मंडल में स्थित राजमहल रेलवे स्टेशन को पूरी तरह से आधुनिक रूप दिया गया है। स्टेशन की नई इमारत को आकर्षक डिजाइन और रोशनी से सजाया गया है। प्लेटफॉर्म को और लंबा किया गया है। पैदल चलने के रास्तों को आसान बनाया गया है। प्रतीक्षालयों का नवीनीकरण किया गया है। दिव्यांगों यात्रियों के लिए रैंप और विशेष शौचालय की व्यवस्था है। स्टेशन में इनडोर वीडियो वॉल, आकर्षक साइनेज और मूर्तियां लगाई गई हैं।

गोविंदपुर रोड स्टेशन : तीन बड़े शहरों को जोड़ने वाला प्रमुख केंद्र

हटिया-राउरकेला रेलखंड पर स्थित गोविंदपुर रोड स्टेशन, रांची, खूंटी और राउरकेला जैसे महत्वपूर्ण शहरों को जोड़ता है। गोविंदपुर रोड अमृत रेलवे स्टेशन के ऑनलाइन उद्घाटन में राज्य के मंत्री दीपक बिरुवा, पूर्व मुख्यमंत्री अर्जुन मुंडा, विधायक सुदीप गुड़िया, पूर्व विधायक कोचे मुंडा, डीआरएम जीएस बिंद्रा सहित अन्य थे।

कोल इंडिया व टाटा स्टील से जुड़े आरएन शर्मा का निधन

खबर मन्त्र ब्यूरो

जमशेदपुर। कोल इंडिया के पूर्व चेयरमैन एवं टाटा स्टील के पूर्व डिप्टी एमडी डॉ. आरएन शर्मा (101) का गुरुवार को निधन हो गया। वह पैनक्रियाज कैंसर से पीड़ित थे। टाटा मेन हॉस्पिटल में इलाज के दौरान उन्होंने अंतिम सांस ली। उनका अंतिम संस्कार पार्वती घाट, बिष्टुपुर में किया गया। जहां बड़ी संख्या में उनके चाहने वाले उपस्थित रहे। डॉ आरएन शर्मा अपने पीछे दो बेटे, बहुओं समेत भरा-पूरा परिवार छोड़ गये हैं। डॉ शर्मा टाटा समूह के उन चुनिंदा सीइओ में से थे, जिन्होंने जेआरडी टाटा के साथ-साथ रतन टाटा के साथ भी काम किया। टाटा स्टील के एमडी चाहे रूसी मोदी रहे हों, डॉ जेजे ईरानी, बी मुत्थुरमण, एचएम नेरुरकर अथवा वर्तमान एमडी टीवी नरेंद्रन, सभी डॉ आरएन शर्मा को मान-सम्मान देते रहे। उन्होंने 1949 में टाटा समूह के साथ अपने कॅरियर की शुरुआत की थी। एक संक्षिप्त अंतराल के दौरान उन्होंने कोल इंडिया अध्यक्ष के रूप में भी कार्य किया। उन्होंने कोल इंडिया के अध्यक्ष के रूप में भारत के कोयला खनन उद्योग को आगे बढ़ाने और टिकाऊ प्रथाओं को लागू करने के प्रति उनकी प्रतिबद्धता को रेखांकित किया।

खिलाड़ियों, कोच के लिए नकद पुरस्कार राशि की प्रक्रिया शुरू

खबर मन्त्र ब्यूरो

रांची। राज्य के अंतरराष्ट्रीय, राष्ट्रीय खिलाड़ियों, कोच के लिए नकद पुरस्कार राशि की प्रक्रिया शुरू हो गयी है। रांची जिला खेल पदाधिकारी के स्तर से भी इस संबंध में सूचना जारी करते निर्धारित फॉर्मेट में आवेदन मंगाये गये हैं। विभिन्न अंतर्राष्ट्रीय, राष्ट्रीय खेल प्रतियोगिताओं में झारखंड के लिए पदक प्राप्त करने वाले प्लेयर्स नकद पुरस्कार राशि (सम्मान राशि) के पात्र होंगे। एक अप्रैल 2024 के बाद अंतर्राष्ट्रीय, भारतीय ओलंपिक संघ से मान्यताप्राप्त खेलों में पदक हासिल करने वाले प्लेयर्स ही आवेदन करेंगे।

निर्धारित समय से पूर्व का आवेदन किसी भी परिस्थिति में स्वीकार नहीं किया जायेगा। निर्धारित फॉर्मेट के साथ सारी सूचनाओं के अलावा आधार कार्ड, बैंक पासबुक की छायाप्रति और खेल से संबंधित प्रमाण पत्र की भी छायाप्रति देनी होगी। 31 मई की शाम 5 बजे तक आवेदन जिला खेल पदाधिकारी कार्यालय में जमा करने होंगे। इससे संबंधित विस्तृत जानकारी संस्थान के वेबसाइट पर उपलब्ध करायी गयी है।

स्वास्थ्य विभाग ने तय कर दी आवश्यक दवाओं की खरीद के लिए प्रथामिकता

मौसमी बीमारियों को ध्यान में रखकर खरीदी जाएंगी दवायें

- सांप व कुत्ता काटने की दवाओं को खरीद में प्राथमिकता

दवाओं पर खर्च होगा 56.24 करोड़

स्वास्थ्य विभाग वित्तीय वर्ष 2025-26 में दवाओं की खरीद पर कुल 56 करोड़ 24 लाख 39 हजार रुपए खर्च करेगा। आदेश में कहा गया है कि अस्पताल में उपलब्ध दवाओं की सूची जन साधारण के अवलोकनार्थ अस्पताल के सूचना पत्र के निकट अथवा किसी अन्य उचित स्थान पर प्रदर्शित की जाएगी। वैसी दवा की खरीद की जाएगी, जिसका दर निर्धारण निदेशक प्रमुख, स्वास्थ्य सेवाएं, की अध्यक्षता में गठित समिति द्वारा किया गया है। साथ ही दर निर्धारण की वैधता अवधि समाप्त नहीं हुई हो।

खबर मन्त्र ब्यूरो

रांची। स्वास्थ्य विभाग ने मौसमी बीमारी के साथ-साथ आवश्यक दवाओं की खरीद के लिए प्रथामिकता तय कर दी है। इससे संबंधित जारी आदेश में कहा है कि जरूरत को ध्यान में रखते हुए अगले चार माह तक के लिए दवा की खरीद की जाये।

जारी आदेश में कहा गया है कि अलग-अलग मौसम में अलग-अलग तरह की बिमारियां होती हैं। इसलिए मौसम और बीमारी को ध्यान में रखते हुए जरुरी दवाओं की खरीद की जाये। झारखंड में सांप व कुत्ता काटने की घटनाएं अधिक होती हैं। इसे ध्यान में रखते हुए सॉप काटने तथा कुत्ता काटने के बाद दी जाने वाली इंजेक्शन व दवाओं की उपलब्धता को भी ध्यान में रख कर खरीददारी के लिए कहा गया है।

सभी अस्पतालों के लिए खरीदी जायेंगी दवायें

खरीदी गई दवाओं का एक्सपायरी डेट की अवधि कुल अवधि का 80 प्रतिशत होने चाहिए। स्वास्थ्य विभाग के आदेश में कहा गया है कि राज्य के सभी मेडिकल कॉलेज अस्पताल, सदर अस्पताल, इटकी आरोग्यशाला, इटकी, जिला जनस्वास्थ्य प्रयोगशाला, रांची और संक्रामक रोग अस्पताल रांची के लिए दवाओं की खरीद की जायेगी।

दवा की उपलब्धता की लगातार होगी मॉनिटरिंग

दवाओं की उपलब्धता सुनिश्चित करने के लिए सिविल सर्जन जिला के एक वरीय चिकित्सा पदाधिकारी को नोडल पदाधिकारी के रूप में नामित करेंगे, जो जिले के सभी अस्पतालों में दवा की उपलब्धता का मॉनिटरिंग करेंगे। नियमित रूप से इसकी जानकारी सिविल सर्जन को देंगे। सिविल सर्जन दवा की उपलब्धता की जानकारी हर माह निदेशालय को देंगे। इसके लिए निदेशालय में जिलावार नोडल पदाधिकारी की नियुक्ति की गई है। सभी सिविल सर्जन दवाओं की उपलब्धता का आकलन करेंगे, जिन दवाओं की जरूरत अगले तीन-चार माह में होने की संभावना होगी, सिर्फ उन्हीं दवाओं की खरीद की जायेगी।

केंद्रीय रक्षा राज्य मंत्री ने मलेशिया में भारतीय प्रवासियों के साथ किया संवाद

विकसित भारत के लक्ष्य को साकार करने में राष्ट्र पर गर्व : संजय सेठ

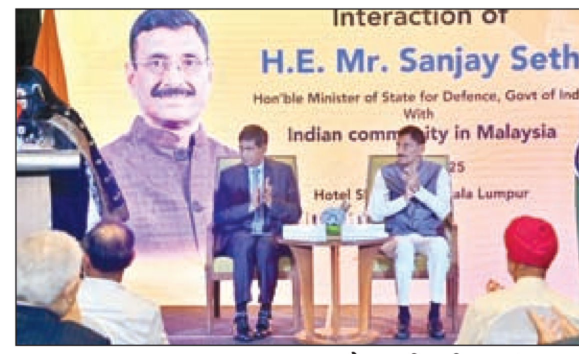

खबर मन्त्र ब्यूरो

रांची। केंद्रीय रक्षा राज्य मंत्री संजय सेठ ने गुरुवार को मलेशिया में भारतवंशियों के साथ संवाद किया। इस क्रम में उन्हें प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में बदलते भारत से रूबरू कराया। उन्हें बताया कि मोदी सरकार के नेतृत्व में नया भारत हर क्षेत्र में तेजी से कदम आगे बढ़ा रहा है। यह खुशी है कि दुनिया भर के भारतवंशी भारत को पूर्ण समर्थन कर रहे हैं। अभी भारत विकसित भारत 2047 के लक्ष्य के साथ आगे बढ़ रहा है। उन्होंने कहा कि ऑपरेशन सिंदूर के माध्यम से हमने बता दिया कि आतंकवाद का फन कुचलने के लिये भारत सदैव खड़ा है। आतंकवाद जैसे विषय पर भारत जीरो टॉलरेंस की नीति रखता है और यह आगे भी जारी रहेगा। जहां हम आत्मनिर्भर भारत और मेक इन इंडिया का मंत्र अपना रहे हैं। पूरी दुनिया को भी अपना महत्वपूर्ण सहयोग दे रहे हैं। इस संवाद कार्यक्रम में भारतवंशियों से कई विषयों पर परिचर्चा की। इस अवसर पर मलेशिया में भारत के राजदूत बीएन रेड्डी सहित विभिन्न क्षेत्रों से भारतीय समुदाय, प्रतिष्ठित प्रवासी, भारतीय सम्मान पुरस्कार विजेता आदि उपस्थित थे।

दक्षिण पूर्व रेलवे - निविदा

निविदा सूचना सं.: डीआरएमईएनजीजीआरएनसी-29-31-2025, भारत के राष्ट्रपति की ओर से एवं उनके लिए, मंडल रेल प्रबंधक (इंजी.), रांची-834003 द्वारा निम्नलिखित कार्य के लिए ई-निविदा आमंत्रित की जाती है: क्रम सं., सूचना सं. एवं कार्य का नाम निम्नानुसार है: (1) डीआरएमईएनजीजीआरएनसी-29-2025, वरि. डीईएन (दक्षिण)/रांची के कार्यक्षेत्र में ऑटो टैंपिंग विबल के साथ फिट किए हुए सिंगल शॉट क्रूसिबल के साथ पर्यवेक्षण सहित 2275 अदद 60 केजी 90 यूटीएस और 6347 अदद 60 केजी/60 ईआई-आर260 ग्रेड रेल वेल्डिंग पोर्शन इन सिटु की आपूर्ति (कुल: 8622 जॉइंट)। निविदा मूल्य: रु. 2,00,22,725.59, बयाना राशि: रु. 2,50,100/- (2) डीआरएमईएनजीजीआरएनसी-30-2025, रांची मंडल- डीईएन (पूर्व)/रांची के कार्यक्षेत्र में ऑटो टैंपिंग विबल के साथ फिट किए हुए सिंगल शॉट क्रूसिबल के साथ पर्यवेक्षण सहित 2505 अदद 60 केजी 90 यूटीएस, 6010 अदद 60 केजी/60 ईआई-आर260 और 250 अदद 52 केजी 90 यूटीएस ग्रेड रेल वेल्डिंग पोर्शन इन सिटु की आपूर्ति (कुल: 8765 जॉइंट)। निविदा मूल्य: रु. 2,02,60,462.40, बयाना राशि: रु. 2,51,300/- (3) डीआरएमईएनजीजीआरएनसी-31-2025, रांची मंडल में एलएचएस/एनएचएस के निर्माण द्वारा (बॉक्स पुशिंग तकनीक द्वारा) प्रतिस्थापित एलसी नं. सीएम-29, सीएम-22, सीएम-55 और एमएच-1 को हटाया जाना। निविदा मूल्य: रु. 34,38,41,585.98, बयाना राशि: रु. 18,69,200/-. निविदा की अंतिम तिथि और समय: दिनांक 13.06.2025 को 15.00 बजे (प्रत्येक हेतु)। निविदाकार ऑनलाइन निविदा करने के लिए वेबसाइट www.ireps.gov.in देख सकते हैं। (PR-186)

उषा मार्टिन के निदेशक का पासपोर्ट रिलीज

रांची। लौह अयस्क खनन घोटाला मामले में आरोपी उषा मार्टिन लिमिटेड के निदेशक राजीव झावर को एक लाख की जमानत राशि पर पासपोर्ट रिलीज करने का आदेश सीबीआई कोर्ट ने दिया है। मामले में राजीव झावर अग्रिम जमानत पर हैं। अदालत की शर्त पर उन्होंने अपना पासपोर्ट जनवरी महीने में जमा किया था। उनकी ओर से पासपोर्ट रिलीज करने को लेकर बुधवार को याचिका दाखिल की गयी थी। भ्रष्टाचार मामले को लेकर सीबीआई ने 22 सितंबर 2016 में तत्कालीन खनन सचिव अरुण कुमार सिंह, मेसर्स उषा मार्टिन लिमिटेड, कंपनी के निदेशक राजीव झावर, सहायक उपाध्यक्ष एसके सिंह, खनन निदेशक इंद्रदेव पासवान समेत छह के खिलाफ जनवरी 2023 में चार्जशीट दाखिल की थी। इसी मामले में पिछले दिनों सीबीआई कोर्ट ने संज्ञान लिया है। इसके बाद उन्होंने जनवरी महीने में सरेंडर कर जमानत की सुविधा प्राप्त की थी।

सेन्ट्रल माईन प्लानिंग एण्ड डिजाईन इन्स्टीच्यूट लिमिटेड
CENTRAL MINE PLANNING & DESIGN INSTITUTE LIMITED
(कोल इण्डिया की एक अनुषंगी ईकाई)
गोंदवाना प्लेस, काँके रोड, राँची-834008, झारखंड, भारत

सूचना

"सामग्री, कार्यों एवं सेवाओं की खरीद हेतु सीआईएल एवं इसकी अनुषंगी कम्पनियों द्वारा जारी सभी निविदाएँ कोल इंडिया लिमिटेड की वेबसाइट www.coalindia.in/ संबंधित अनुषंगी कंपनी (सीएमपीडीआई, www.cmpdi.co.in), सीआईएल ई-प्रोक्योरमेंट पोर्टल https://coalindiatenders.nic.in एवं सेंट्रल पब्लिक प्रोक्योरमेंट पोर्टल https://eprocure.gov.in पर उपलब्ध हैं। इसके अलावा, जीईएम पोर्टल https://gem.gov.in के माध्यम से भी खरीद की जाती है।"

OFFICE OF THE EXECUTIVE ENGINEER, MINOR IRRIGATION DIVISION, HAZARIBAG.

Short e-Procurement Re-Tender Notice

Tender Reference No. :- DMFT/MID/HAZARIBAG/F2-05/2025-26

Letter no - 486 Date :- 22.05.2025

1.	Name of the work	Construction of 1.2 KM road from Padma Railway Station to Saraiyapar river Via Garukurha, Vill- Padma, Block- padma
2.	Estimated Cost (Rs.)	Rs.- 2,49,01,400.00
3.	Time of Completion	11 Months
4.	Date of Publication of e-Tender on website	29.05.2025 at 3:00 P.M (e-Procurement Portal- http://jharkhandtenders.gov.in)
5.	Last date/Time for Submission of e-Tender bids Online	05.06.2025 up to 5:00 P.M
6.	Last Date for Online Submission of Tender Fee and EMD	05.06.2025 up to 5:00 P.M
7.	Date of opening of e-Tender	06.06.2025 at 03:00 P.M
8.	Name & address of office Inviting tender	Executive Engineer, Minor Irrigation Division, Hazaribag
9.	Contact no. of e-Procurement officer	06546-270485
10.	E-mail of e- Procurement officer	eemidhbg-cemr-jhr@nic.in

Note:- 1.) Only e-Tender will be accepted.
2.) Published Estimated Cost may be increased or decreased.
3.) Further details can be seen and Mode of Submission of Online Tender/Tender Fee/EMD through http://jharkhandtenders.gov.in

Executive Engineer,
Minor Irrigation Division,
Hazaribag.

PR 353252 Minor Irrigation(25-26).D

JHARKHAND URJA SANCHARAN NIGAM LIMITED
(CIN No.:U40108JH2013SGC001704)
Regd. Office: 2nd Floor, JUSNL (SLDC) Building Kusai Colony, Doranda, Ranchi - 834002
(E-mail:cetjusnl@gmail.com)

e-TENDER NOTICE

NIT No. – 122/PR/ JUSNL/ 2025-26

E-tender in two parts i.e. Technical (Part-I) and Financial (Part – II) is invited from reputed, capable, experienced and financially sound firm for the following works : -

Name of work	Design, Engineering, Supply of materials/ equipment, Erection, Testing & Commissioning of 04 nos. 220 kV bays at TTPS Switchyard within premises of TVNL, Lalpania (Bay no. 07, 09, 10 & 13) for the termination of 220 kV D/C Hazaribagh-TTPS and Gomia – TTPS transmission line along with dismantling, loading & unloading transportation of existing damaged/ available equipment from site store of TVNL, Lalpania on turnkey basis.
Estimated cost (Rs.)	Rs. 11,73,88,267.00 (including GST)
Earnest Money Deposit	Rs. 23,47,800.00 (On line mode)
Completion Period	06 (Six) Months
e-Tender fee	Rs. 15,000.00 + 18% (Online mode).
Start Date & Time of Download the Tender Documents	27.05.2025 at 11:00 AM
Start Date and time of upload of BID	27.05.2025 at 11:00 AM
End date and time of upload of BID	16.06.2025 upto 04:00 PM
BID Opening date for technical part	17.06.2025 at 04:00 PM
BID Opening date for price part	Will be communicated
Procurement Officer and address for communication	General Manager, C&M (NWBP), 2nd Floor, JUSNL (SLDC) Building, Kusai Colony, Doranda, Ranchi – 834002

1. e-Tender document and BOQ including terms & conditions, tender specification can be downloaded from website https://jharkhandtenders.gov.in. Any details required in this regard can also be had from the office of the undersigned (6202162568) during office hours.
2. The bids will be received through electronic tendering mode only.
3. No claim shall be entertained on account of disruption of internet services being used by bidders. Bidders are advised to upload their bids well in advance to avoid last minute technical snag.

स्वहित एवं राष्ट्रहित में ऊर्जा बचायें। कृपया अपनी शिकायतों को 18003456570 (कॉल सेन्टर) पर दर्ज करायें।

Sd/-
General Manager
C&M (NWBP)

PR 353235 Jharkhand Urja Sancharan Nigam Ltd (25-26)_D

पंचायती राज विभाग सचिव गये जेल, निदेशक का पद एक माह से खाली

- विनय चौबे कागजों में तो विभाग के सचिव हैं पर उनके जेल में रहने से विभाग का काम नहीं हो पा रहा है

खबर मन्त्र ब्यूरो

रांची। पंचायती राज विभाग के प्रधान सचिव आइएएस अधिकारी विनय कुमार चौबे शराब घोटाला के आरोप में जेल भेज दिए गये हैं। एसीबी ने उन्हें 20 मई को गिरफ्तार किया था। ऐसे में वर्तमान समय में न तो विभाग में प्रधान सचिव हैं और न ही निदेशक। हालांकि, सरकार ने विभागीय सचिव को अभी निलंबित नहीं किया है। वहीं, पंचायती राज विभाग में एक माह से अधिक समय से निदेशक का पद भी रिक्त है। नौ अप्रैल को ही भारत सरकार ने निशा उरांव की सेवा वापस उनके पैतृक विभाग में ले ली थी।

निशा उरांव भारतीय राजस्व सेवा की पदाधिकारी थीं। निदेशक के वापस जाने के बाद से अब तक पंचायती राज विभाग में नये निदेशक की नियुक्ति नहीं हुई है। राज्य सरकार ने अभी तक किसी वरीष्ठ आइएएस अधिकारी को इस काम की जिम्मेवारी नहीं सौंपी है। ऐसे में पंचायती राज विभाग में दो महत्वपूर्ण पदों में इन दिनों अधिकारी मौजूद नहीं हैं। विनय चौबे कागजों में तो विभाग के सचिव हैं पर उनके जेल में रहने से विभाग का काम नहीं हो पा रहा है। वहीं निदेशालय का काम भी फंसा है। पेसा रूल सहित अन्य जरूरी कार्यवाही नहीं हो पा रही है। विभाग के अधिकारी व कर्मचारी सिर्फ रूटीन कार्य कर रहे हैं।

राज्यकर्मी स्वास्थ्य बीमा योजना में ऑफलाइन की कोई गुंजाइश नहीं : अबु इमरान

- राज्य कर्मी स्वास्थ्य बीमा योजना के तहत बोर्ड, निगम, यूनिवर्सिटी के नोडल पदाधिकारियों की कार्यशाला आयोजित

खबर मन्त्र ब्यूरो

रांची। राज्यकर्मी स्वास्थ्य बीमा योजना के अंतर्गत राज्य सरकार के बोर्ड, निगम और विश्वविद्यालय के नोडल पदाधिकारियों के साथ एक कार्यशाला सह उन्मुखीकरण कार्यक्रम का आयोजन आईपीएच नामकुम में किया गया। इस कार्यशाला सह उन्मुखीकरण कार्यक्रम में राज्यकर्मी स्वास्थ्य बीमा योजना में शामिल होने की प्रक्रिया और पंजीकरण की प्रक्रिया को विस्तार से बताया गया। कार्यशाला को संबोधित करते हुए कार्यकारी निदेशक, झारखंड राज्य आरोग्य सोसाइटी अबु इमरान ने कहा कि यह योजना पूरी तरह से ऑनलाइन है और इसमें ऑफलाइन की गुंजाइश नहीं है।

झारखंड स्टेट आरोग्य सोसाइटी के वरिष्ठ परामर्शी सह डाटा एनालिस्ट अंशु कुमार ने बीमा योजना के बारे में बताते हुए कहा कि इसमें शामिल होने के लिए संबंधित बोर्ड, निगम और विश्वविद्यालय के विभागाध्यक्ष योजना से जुड़ने के लिए सहमति पत्र उपलब्ध करवाएंगे। इसके बाद ही पदाधिकारियों एवं कर्मियों का डेटाबेस विहित प्रपत्र में उपलब्ध कराया जाएगा। संस्थानों के वास्तविक कर्मियों की संख्या के विरुद्ध एकमुश्त राशि जसास को उपलब्ध करवानी होगी। इसके बाद संबंधित पोर्टल संबंधित संस्थान के आवेदन के लिए सक्रिय हो जाएगा। संबंधित विभागाध्यक्ष के द्वारा आवेदक के ऑनलाइन आवेदन के सत्यापन के बाद संबंधित डाटा जसास के पास भेजी जाएगी। वहीं, वरिष्ठ परामर्शी विवेक कुमार नायक ने कार्यशाला के दौरान अपने संबोधन में पंजीकरण की प्रक्रिया पर प्रकाश डाला। उन्होंने डीडीओ या एचओडी के स्तर पर आवेदनों के अनुमोदन और स्वीकृति के बाद की जाने वाली सारी प्रक्रिया पर विस्तार से जानकारी दी। कार्यक्रम में टाटा एआईजी के चीफ मैनेजर मुकेश पराशर और जैप आईटी के सीईओ राजकुमार के साथ जेएसएएस के सारे पदाधिकारी और कर्मी उपस्थित थे।

झारखंड कांग्रेस कनेक्ट सेंटर की पड़ताल, 70 प्रखंड अध्यक्ष हुए ट्रेसलेस!

खबर मन्त्र ब्यूरो

रांची। प्रदेश कांग्रेस के अधिनस्थ काम कर रहे कांग्रेस साथी केंद्र (कनेक्ट सेंटर) को राज्य के 323 सांगठनिक प्रखंडों में से करीब 70 ऐसे प्रखंड मिले हैं जहां के कांग्रेस प्रखंड अध्यक्षों का कोई अता-पता नहीं चल रहा है। ये सभी लोग पार्टी गतिविधियों से गायब या निष्क्रिय हो चुके हैं। ऐसे में सभी 70 प्रखंडों के अध्यक्ष तो कनेक्ट सेंटर के पदाधिकारियों का न तो फोन उठा रहे हैं और न ही अपने अपने जिला के जिलाध्यक्षों के संपर्क में हैं। झारखंड प्रदेश कांग्रेस कमेटी अब इन 70 प्रखंडों में नए प्रखंड अध्यक्षों की नियुक्ति की प्रक्रिया शुरू कर दी है।

लापता प्रखंड अध्यक्षों की जगह की कवायद

जिन-जिन जिलों के लापता हुए प्रखंड अध्यक्षों की जगह नए और पार्टी के प्रति समर्पित पार्टी कार्यकर्ताओं की प्रखंड अध्यक्ष पद पर नियुक्ति करना है। उन जिलों के जिलाध्यक्ष से 03-03 नाम मांगें गए हैं। झारखंड कांग्रेस के प्रदेश अध्यक्ष केशव महतो कमलेश ने कहा कि जिन-जिन प्रखंड के कांग्रेस अध्यक्ष निष्क्रिय या लापता हैं वहां जल्द ही नए प्रखंड अध्यक्ष की नियुक्ति कर दी जाएगी। प्रदेश अध्यक्ष ने कहा कि हर प्रखंड में कांग्रेस के 12 पदाधिकारी (01 अध्यक्ष+02 उपाध्यक्ष+09 महासचिव) की नियुक्ति जरूरी है। ऐसे में अब जिन जिन 70 प्रखंडों के कांग्रेस प्रखंड अध्यक्ष लापता या निष्क्रिय मिले हैं, उन सबकी जगह नए और एक्टिव प्रखंड अध्यक्ष नियुक्त किये जाएंगे।

कनेक्ट सेंटर ने कागजी प्रखंड अध्यक्षों को पकड़ा

झारखंड कांग्रेस में कुल 323 सांगठनिक प्रखंड है। इस हिसाब से कहें तो लगभग 21% है। अब सवाल यह उठता है जब इतनी बड़ी संख्या में प्रखंड अध्यक्ष लापता या निष्क्रिय थे तो पहले से जिलाध्यक्ष ने इसकी सूचना पार्टी के प्रदेश मुख्यालय को क्यों नहीं दी? इस सवाल के जवाब में कांग्रेस के प्रदेश प्रवक्ता जगदीश साहू ने कहा कि जब ये प्रखंड अध्यक्ष पार्टी कार्यक्रमों में नहीं दिखते थे तो इसकी तो जानकारी मुख्यालय को मिलती थी। लेकिन तब यह समझा जाता था कि किसी वजह से वह पार्टी कार्यक्रम में नहीं आये हैं। जब कांग्रेस शासित प्रदेशों में स्थापित कनेक्ट सेंटर भी लापता प्रखंड अध्यक्षों से संपर्क स्थापित नहीं कर पाया तो यह माना गया कि ये ट्रेसलेस प्रखंड अध्यक्ष हैं। जिन्हें हटाकर नए प्रखंड अध्यक्ष की नियुक्ति सुनिश्चित कर दी गयी।

ग्रामीण विकास विभाग का निर्देश, हर जिले में मिलेगा पलाश उत्पाद

गोड्डा स्थित झारक्राफ्ट सेंटर को जेएसएलपीएस चलायेगा

खबर मन्त्र ब्यूरो

रांची। ग्रामीण विकास विभाग ने राज्य के प्रत्येक जिले में पलाश से जुड़े उत्पादों की उपलब्धता सुनिशिचत कराने का निर्देश जेएसएलपीएस को दिया है। इन पलाश सेंटरों व उत्पाद सेंटरों का हर माह विभागीय मंत्री दीपिका पांडेय सिंह द्वारा निरीक्षण भी किया जायेगा। विभाग ने स्पष्ट किया है कि पलाश उत्पादों की मार्केटिंग को बेहतर तरीके से कराया जाये ताकि ग्राहकों की इन उत्पादों तक पहुंच हो सके।

ग्रामीण विकास विभाग ने इसके अलावा गोड्डा में अवस्थित झारक्राफ्ट सेंटर का उपयोग जेएसएलपीएस के माध्यम से कराने का निर्णय लिया। इसके लिए आवश्यक कार्रवाई का निर्देश अधिकारियां को दिया गया है। झारक्राफ्ट से जुड़े पदाधिकारियों से जल्द वार्ता भी की जायेगी।

झारखंड में आयुष्मान योजना के तहत अगले हफ्ते से बंद हो सकता है इलाज

- भुगतान के अभाव में प्राइवेट अस्पतालों के लिए कोढ़ साबित होने लगी सीएम जन आरोग्य योजना
- राज्य सरकार पर अस्पतालों का 340 करोड़ रुपये बकाया

खबर मन्त्र ब्यूरो

रांची। मुख्यमंत्री जन आरोग्य योजना (एमएमजेवाइए) राज्य के प्राइवेट अस्पतालों के लिए बड़ी चुनौती साबित हो रही है। राज्य सरकार पर कुल 340 करोड़ रुपये का बकाया है, जो पिछले 10 महीनों से भुगतान नहीं किया गया है। इससे अस्पतालों की आर्थिक हालत इतनी खराब हो चुकी है कि वे अब इस योजना के अंतर्गत इलाज कराने में असमर्थ हैं।

यह बातें आइएमए सभागार मं आयोजित पीसी में हॉस्पिटल बोर्ड ऑफ इंडिया झारखंड के सचिव डॉ शंभु सिंह ने कही। उन्होंने कहा कि यह योजना आयुष्मान भारत योजना के नाम से भी झारखंड में जानी जाती है। यह गरीबों, जरूरतमंदों के लिए बड़ा वरदान है पर पिछले 10 माह से प्राइवेट अस्पतालों के लिए आफत साबित होने लगा है। असल में जन आरोग्य योजना के तहत अस्पतालों को लंबे समय से भुगतान नहीं हो पा रहा है।

राज्य में 750 प्राइवेट अस्पताल हैं। इनमें से करीब करीब सबों को योजना के तहत इस साल फरवरी की शुरुआत से भुगतान नहीं मिला है। 212 अस्पताल तो ऐसे हैं, जिन्हें पिछले 10 महीनों से ही पेमेंट राज्य सरकार के स्तर से नहीं हो पाया है। इसके कारण अस्पतालों को चलाना बहुत कठिन हो रहा है। राज्य की करीब 88% आबादी के पास अब जन आरोग्य योजना के तहत इलाज कराने की सुविधा उपलब्ध हो चुकी है।

अब ऐसे में इलाज तो अस्पताल कर रहे हैं पर इसका भुगतान नहीं मिलने से आफत आ रही है। हजारीबाग में तो 20 छोटे अस्पताल बंद भी हो चुके हैं। इस तरह की स्थिति पलामू, गिरिडीह में भी आ रही है।

इसका खामियाजा अस्पताल में काम करने वाले डॉक्टर, स्टाफ के अलावा आम लोगों को भी भोगना पड़ेगा।

आखिर अस्पताल का क्या दोष : प्रदीप सिंह

डॉ प्रदीप सिंह ने कहा कि राज्य के 212 अस्पताल नेशनल एंटी फ्रॉड यूनिट के आरोप से संबंधित समस्याओं का सामना कर रहे हैं। ये गैर महत्वपूर्ण आरोग्य हैं। सरकार ने कईयों को आरोप मुक्त भी कर दिया है। इसके बावजूद गरीब मरीजों को दी गयी सेवाओं के लिए उन्हें कोई भुगतान नहीं मिला है। उन्हें कभी भी जन आरोग्य योजना के तहत इलाज बंद करने को नहीं कहा गया। अब ऐसी स्थिति में 10 महीने से भुगतान बंद रहने से अस्पताल बंदी की कगार पर पहुंच रहे हैं। राज्य सरकार के विभागीय मंत्री और संबंधित अधिकारियों के स्तर से केवल आश्वासन मिलता है तो कभी सॉफ्टवेयर में समस्या बताई जाती रही है। करीब 140 करोड़ रुपए जन आरोग्य योजना के तहत निजी अस्पतालों के बकाया हैं। उम्मीद है कि सरकार सप्ताह भर में गंभीर पहल करेगी। ऐसा नहीं होने पर स्वास्थ्य सेवाएं चरमरा जाएंगी।

मौके पर आइएमए, झारखंड स्टेट के चेयरमैन डॉ अनंत सिन्हा, सचिव डॉ प्रदीप सिंह, वाइस चेयरमैन डॉ अमित मोहन, ज्वाइंट सेक्रेट्री डॉ लाल मांझी, ट्रेजरर डॉ राजेश कुमार, आइएमए एचबीआइ के स्टेट कॉर्डिनेटर डॉ अभिषेक रामधीन और अन्य भी उपस्थित थे।

वाहन मालिकों से छह लाख जुर्माना वसूला

रांची। परिवहन विभाग ने गुरुवार को रांची शहर में जांच अभियान चलाया। शहर के कचहरी चौक, मोरहाबादी और मेसरा में वाहनों की जांच की गई। इस दौरान 26 वाहन मालिकों से 6.03 लाख रुपया का जुर्माना वसूला गया। अभियान गुरुवार अहले 3.00 बजे से शुरू की गई थी। जानकारी के मुताबिक रांची के डीसी मंजूनाथ भजंत्री के निर्देश पर डीटीओ अखिलेश कुमार की टीम ने वाहनों को रोक कर उसके कागजात, टैक्स, ओवरलोड, ड्राइविंग लाइसेंस, इंश्योरेंस, परमिट, पॉल्यूशन सर्टिफिकेट, टैक्स रसीद आदि की जांच की। डीटीओ अखिलेश कुमार ने बताया कि गुरुवार को चले अभियान में कुल 189 वाहनों की जांच की गई। इनमें 26 गाड़ियों के कागज पूरे नहीं मिले। इन वाहन मालिकों से 6,03,002 रुपये का जुर्माना वसूला गया। डीटीओ ने बताया कि तीन जगहों पर चली जांच के दौरान 5 वाहनों को जब्त किया गया। मेसरा में चार, मोरहाबादी में एक वाहन को जब्त किया गया है।

रेलवे में नौकरी दिलाने के नाम पर युवक से तीन लाख 20 हजार ठगे

प्राथमिकी दर्ज, पुलिस कर रही छानबीन

खबर मन्त्र संवाददाता

रांची। राजधानी में रेलवे में नौकरी दिलाने का झांसा देकर युवक से तीन लाख बीस हजार रूपये की ठगी करने का मामला प्रकाश में आया है। इस संबंध में धुर्वा थाना क्षेत्र के जेपी मार्केट में रहनेवाले पीड़ित जीतेंद्र मुंडा ने धुर्वा थाना में आरोपी सोनू कुमार के खिलाफ नामजद प्राथमिकी दर्ज करायी है। आरोपी बांसकोचा, धुर्वा का रहनेवाला है। पुलिस मामले की छानबीन कर रही है।

क्या है मामला : धुर्वा थाना में गुरुवार को दर्ज प्राथमिकी में रांची के धुर्वा जेपी मार्केट के रहने वाले जीतेंद्र मुंडा ने पुलिस को बताया है कि रेलवे में नौकरी लगाने का झांसा देकर उनसे तीन लाख बीस हजार रूपये की ठगी कर ली गई। जीतेंद्र मुंडा बताया है कि 2024 में उनकी जान-पहचान सोनू कुमार से हुई। उसने रेलवे डिपार्टमेंट में अच्छी जान-पहचान की बात बताई। इसके बाद रेलवे में कंप्यूटर ऑपरेटर क्लर्क के पद पर नौकरी लगाने की बात कही। इस एवज में राशि देने की बात कही। इसके बाद रेलवे में नौकरी होने के झांसा में आकर 4 जून से 11 जुलाई 2024 के बीच जीतेंद्र ने आरोपी को ऑनलाइन और ऑफलाइन 3.20 लाख रुपए दिया। आरोपी के द्वारा 8 अगस्त 2024 को साउथ ईस्टर्न रेलवे रांची डिविजन का एक ट्रेनिंग लेटर, पहचान पत्र और मेडिकल कार्ड उन्हें दिया गया। तीनों कागजातों को लेकर जब वह डीआरएम ऑफिस हटिया गए तो जानकारी मिली कि सभी कागजात जाली हैं। इस बात की जानकारी जब वह आरोपी को दिया तो उसने पैसा वापस करने की बात कही। दबाव बनाने के बाद आरोपी ने उन्हें 3.20 लाख रुपए के चेक दिया। मगर, बैंक में जमा करने पर चेक बाउंस कर गया। दबाव बनाने पर आरोपी ने उन्हें और उनके परिवार की हत्या करने की धमकी दी।

झारखण्ड, महाराष्ट्र, पुण्डुचेरी, उत्तराखण्ड और बिहार में कुल सात शिकायतें थीं दर्ज

सीबीआई अधिकारी बन 59 लाख की ठगी करने वाले दो साइबर अपराधी गिरफ्तार

- बिहार से साइबर अपराधियों की हुई गिरफ्तारी
- महिला एवं ग्रामीण विकास कल्याण समिति के नाम पर एचडीएफसी बैंक में खुला था खाता

खबर मन्त्र संवाददाता

रांची। सीबीआई का अधिकारी बनकर वॉटस्एप कॉल कर मनी लॉन्ड्रिंग का फर्जी केस कर डिजिटल अरेस्ट की धमकी देते हुये ठगी करनेवाले दो साईबर अपराधियों को गिरफ्तार किया गया है। सीआईडी, झारखंड अंतर्गत साईबर थाना ने दोनों अपराधी अजय कुमार सिन्हा और सौरभ शेखर को बिहार के पटना जिला अंतर्गत सुलतानगंज थाना क्षेत्र के टिकिया टोली से गिरफ्तार किया है। इन अभियुक्तो के पास से दो चेक, तीन सिम, दो आधार कार्ड, दो चेकबुक व कांड से संबंधित वॉटस्एप चैट बरामद किया गया है।

क्या है मामला : साईबर थाना में 28 मार्च 2025 को मामला दर्ज किया गया था। जिसमें गिरफ्त में आये साईबर अपराधियों ने पीड़िता को सीबीआई का फर्जी अधिकारी बनकर मनी लॉन्ड्रिंग का फर्जी केस कर डिजिटल अरेस्ट की धमकी देते हुये भयभीत कर 59 लाख 44 हजार 307 रूपये की साईबर ठगी की थी। जिसमें साईबर थाना की पुलिस ने अनुसंधान के क्रम में प्राप्त तकनीकी एवं दस्तावेजी साक्ष्य के आधार पर छापामारी कर काण्ड में संलिप्त दो साईबर अपराधकर्मी को टिकिया टोली महेंदु, थाना-सुलतानगंज, जिला-पटना, बिहार से गिरफ्तार किया गया है। गिरफ्तार अभियुक्त के पास से काण्ड से संबंधित सामानो को बरामद किया गया है।

एक दिन में एक करोड़ 47 लाख 95 हजार खाता में किया क्रेडिट

इस मामले में अभियुक्त ने 'महिला एवं ग्रामीण विकास कल्याण समिति के नाम पर एचडीएफसी बैंक में एक खाता खुलवाया था। उसी खाते में पीड़ितों से ठगे गए पैसे जमा कराए जाते थे, ताकि धोखाधड़ी को किसी सामाजिक संस्था की आड़ में छुपाया जा सके। केवल एक दिन में इस खातें में कुल रू0 1,47,95,307 क्रेडिट हुआ है। एनसीआरपी पर इस खाते से संबंधित विभिन्न राज्यों (झारखण्ड-1, महाराष्ट्र-2, पुण्डुचेरी-1, उत्तराखण्ड-2, बिहार-1) में कुल 7 शिकायतें दर्ज की गई हैं, जो इसकी व्यापकता को दशार्ती है।

ऐसे ठगी करते हैं अपराधी

साइबर अपराधी स्वयं को केंद्रीय एजेंसियों का अधिकारी बताकर पीड़ित को वीडियो कॉल करता है। कॉल के दौरान अपराधी सरकारी वर्दी पहने व्यक्ति का वीडियो दिखाकर विश्वास दिलाता है कि पीड़ित का नाम मनी लॉन्ड्रिंग या किसी अन्य गंभीर मामले में शामिल है। फिर 'डिजिटल अरेस्ट' की धमकी देकर पीड़ित को मानसिक रूप से भयभीत करता है। इस भय का लाभ उठाकर आरोपी पीड़ित से ठगी के उद्देश्य से तत्काल भुगतान की मांग करता है। भुगतान के लिए बैंक अकाउंट डिटेल्स साझा की जाती हैं। पीड़ित से एक या एक से अधिक बार में बड़ी धनराशि ट्रांसफर करवा ली जाती है।

मोरहाबादी वेंडर मार्केट की लॉटरी 27 मई को

खबर मन्त्र संवाददाता

रांची। रांची नगर निगम में मंगलवार को टाउन वेंडिंग कमेटी (टीवीसी) की बैठक का आयोजन किया गया। बैठक की अध्यक्षता नगर निगम के उप प्रशासक ने की। बैठक में मोरहाबादी में वेंडर मार्केट को लेकर कई अहम फैसले लिये गए।

बैठक में संजय कुमार ने जानकारी दी कि मोरहाबादी वेंडर मार्केट की दुकानें आवंटित करने के लिए 27 मई को लॉटरी निकाली जाएगी। इसके लिए कुल 175 वैध आवेदन मिले हैं। 31 ऐसे आवेदन हैं, जहां पति-पत्नी दोनों ने आवेदन किया है, लेकिन नियमानुसार एक ही व्यक्ति को स्थान दिया जायेगा। बैठक में बताया गया कि इस वेंडर मार्केट में प्राथमिकता उन वेंडर्स को दी जाएगी, जिन्हें 5 मार्च 2022 को मोरहाबादी स्थित रजिस्ट्री ऑफिस और एमटीएस के पास अस्थायी रूप से जगह दी गई थी। निगम ने तय किया है कि दुकानदारों से 500 मासिक किराया लिया जायेगा। वहीं जो वेंडर्स केवल पत्ता या दातून बेचेंगे, उनसे 250 प्रति माह किराया लिया जाएगा। सुरक्षा की दृष्टि से मार्केट में गार्ड की भी नियुक्ति की जाएगी, ताकि दुकानदारों के सामान की रक्षा हो सके। साथ ही शौचालय और पीने के पानी की व्यवस्था भी की जा रही है।

वहीं बैठक में मौजूद वेंडर्स ने एक प्रस्ताव भी रखा कि इस मार्केट का नाम बिरसा मुंडा के नाम पर रखा जाए। नगर निगम ने आश्वासन दिया है कि जल्द ही सारी प्रक्रिया पूरी कर दुकानों का आवंटन किया जाएगा।

बीएयू वैज्ञानिक की 60 साल में सेवानिवृत्त पर हाईकोर्ट की रोक

रांची। झारखंड हाईकोर्ट ने बिरसा कृषि विश्वविद्यालय (बीएयू) के वैज्ञानिक को 60 साल की उम्र में सेवानिवृत्त किए जाने के नोटिस पर अगले आदेश तक रोक लगा दी है। जस्टिस संजय प्रसाद के वेकेशन कोर्ट ने गुरुवार को वैज्ञानिक डॉ प्रदीप प्रसाद की याचिका पर सुनवाई करने के बाद रोक लगायी और बीएयू और आईसीएआर को जवाब दाखिल करने का निर्देश दिया। डॉ प्रदीप प्रसाद की ओर से पक्ष रखते हुए अधिवक्ता अभय कुमार मिश्र ने अदालत को बताया कि पूर्व में एक मामले की सुनवाई करते हुए हाईकोर्ट ने बीएयू को कहा था कि वैज्ञानिक शिक्षक हैं या नहीं, इस पर निर्णय लें। इस पर बीएयू की ओर से कहा गया कि बोर्ड ऑफ डायरेक्टर ने वैज्ञानिकों को शिक्षक माना है और उन्हें शिक्षकों की तरह सुविधाएं देने का निर्णय लिया गया है।

बिरसा जैविक उद्यान की शेरनी प्रियंका का निधन, अब शशांक शेर अकेले बचा

खबर मन्त्र संवाददाता

ओरमांझी। भगवान बिरसा जैविक उद्यान की शेरनी प्रियंका की मौत हो गयी। करीब 15 वर्षीय शेरनी प्रियंका की तबीयत बुधवार दोपहर से ही अचानक बिगड़ गयी थी। उद्यान के पशु चिकित्सक डॉ ओपी साहू उपचार शुरू तो किया, पर उसे बचाया नहीं जा सका। गुरुवार को रांची पशु चिकित्सा महाविद्यालय के पैथोलोजी विभाग के अध्यक्ष डॉ एमके गुप्ता के नेतृत्व में चिकित्सक दल ने अंत्यपरीक्षण किया। मौत का कारण बच्चेदानी में गंभीर संक्रमण होना बताया गया। डॉ ओपी साहू ने बताया कि मृत शेरनी के विभिन्न अंगों का सैंपल पशु चिकित्सालय महाविद्यालय रांची भेजा गया है। बाद में शव को जैविक उद्यान के शवदागृह में जला दिया गया। बताया गया कि हाईब्रिड नस्ल की मादा शेरनी प्रियंका को 2014 में बनरंघटा चिड़ियाघर बैंगलोर से लाया गया था। प्रियंका के साथ शशांक शेर को भी लाया गया था। शषांक की उम्र भी 13 वर्ष हो गई है।

प्रियंका

शशांक शेर

जैविक उद्यान के पशु चिकित्सक डा. ओपी साहू ने बताया, सामान्यतः सामान्य वन्यजीवों की अपेक्षा हाईब्रिड नस्ल के वन्यजीवों की रोग प्रतिरोधक क्षमता कम होती है, और इनमें संक्रमण का भी खतरा बना रहता है। हाइब्रिड शेर-शेरनी की औसत उम्र भी लगभग 15-16 वर्ष ही होती है। सामान्य शेर ग्रेड वन श्रेणी के होते हैं, लेकिन प्रियंका व शशांक ग्रेड वन श्रेणी के नही थे। जैविक उद्यान में ग्रेड वन श्रेणी के जय वीरू दो शेर थे। जिनकी पूर्व में मौत हो चुकी है। वहीं प्रियंका की मौत के बाद, जैविक उद्यान में शेर अब सिर्फ शाशांक ही बचा है। प्रियंका के छोड़ जाने के बाद अब वह अकेला रह गया है।

खबर एक नजर में

सर्वजन पेंशनधारियों को मिला एक-एक हजार

रांची। सर्वजन पेंशन योजना के तहत रांची जिले के पेंशनधारियों को मई महीने की पेंशन उनके बैंक खाते में भेज दी गई है। कुल 2 लाख 14 हजार 350 लोगों को 1000-1000 रुपये मिले हैं। ये पैसे सर्वजन पेंशन योजना के तहत सीधे डीबीटी के जरिए भेजे गए हैं। इस योजना में अलग-अलग श्रेणियों के लाभुक शामिल हैं।

पुलिस पर एकतरफा कार्रवाई का आरोप

रांची। डोरंडा थाना क्षेत्र में दो पक्ष में घटी मारपीट की घटना में एक पक्ष के तीन लोगों को पुलिस द्वारा जेल भेजे जाने से आक्रोशित लोगों ने गुरुवार को मंत्री इरफान अंसारी से मुलाकात कर उन्हें घटना की जानकारी दी। मंत्री से उन्होंने डोरंडा थाना पर आरोप लगाते हुये कहा कि पुलिस ने एक तरफा कार्रवाई करते हुये तीन लोगों को जेल भेज दिया है। जबकि दूसरे पक्ष के लोगों को थाना से ही छोड़ दिया गया। इस संबंध में मंत्री ने एसएसपी और डोरंडा थाना प्रभारी से जानकारी ली। उन्होंने कहा कि पुलिस एकतरफा कार्रवाई न करें। एसएसपी ने जांच कर दोषी पर कार्रवाई की बात कही।

बिना परमिशन वाले खटालों पर लगा जुर्माना

रांची। रांची नगर निगम ने शहर में गंदगी फैलाने वालों और बिना इजाजत खटाल चलाने वालों पर शिकंजा कसना शुरू कर दिया है। इसी कड़ी में हरमू नदी किनारे वार्ड 26 में निगम की टीम ने खटालों की जांच की। जांच के दौरान कई खटाल ऐसे मिले जिनके पास न तो जरूरी कागज थे और न ही गोबर और गंदगी का सही निपटान किया जा रहा था। इस पर निगम ने झारखंड म्युनिसिपल एक्ट 2011 के तहत जुर्माना लगाया।

अश्लील हरकत करने वाले को सात वर्ष कैद

रांची। पोक्सो मामले के विशेष न्यायाधीश बीके श्रीवास्तव की अदालत ने गुरुवार को पांच साल की बच्ची के साथ अश्लील हरकत के मामले में दोषी करार बिरसा बड़ाइक को सात साल कैद की सजा सुनाई है। उस पर 25 हजार रुपये का जुर्माना लगाया गया है। जुर्माना नहीं देने पर अतिरिक्त छह महीने जेल काटनी होगी। अदालत ने 17 मई को दोषी ठहराया था।

नाबालिग को भगाने वाला युवक गया जेल

रांची। चुटिया थाना की पुलिस ने शादी की नीयत से नाबालिग को भगाने के आरोपी युवक अतुल नायक को गिरफ्तार कर गुरुवार को न्यायिक हिरासत में जेल भेज दिया। पुलिस की गिरफ्त में आया युवक पावर हाउस, चुटिया का रहनेवाला है। चुटिया थाना प्रभारी लक्ष्मीकांत ने बताया कि 20 मई को नाबालिग के परिजनों के द्वारा थाने में प्राथमिकी दर्ज करायी गई थी।

पूर्व मंत्री सत्यानंद भोक्ता मामले में हुई सुनवाई

रांची। ₹46.10 करोड़ रुपए के 16 साल पुराने कृषि घोटाला मामले में आरोपी तत्कालीन कृषि मंत्री सत्यानंद भोक्ता की ओर से दाखिल डिस्चार्ज याचिका पर गुरुवार को एसीबी के विशेष न्यायाधीश योगेश कुमार सिंह की अदालत में सुनवाई हुई। सुनवाई के दौरान अदालत ने एसीबी को जवाब दाखिल करने का निर्देश दिया। साथ ही, मामले की अगली सुनवाई की तारीख 17 जून निर्धारित की है। सत्यानंद भोक्ता ने दूसरी बार अपने आप को निर्दोष बताते हुये डिस्चार्ज याचिका बुधवार को दाखिल की है।

बाइक चोरी : नाबालिग सहित दो गिरफ्तार

रांची। खेलगांव थाना पुलिस ने बाइक चोरी कांड का खुलासा करने में सफलता हासिल की है। पुलिस ने घटना में शामिल अभियुक्त सुंदर कुमार उर्फ गोलु (सरना टोली, महावीर नगर, कोकर थाना सदर) सहित एक किशोर को गिरफ्तार किया है। पुलिस ने इन अभियुक्तों के पास से चोरी की बाइक जब्त की है। खेलगांव थाना प्रभारी चंद्रशेखर सिंह ने बताया कि एक अप्रैल को देवाशीष रक्षित के घर से एक हरे रंग की मोटर साईकिल की चोरी हो गयी थी। सुशील तिर्की ने अज्ञात चोर के विरूद्ध कांड दर्ज कराया गया था।

लोकसभा अध्यक्ष ओम बिरला का नागरिक अभिनंदन 25 मई को

रांची। लोकसभा के अध्यक्ष ओम बिरला का नागरिक अभिनंदन 25 मई को डांगरा टोली स्थित स्वर्णभूमि बैंक्वेट हॉल में होगा। कार्यक्रम शाम पांच बजे प्रारंभ होगा। यह आयोजन राजस्थान फाऊंडेशन, रांची चैपटर की ओर से किया जा रहा है। फाउंडेशन के अध्यक्ष अजय मारू, संयोजक मुकेश काबरा ने बताया कि कि लोकसभा अध्यक्ष ओम बिरला पहली बार रांची आ रहे हैं। इस अवसर पर नागरिक अभिनंदन समारोह का आयोजन किया जा रहा है। कार्यक्रम में रक्षा राज्य मंत्री संजय सेठ का भी अभिनंदन किया जाएगा। मौके पर पुनीत पोद्दार, ऐश्वर्य सेठ, राम बांगड़, रोहित अग्रवाल, राहुल मारू, प्रमोद सारस्वत, अमित चौधरी, मनीष लोधा, जय प्रकाश सिंघानिया, विकास अग्रवाल, विकास गोयल, गौरव काबरा, नितिन भालोटिया समेत अन्य लोग मॉजूद थे।

जनगणना के सातवें कॉलम में सरना धर्म कोड को शामिल करे केंद्र सरकार

धर्मकोड को लेकर 26 मई को राजभवन के समक्ष प्रर्दशन

खबर मन्त्र ब्यूरो

रांची। झारखंड प्रदेश कांग्रेस द्वारा जनगणना के 7वां कॉलम में सरना कोड जोड़ने की मांग को लेकर अगामी 26 मई को राजभवन के समक्ष आयोजित धरना कार्यक्रम को सफल बनाने के लिए गुरुवार को प्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष केशव महतो कमलेश की अध्यक्षता में गुरुवार को कांग्रेस भवन में बैठक हुई। प्रदेश अध्यक्ष केशव महतो कमलेश ने कहा कि झारखण्ड एक आदिवासी बहुल्य राज्य है जो सरना धर्म को मानने वाले प्राचीन परम्पराओं एवं प्रकृति के उपासक है। सरना धर्म का जीता जागता ग्रन्थ जल, जंगल, जमीन एवं प्रकृति है। सरना धर्म की संस्कृति पूजा पद्धति, आदर्श एवं मान्यताएं प्रचलित सभी धर्मों से अलग हैं। पेडों पहाड़ों की पूजा तथा जंगलों को संरक्षण देने को ही ये अपना धर्म मानते हैं। आदिवासी सरना समुदाय पिछले कई वर्षों से अपने धार्मिक अस्तित्व की रक्षा के लिए जनगणना कोड में सरना धर्म को शामिल करने की मांग करते रहे हैं। इसके बावजूद उनकी मांग आज तक पूरी नहीं हो पायी है।

ज्ञात है कि हिन्दू, मुस्लिम, सिख, इसाई, बौद्ध, जैन के लिए कोड निर्धारित है, लेकिन सरना धर्म वालों के लिए जनगणना फॉर्म में अलग से कोड नहीं दिया गया है। झारखण्ड विधानसभा में भी प्रस्ताव पारित कर केन्द्र से सातवां कॉलम जोड़कर आदिवासियों के लिए सरना धर्म को शामिल करने की मांग की गई है, पर केन्द्र सरकार मौन है। आगामी 26 मई को राजभवन के समक्ष धरना प्रदर्शन आयोजित है। कांग्रेसजनों से अनुरोध है कि प्रदर्शन कार्यक्रम में परम्पागत परिधान के साथ आयें।

बैठक में पूर्व मंत्री बन्ना गुप्ता, रमा खलखो, ओबीसी कांग्रेस अध्यक्ष अभिलाष साहु, राजन वर्मा, रांची महानगर अध्यक्ष डॉ कुमार राजा, आदिवासी कांग्रेस अध्यक्ष जोसाई मार्डी, महिला कांग्रेस अध्यक्ष गुंजन सिंह, विशेष रूप से उपस्थित थे।

कांग्रेस की जय हिंद सभा इटकी में 27 को, इमरान प्रतापगढ़ी होंगे शामिल

रांची। प्रदेश कांग्रेस के कार्यकारी अध्यक्ष एवं पूर्व मंत्री बन्धु तिकी ने कहा कि अखिल भारतीय कांग्रेस पार्टी भारतीय सेना के सम्मान में पूरे देश में जय हिन्द सभा आयोजन कर रही है और इसी के क्रम में 27 को इटकी में भी जय हिन्द सभा होने जा रही है। सभा में प्रभारी के. राजू, कांग्रेस अल्पसंख्यक विभाग के चेयरमैन इमरान प्रतापगढ़ी सहित बड़े नेतागण उपस्थित होंगे। बन्धु तिर्की गुरुवार को कांग्रेस भवन में आयोजित संवाददाता सम्मेलन को संबोधित कर रहे थे। प्रदेश कांग्रेस अल्पसंख्यक विभाग के चेयरमैन मंजूर अंसारी ने कहा कि झारखंड प्रदेश के लिए काफी खुशी और सौभाग्य की बात है कि हमारे बीच इमरान प्रतापगढ़ी 27 मई को रांची आयेंगे। कहा कि गत विधानसभा चुनाव-2024 में सांसद इमरान प्रतापगढ़ी जिन-जिन विधानसभा में क्षेत्र में चुनावी सभा किये थे वे सभी विधानसभा क्षेत्रों में प्रत्याशियों का विजय मिला है। उन्होंने तमाम लोगों से उक्त सभा में शामिल होने का अनुरोध किया है।

मीडिया प्रभारी और चेयरमैन के साथ राहुल गांधी की आज बैठक

खबर मन्त्र ब्यूरो

रांची। केंद्र सरकार के निर्णय के बाद आने वाले दिनों में जब भी देश में जनगणना होगी तब जनगणना के साथ-साथ जातीय गणना भी कराई जाएगी। केंद्र सरकार की कैबिनेट कमेटी ऑफ पॉलिटिकल अफेयर्स के इस फैसले को कांग्रेस अपनी और अपने नेता राहुल गांधी के संघर्ष की जीत बता रही है। अब कांग्रेस के केंद्रीय नेतृत्व ने अन्य पिछड़ी जातियों को उसके अगले हक की लड़ाई लड़ने की तैयारी कर रही है। कांग्रेस की अगली लड़ाई, निजी शिक्षण संस्थानों में ओबीसी आरक्षण के मुद्दे को लेकर होगी। इस मुद्दे को जन-जन तक पहुंचाने के लिए भारतीय राष्ट्रीय कांग्रेस 23 मई को दिल्ली स्थित पार्टी के मुख्यालय इंदिरा भवन में कार्यशाला आयोजित कर रही है। कार्यशाला में झारखंड समेत सभी राज्यों-केंद्र शासित प्रदेशों के मीडिया विभाग के चेयरमैन और प्रदेश मीडिया प्रभारी शामिल होंगे। झारखंड से प्रदेश मीडिया विभाग के चेयरमैन सतीश पॉल मुंजनी और प्रदेश मीडिया प्रभारी राकेश सिन्हा इस कार्यशाला में शिरकत करने के लिए गुरुवार को दिल्ली रावाना हो गये।

ओबीसी के हक की अगली लड़ाई के लिए टिप्स देंगे राहुल गांधी : राकेश सिन्हा

झारखंड कांग्रेस के प्रदेश मीडिया प्रभारी राकेश सिन्हा ने बताया कि पहले केंद्र की सरकार खुलेआम कहती थी कि जातीय जनगणना नहीं होगी। वह अगर जनगणना के साथ साथ जातीय जनगणना कराने को तैयार हुई है तो यह उनके नेता राहुल गांधी की जीत है। राकेश सिन्हा ने कहा कि जातीय जनगणना देश भर के लोगों का एक्स-रे है। कांग्रेस अब ओबीसी समाज के लोगों को उनकी आबादी के अनुसार हिस्सेदारी तय करने के लिए निजी शिक्षण संस्थानों में ओबीसी आरक्षण की मांग शुरू करेगी। उन्होंने बताया कि जनता के बीच पार्टी के राष्ट्रीय मीडिया विभाग से लेकर प्रदेश, जिला, प्रखंड और पंचायत तक कैसे अपनी बातों को जन जन तक पहुंचाना है।

पीएम के दूरदर्शी नेतृत्व में भारतीय रेलवे का तेजी से हो रहा आधुनिकीकरण : राज्यपाल

खबर मन्त्र ब्यूरो

रांची। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी द्वारा अमृत भारत स्टेशन योजना के तहत गुरुवार को वर्चुअल माध्यम से पुनर्विकसित स्टेशनों के उद्घाटन व राष्ट्र को समर्पण के अवसर पर राज्यपाल संतोष कुमार गंगवार ने वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग से जुड़े। इस मौके पर उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री के दूरदर्शी नेतृत्व में भारतीय रेलवे का तेजी से आधुनिकीकरण हो रहा है। अमृत भारत स्टेशन योजना के अंतर्गत विकसित हो रहे स्टेशन केवल आधारभूत संरचनाओं का विस्तार नहीं हैं, बल्कि यह नए भारत की सशक्त तस्वीर और आत्मनिर्भर भारत के लक्ष्य की दिशा में एक महत्त्वपूर्ण पहल है।

राज्यपाल ने कहा कि झारखण्ड के तीन प्रमुख स्टेशन राजमहल, शंकरपुर एवं गोविंदपुर रोड अब आधुनिक सुविधाओं से युक्त होकर यात्रियों को न केवल सुविधा का अनुभव कराएँगे। उन्होंने कहा कि झारखंड राज्य में 53,597 करोड़ रुपये की लागत से विभिन्न रेलवे परियोजनाएं प्रगति पर हैं। उन्होंने कहा कि अमृत भारत स्टेशन योजना के तहत कई स्टेशनों को विश्व स्तरीय स्वरूप में विकसित किया जा रहा है, जो राज्य के पर्यटन, व्यापार, कृषि और रोजगार के क्षेत्र में दूरगामी प्रभाव डालेगा। उन्होंने इस बात पर भी विशेष बल दिया कि इन स्टेशनों का विकास दिव्यांगजन अनुकूल सुविधाएँ, महिला यात्रियों की सुरक्षा, स्वच्छता, डिजिटलीकरण और हरित ऊर्जा के मानकों के अनुरूप किया गया है।

राज्यपाल ने कहा कि झारखण्ड जैसे खनिज-समृद्ध राज्य के लिए एक मजबूत रेलवे नेटवर्क राज्य की आर्थिक प्रगति का आधार है। इन स्टेशनों के माध्यम से स्थानीय उत्पादों की देशव्यापी पहुँच और युवाओं को रोजगार के नए अवसर प्राप्त होंगे। राज्यपाल ने रेलवे मंत्रालय, इंजीनियरों, कर्मचारियों एवं स्थानीय प्रशासन को सफल परियोजना के लिए बधाई दी और आह्वान किया कि सभी मिलकर प्रधानमंत्रीनरेंद्र मोदी के विकसित भारत @2047 के संकल्प को साकार करें।

गैरमजरूआ भूमि की रजिस्ट्री, दाखिल-खारिज और रसीद काटना शुरू कराये सरकार : चैंबर

खबर मन्त्र संवाददाता

रांची। गैरमजरूवा भूमि से संबंधित रजिस्ट्री पर रोक 2015 में लगा दी गई थी। जिसमें 5 मई को झारखंड हाई कोर्ट ने गैर मजरूवा भूमि से संबंधित रजिस्ट्री रोक हटाने का निर्णय दिया। गुरूवार को लैंड रिफार्म उप समिति के चेयरमैन रमेश कुमार साहू और कार्तिक प्रभात ने कहा कि हम न्यायालय के आदेश का सम्मान करते हैं। बीस दिन के बावजूद अब तक सरकार ने कोई कदम इस पर नहीं उठाया है। चैम्बर अध्यक्ष परेश गट्टानी ने सरकार से मांग की कि तत्काल प्रभाव से सभी उपायुक्तों को आदेश जारी किया जाए कि सभी तरह के गैरमजरूआ भूमि की रजिस्ट्री करना, दाखिल-खारिज करना एवं रसीद काटना आरंभ करें। इससे उद्योग व्यापार लगाने में आसानी होगी क्योंकि रसीद कटने के बाद बैंक से ऋण की आसान उपलब्धता भी सुनिश्चित हो सकेगी। इससे सरकार को भी अनेकों माध्यम से राजस्व की प्राप्ति होगी और विकास की गति बढ़ेगी।

झारखंड में 27 मई तक बारिश का येलो अलर्ट

रांची। मौसम विभाग ने बारिश को लेकर येलो अलर्ट जारी किया है, जिसमें 27 मई तक विभिन्न जिलों में हल्की बारिश, गर्जन, वज्रपात और 30 से 40 किमी प्रति घंटे की गति से तेज हवा की आशंका जताई गई है। विभाग के अनुसार, सुबह में मौसम साफ रहेगा, जबकि दोपहर बाद मौसम में परिवर्तन होगा।

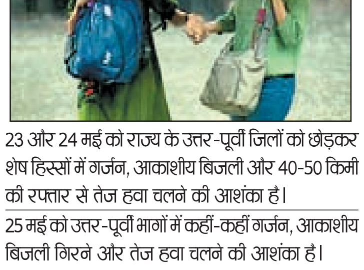

23 और 24 मई को राज्य के उत्तर-पूर्वी जिलों को छोड़कर शेष हिस्सों में गर्जन, आकाशीय बिजली और 40-50 किमी की रफ्तार से तेज हवा चलने की आशंका है।

25 मई को उत्तर-पूर्वी भागों में कहीं-कहीं गर्जन, आकाशीय बिजली गिरने और तेज हवा चलने की आशंका है।

सीसीएल में राजभाषा समिति की तिमाही बैठक में उत्कृष्ट प्रदर्शन करने वालों को मिला सम्मान

● **तकनीकी वर्ग में प्रणाली विभाग, गैर-तकनीकी वर्ग में कल्याण विभाग और केंद्रीकृत इकाई के तहत कुजू क्षेत्र को शील्ड देर किया गया पुरस्कृत**

खबर मन्त्र ब्यूरो

रांची। सेंट्रल कोलफील्ड्स लिमिटेड (सीसीएल) के दरभंगा हाउस स्थित नए भवन में गुरुवार को राजभाषा कार्यान्वयन समिति की तिमाही बैठक हुई। बैठक की अध्यक्षता निदेशक (मानव संसाधन) हर्ष नाथ मिश्र ने की।

इस मौके पर उन्होंने कहा कि हिंदी सिर्फ एक भाषा नहीं, बल्कि हमारे काम का अहम हिस्सा है। उन्होंने सभी विभागों से कहा कि दफ्तर के ज्यादातर काम हिंदी में ही किए जाएं और राजभाषा को बढ़ावा देने के लिए सभी सक्रिय होकर काम करें। बैठक में महाप्रबंधक (कल्याण) रेखा पांडेय, महाप्रबंधक (कार्यालय/राजभाषा) संजय कुमार ठाकुर और कई विभागों के अधिकारी मौजूद रहे। सभी ने राजभाषा के इस्तेमाल को लेकर अपने विचार साझा किए।

बैठक में राजभाषा विभाग के उप प्रबंधक दिविक दिवेश ने अब तक की गई हिंदी गतिविधियों की जानकारी दी। बैठक में हिंदी में पत्राचार, टिप्पणी लेखन और अन्य दफ्तर के कामों पर खास चर्चा हुई। हिंदी में बेहतरीन काम करने वाले विभागों को इस दौरान सम्मानित भी किया गया। तकनीकी वर्ग में प्रणाली विभाग, गैर-तकनीकी वर्ग में कल्याण विभाग और केंद्रीकृत इकाई के तहत कुजू क्षेत्र को शील्ड पुरस्कार दिया गया।

इसके अलावा रांची में नराकास द्वारा आयोजित वाद-विवाद प्रतियोगिता में शानदार प्रदर्शन करने वाले सीसीएल के मोहित जैन (वरिष्ठ प्रबंधक, प्रणाली) को भी सम्मानित किया गया। कार्यक्रम का समापन महाप्रबंधक (कल्याण) रेखा पांडेय के धन्यवाद भाषण के साथ हुआ। बैठक को सफल बनाने में राजभाषा विभाग सहित कई विभागों का सहयोग रहा।

पारस हॉस्पिटल एचइसी में न्यूरो और गैस्ट्रो हेल्थ कैंप 24 मई को

खबर मन्त्र संवाददाता

रांची। सिरदर्द, चक्कर और पेट की दिक्कत से परेशान मरीजों के लिए पारस हॉस्पिटल एचइसी न्यूरो और गैस्ट्रो हेल्थ कैंप लगा रहा है। यह कैंप 24 मई शनिवार को सुबह 10 बजे से शाम चार बजे तक लगेगा। इस कैंप में निःशुल्क विशेषज्ञ डॉक्टरों की ओर से परामर्श दिया जायेगा। वहीं, डॉक्टरों की सलाह पर बीपी, शुगर, लीवर फंक्शन टेस्ट (एलएफटी), इसीजी की भी जांच की जायेगी। साथ ही डॉक्टरों द्वारा अन्य जांच की सलाह पर जांच पर 50 प्रतिशत की छूट दी जायेगी। कैंप का लाभ उठाने के लिए पंजीकरण कराना होगा। मार्केटिंग हेड मानस लाभ ने कहा कि पारस हॉस्पिटल मरीजों की सेहत को प्राथमिकता देता है और यह हेल्थ कैंप उसी का हिस्सा है। यदि मरीजों को सिरदर्द, चक्कर या पेट से संबंधित कोई दिक्कत है तो यह हेल्थ कैंप आपके लिए एक अच्छा अवसर हो सकता है। उन्होंने मरीजों से अपील की है कि वे इस सुविधा का भरपूर लाभ उठाएं।

शराब नीति वापस करे सरकार : आदिवासी बचाओ मोर्चा

● **ग्रामीण स्तर पर शराब बिक्री किये जाने का प्रस्ताव के विरोध में किया पुतला दहन**

खबर मन्त्र संवाददाता

रांची। आदिवासी बचाओ मोर्चा के तत्वावधान में गुरुवार को ट्रैवल एडवाइजरी कमेटी के द्वारा ग्रामीण स्तर पर शराब बिक्री किये जाने का प्रस्ताव लाने के विरोध में झारखंड के मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन का पुतला दहन किया गया।

इस कार्यक्रम में आदिवासी सामाजिक संगठनों के वक्ताओं ने कहा कि आदिवासी क्षेत्र में ट्राइबल एडवाइजरी कमेटी के द्वारा लाये गये प्रस्ताव में लिया गया जन विरोधी निर्णय ग्रामीण क्षेत्रों में शराब की बिक्री किए जाने का झारखंड बचाओ मोर्चा पुरजोर विरोध करता है और मांग करता है कि अविलंब जन विरोधी शराब नीति को राज्य सरकार वापस ले।

आदिवासी समाज विकास के पैमाने पर अभी भी मुख्यधारा में नहीं जुड़ा है। राज्य में स्थानीय नीति, पेसा कानून, जमीन लूट, नियोजन नीति, कारोबार पर अधिकार आदि विषयों पर अभी तक हेमंत सोरेन नीतिगत फैसला नहीं लिए और ऐसी स्थिति में शराब का सेवन करना आदिवासी जन विरोधी निर्णय है। इसमें आदिवासी समाज का कभी भी विकास नहीं हो सकेगा, क्योंकि राज्य में सिंडिकेट शराब बिक्री कर हजारों करोड़ का घोटाला किया जा रहा है। इसलिए राज्य में आदिवासी के हितों के लिए शराब पूर्ण रूप से बंद होनी चाहिए। आज भी आदिवासी समाज का आर्थिक, सामाजिक, शैक्षणिक रूप से विकास नहीं हो पाया है। इसलिए ग्रामीण क्षेत्रों के विकास के लिए शिक्षा और डेयरी सहित विभिन्न महत्वाकांक्षी योजना आदिवासी समाज के क्षेत्र में लानी होगी। आदिवासियों के खेतों में पानी दिया जाए ताकि लोग पलायन ना करें। आदिवासियों को शराब के नशे में बर्बाद करने के लिए आदिवासी जन विरोधी काला कानून है। सरकार इसको जब तक वापस नहीं लेती है, तब तक जन आंदोलन जारी रहेगा।

पुतला दहन कार्यक्रम में पूर्व मंत्री गीताश्री उरांव, प्रेम शाही मुंडा, निरंजना हेरेंज, कुंदरसी मुंडा, फूलचंद तिर्की, राहुल तिर्की, बाहा लिंडा, आकाश तिर्की, सुरेंद्र लिंडा, सेलिना लकड़ा, संगीता तिर्की, कुलभूषण डुंगडुंग, रंजीता लकड़ा, सुनीता तिर्की, रंजित उरांव, शिमी तिर्की, हर्षिता मुंडा, छोटी टोप्पो बसंती उरांव, रवि मुंडा, आरती कुजूर सहित अन्य लोग शामिल थे।

भारत के आदिवासियों को धार्मिक पहचान और आजादी मिलनी चाहिए : बंधु तिर्की

खबर मन्त्र संवाददाता

रांची। विभिन्न आदिवासी संगठनों की बैठक गुरुवार को पंडरा अखड़ा में पूर्व शिक्षा मंत्री बंधु तिर्की की अध्यक्षता में हुई। बैठक में हेसल, बजरा, पंडरा, दहीसूत बनहोरा, हेहल, कमड़े, कटरगोंदा, चटकपुर इत्यादि गांवों के लोग शामिल हुए। पूर्व शिक्षा मंत्री बंधु तिर्की ने बैठक को संबोधित करते हुए कहा कि प्राकृतिक सरना धर्म विश्व धर्म है, लेकिन विडम्बना ये है कि आज तक उसे पहचान नहीं दी गई है। देश के सभी आदिवासी सरना धर्मावलंबियों की मांग है कि सरना धर्म कोड को जनगणना प्रपत्र में शामिल किया जाए। भारत के आदिवासियों को धार्मिक पहचान और आजादी मिलनी चाहिए।

केंद्रीय सरना संघर्ष समिति के प्रदेश अध्यक्ष शिवा कच्छप ने कहा कि आदिवासी की पहचान मिटाने की साजिश हो रही है, देश के 18 करोड़ आदिवासियों को अपनी पहचान से अभी तक वंचित रखा गया है। इस बैठक में मुख्य रूप से सुका उरांव, पूर्व मुखिया सुनिल तिर्की, पूर्व मुखिया संजय तिर्की, दिनेश उरांव, भोला तिर्की, लालू खलखो, बुधवा उरांव, एतवा उरांव इत्यादि मौजूद थे।

संत जेवियर्स कॉलेज में विज्ञान मेला का आयोजन

खबर मन्त्र संवाददाता

रांची। संत जेवियर्स कॉलेज के विज्ञान क्लब द्वारा आइक्यूएसी के सहयोग से गुरुवार को फादर सी डिब्रावर सभागार में विज्ञान मेला का आयोजन किया गया। इस कार्यक्रम का उद्देश्य छात्रों में विज्ञान के प्रति रुचि को बढ़ावा देना, वैज्ञानिक दृष्टिकोण का विकास करना तथा उसे सभी विभागों और धाराओं के छात्रों में प्रसारित करना था। कार्यक्रम की शुरूआत मुख्य अतिथि एडिशनल एसपी रांची अविनाश कुमार व अतिथि ने दीप प्रज्वलित कर कार्यक्रम का उद्घाटन किया। कार्यक्रम का समापन पुरस्कार वितरण समारोह के साथ हुआ।

छात्रवृत्ति में हो रही लापरवाही के खिलाफ छात्रों ने विश्वविद्यालय में की तालाबंदी

● **छात्रों ने डीएसडब्ल्यू को विश्वविद्यालय से बाहर निकाला और पैदल ही कल्याण विभाग तक ले गए**

खबर मन्त्र संवाददाता

रांची। डीएसपीएमयू के छात्र पिछले दो महीने से छात्रवृत्ति (स्कॉलरशिप) की समस्या को लेकर लगातार परेशान हैं। बार-बार आवेदन और कॉल करने के बावजूद न तो किसी तरह की सुनवाई हुई, और न ही डीन स्टूडेंट्स वेलफेयर द्वारा कोई ठोस जवाब दिया गया। छात्रों का सब्र गुरुवार को टूट गया। अखिल झारखंड छात्र संघ के प्रदेश कार्यकारी अध्यक्ष बबलू महतो के नेतृत्व में सैकड़ों छात्रों ने आज विश्वविद्यालय के गेट पर जोरदार प्रदर्शन करते हुए तालाबंदी कर दी। छात्रों का आरोप है कि डीएसडब्ल्यू को बार-बार कॉल करने के बावजूद वह फोन नहीं उठा रहे थे। आखिरकार 5 घंटे तक इंतजार करने और प्रशासन की लापरवाही से तंग आकर, छात्रों ने डीएसडब्ल्यू को जबरन पकड़कर विश्वविद्यालय से बाहर निकाला और पैदल ही कल्याण विभाग तक ले गए। आजसू छात्र संघ स्पष्ट शब्दों में चेतावनी देता है कि अगर छात्रों की समस्याओं को नजरअंदाज किया गया, तो पूरे झारखंड में शिक्षा विभाग और कल्याण विभाग के खिलाफ बड़ा जनआंदोलन खड़ा किया जाएगा। मौके पर कमलेश महतो, शिवम , राज , वाशि सहित अन्य छात्र मौजूद थे।

सरस्वती शिशु विद्या मंदिर में आचार्य प्रशिक्षण वर्ग सह कार्यशाला का समापन

खबर मन्त्र संवाददाता

रांची। सरस्वती शिशु विद्या मंदिर, धुर्वा, रांची में चल रहे छह दिवसीय आचार्य प्रशिक्षण वर्ग सह कार्यशाला का समापन गुरुवार को सकारात्मक वातावरण में संपन्न हुआ। सत्र का आरंभ दीप प्रज्वलन, पुष्पार्चन एवं सरस्वती वंदना के साथ हुआ। तत्पश्चात वैचारिक सत्र में प्रवक्ता ओंकारनाथ सिन्हा ने 'हिंदी भाषा का महत्त्व' विषय पर अपने विचार प्रस्तुत किये। उन्होंने कहा कि हिंदी हमारी मां के समान है। हमें मां के समान इसका सम्मान करना चाहिए। बच्चों को उनकी मातृभाषा में ही प्राथमिक शिक्षा देनी चाहिए। उन्होंने बताया कि राष्ट्रपति राजेंद्र प्रसाद, डॉ ए.पी.जे अब्दुल कलाम ने अपनी भाषा हिंदी में ही शिक्षा ग्रहण की। आचार्य प्रशिक्षण के समापन सत्र में मुख्य अतिथि अध्यक्ष शिशु विकास मंदिर समिति अखिलेश्वर नाथ मिश्रा द्वारा दीप प्रज्वलन किया गया। तत्पश्चात विद्यालय की उप प्राचार्य मीना कुमारी द्वारा अतिथि परिचय कराया गया। विद्यालय के प्राचार्य ललन कुमार ने बताया कि विद्यालय की कार्यकारिणी समिति शिशु विकास मंदिर समिति झारखंड धुर्वा, रांची द्वारा इस प्रशिक्षण का आयोजन किया जाता है, जिसमें शिक्षकों के सर्वांगीण विकास के लिए वैचारिक सत्र, चर्चा सत्र, आदर्श कक्षा, योग प्राणायाम तथा खेल का आयोजन किया जाता है।। तत्पश्चात इस वर्ष विद्यालय में नियुक्त नवीन आचार्य रौशनी कुमारी ने इस प्रशिक्षण में अपने अनुभव को साझा करते हुए कहा कि यह प्रशिक्षण उनके लिए काफी ज्ञानवर्धक रहा तथा अपने अंदर की कमियों को सुधारने का मौका मिला। वहीं आचार्य प्रदीप चौधरीने कहा कि वे वंदना सत्र में मंत्र उच्चारण, श्लोक एवं संस्कृत वंदना से बहुत प्रभावित हुए। प्राथमिक खंड की आचार्य स्वाति महापात्रा ने एकल गीत 'भारत माता तेरा आंचल हरा भरा' की मनमोहक प्रस्तुति दी, जिसने सभी को देशभक्ति से ओतप्रोत कर दिया।

मौके पर शिशु विकास मंदिर समिति के मंत्री अखिलेश्वर नाथ मिश्र ने इस प्रशिक्षण पर सारगर्भित प्रकाश डालते हुए कहा कि प्रशिक्षण से हमारे अंदर सामूहिकता एवं सहयोग की भावना आती है। उन्होंने सभी आचार्यों को अभिप्रेरित करते हुए कहा कि उन्हें यह प्रण लेना चाहिए कि जो दायित्व उन्होंने ग्रहण किया है उसका पूरी निष्ठा के साथ निर्वहन करें। अंत में सह मंत्री डॉ धनेश्वर महतो ने धन्यवाद ज्ञापन किया। मौके पर मंत्री अखिलेश्वर नाथ मिश्र, डॉ धनेश्वर महतो, एस वेंकट रमन, आशीष नाथ शाहदेव, लाल अशोक नाथ शाहदेव, विनोद कुमार, योगेश्वर दुबे, प्राचार्य ललन कुमार, उपप्राचार्य मीना कुमारी तथा सभी आचार्य एवं दीदी उपस्थित थे।

झारखंड के वोटर्स के लिए इसीआई ने शुरू की 18 नयी पहल

खबर मन्त्र ब्यूरो

रांची। झारखंड के मतदाताओं के लिए भारत निर्वाचन आयोग द्वारा 18 नई पहल शुरू की गई है। मुख्य चुनाव आयुक्त ज्ञानेश कुमार की दूरदर्शी पहल से मतदाता अधिक सशक्त और लाभान्वित होंगे। इन पहलुओं के जरिए वोटर्स के लिए प्रयास आरंभ कर दिये गये हैं।

मतदाता

एक मतदान केंद्र पर अधिकतम मतदाताओं की संख्या 1200 तक सीमित की गई है।

उंची इमारतों/कालोनियों में अतिरिक्त मतदान केंद्र स्थापित किए जाएंगे।

मतदाता सूची अद्यतन के लिए मृत्यु पंजीकरण का डेटा आरजीआई डेटाबेस से सीधे प्राप्त किया जाएगा; सत्यापन के बाद इसे अपडेट किया जाएगा।

मतदाता सूचना पर्चियों को और अधिक मतदाता अनुकूल बनाया जाएगा: मतदाता की क्रम संख्या और भाग संख्या अब अधिक स्पष्ट रूप से प्रदर्शित की जाएगी।

● **मुख्य चुनाव आयुक्त ज्ञानेश कुमार की दूरदर्शी पहल से मतदाता अधिक सशक्त और लाभान्वित होंगे**

राजनीतिक दल

पूरे भारत में सीईओ, डीईओ और ईआरओ स्तर पर सभी दलों की बैठकें आयोजित की गईं। कुल 4,719 बैठकें। इसमें 28,000 से अधिक राजनीतिक दलों के प्रतिनिधियों ने भाग लिया।

निर्वाचन आयोग ने राष्ट्रीय एवं राज्य स्तरीय राजनीतिक दलों के प्रमुखों से बैठक की - जैसे आप, बीजेपी, बीएसपी, सीपीआई (एम), एनपीपी।

आईआईआईडीईएम में बिहार, तमिलनाडु और पुडुचेरी राज्यों के राजनीतिक दलों के बूथ लेवल एजेंट्स के लिए क्षमता निर्माण कार्यक्रम आयोजित किए गए।

प्रक्रियात्मक सुधार

ईसीआई नेट नामक एक नया एकीकृत डैशबोर्ड शुरू किया गया है। इसका उद्देश्य सभी हितधारकों के लिए एक ही स्थान से सभी सेवाएं प्रदान करना है (40 से अधिक ऐप्स/वेबसाइट्स की जगह केवल एक ऐप)।

डुप्लिकेट इपीक नंबर की समस्या का समाधान किया गया है। यूनिक इपीक नंबर के लिए नई व्यवस्था लागू की गई है।

कानूनी पहल

28 प्रमुख हितधारकों की पहचान की गई है, जो मतदाता सूची की तैयारी और चुनाव संचालन की प्रक्रिया में शामिल हैं- जैसे मतदाता, चुनाव अधिकारी, राजनीतिक दल, उम्मीदवार और अन्य। यह पहचान जन प्रतिनिधित्व अधिनियम 1950, 1951, निर्वाचक रजिस्ट्रीकरण नियम 1960, निर्वाचनों का संचालन नियम1961 और समय-समय पर निर्वाचन आयोग द्वारा जारी निर्देशों पर आधारित है।

इन सभी हितधारकों के लिए अधिनियमों, नियमों और आयोग के निर्देशों के आधार पर प्रशिक्षण प्रस्तुतियां तैयार की जा रही हैं।

चुनाव कर्मी

बीएलओ (बूथ लेवल अधिकारी) को मानक फोटो पहचान पत्र प्रदान किया जाएगा।

आईआईआईडीईएम नई दिल्ली में क्षमता निर्माण कार्यक्रम : 3000 से अधिक बूथ लेवल सुपरवाइजर प्रशिक्षित किए जा चुके हैं।

अगले कुछ वर्षों में 1 लाख से अधिक बीएलओ सुपरवाइजरों को प्रशिक्षित किया जाएगा।

सभी 36 राज्यों/केंद्र शासित प्रदेशों के सीइओ कार्यालयों से एसएमएनओएस और एमएनओएस के लिए ओरिएंटेशन कार्यक्रम आयोजित किया गया।

बिहार राज्य के पुलिस अधिकारियों के लिए आईआईआईडीईएम में प्रशिक्षण आयोजित किया गया।

निर्वाचन आयोग

बायोमेट्रिक हाजिरी प्रणाली लागू की गई।

ई-ऑफिस की शुरुआत और कार्यान्वयन।

सीइओ के साथ नियमित बैठकें आयोजित की जा रही हैं।

खबर एक नजर में

राकेश कुमार रचित पुस्तक गोदान का लोकार्पण 24 को

रांची। प्रभात प्रकाशन के तत्वावधान में हिन्दी साहित्य भारती, झारखण्ड के प्रांतीय महामंत्री राकेश कुमार रचित व प्रभात प्रकाशन, नई दिल्ली द्वारा प्रकाशित पुस्तक गोदान (काव्य रूपांतरण) का लोकार्पण पद्मश्री बलबीर दत्त के द्वारा साहित्यकार डॉ अशोक प्रियदर्शी, डॉ मयंक मुरारी, डॉ राकेश कुमार सिंह और डॉ अरुण सज्जन की उपस्थिति में 24 मई को अपराह्न 3 बजे से रांची रेलवे स्टेशन रोड स्थित प्रभात प्रकाशन के सभाकक्ष में किया जाएगा। लोकार्पण समारोह का संचालन रांची विश्वविद्यालय के शोधार्थी विद्यावैभव भारद्वाज करेंगे। रांची जिला हिंदी साहित्य भारती के अध्यक्ष बलराम पाठक, उपाध्यक्ष संजय सर्राफ, संगठन सचिव अजय राय, सचिव सुकुमार झा ने बताया कि इस अवसर पर रांची, पलामू, हजारीबाग, जमशेदपुर, धनबाद, गढ़वा, लातेहार सहित झारखण्ड के विभिन्न जिलों के शताधिक गणमान्य साहित्यकार व साहित्य प्रेमी उपस्थित रहेंगे।

26 को वट सावित्री पूजा, 27 को शनि जयंती

रांची। ज्येष्ठ मास की अमावस्या तिथि की शुरुआत 26 मई को हो रही है, जो 27 मई को सुबह 8 :310 बजे तक रहेगी। उदय तिथि के अनुसार, वट सावित्री व्रत 26 मई, सोमवार को मनाई जायेगी। पंडित रामदेव पांडे ने बताया कि इस दिन चतुर्दशी दिन 10 :34 तक है, फिर अमावस्या शुरू होकर मंगलवार दिन 8 :30 तक है। इसलिए सोमवार को ही सावित्री अमावस तथा रात्रि में फलहारिणी कालिका पूजा है, वट सावित्री का नहाय खाय रविवार 25 मई को होगा, सोमवार को दिनभर वट सावित्री की पूजा होगी। इस दिन फलदार बरगद के पेड़ की पूजा और कच्चा धागा या मोली से 108 बार लपेट कर परिक्रमा किया जाता है, बरगद पेड़ में पूजा करने से इसे बरगदाही भी कहते हैं। इस पूजा से स्त्री अखण्ड सौभाग्यवती होती है। वहीं 27 को शनि जयंती मनाई जायेगी।

रांची विवि स्नातकोत्तर विभाग के अध्यक्ष बने राहुल यादव

रांची। रांची विश्वविद्यालय के स्नातकोत्तर विभाग में गुरुवार को अबुआ अधिकार मंच की इकाई का गठन किया गया। जिसमें अध्यक्ष राहुल यादव, कार्यकारी अध्यक्ष -आयुष कुमार श्रीवास्तव, वरीय उपाध्यक्ष- अब्दुल कमर, अपूर्वा शुक्ला, आयुष पाठक, देवेश भारती, रोनित, उपाध्यक्ष विश्वजीत कुमार, अनिकेत गारी, अभिनव कुमार सिंह, प्रिंस राज, मोहित सिंह, महासचिव सुदीप मिंज, सचिव सागर कुमार, कौशिक, सौरभ राहुल टोप्पो, सुधांशु चैटर्जी, सागर कृष्ण, आदित्य श्रीवास्तव, अमीश मेहता को बनाया गया। इस अवसर पर अबुआ अधिकार मंच के रांची विश्वविद्यालय प्रभारी अभिषेक शुक्ला ने कहा कि अबुआ अधिकार मंच की सबसे बड़ी ताकत स्वयं छात्र-छात्राएं हैं। हमारा उद्देश्य छात्र हितों की रक्षा करना, शैक्षणिक वातावरण को सशक्त बनाना और विश्वविद्यालय प्रशासन को छात्रों की मूलभूत समस्याओं की ओर ध्यान दिलाना है। स्नातकोत्तर विभाग में इकाई का गठन इसी दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम है।

क्षेत्रीय प्रशिक्षण वर्ग का आयोजन आज

रांची। संस्कृत भारती झारखंड द्वारा डीएवी स्वर्णरेखा पब्लिक स्कूल में आज बिहार और झारखंड का एक क्षेत्रीय प्रशिक्षण वर्ग आयोजित होगा। यह शिविर 3 जून तक चलेगा। इस प्रशिक्षण वर्ग में लगभग 100 प्रतिभागी भाग लेंगे, जिन्हें संस्कृत भाषा के वाचिक अभ्यास में प्रशिक्षित किया जाएगा। प्रशिक्षण पूर्ण करने के उपरांत ये सभी प्रशिक्षार्थी समाज में जाकर दस दिनों तक निःशुल्क रूप से लोगों को संस्कृत बोलने का प्रशिक्षण देंगे। संस्कृत भारती के प्रान्त प्रचार प्रमुख डॉ। धनञ्जय वासुदेव द्विवेदी ने बताया कि इस आयोजन का उद्देश्य केवल भाषा शिक्षण नहीं, बल्कि समाज में संस्कृत के प्रति चेतना जागृत करना है। इसे दैनिक व्यवहार की भाषा बनाना और सांस्कृतिक पुनर्जागरण को प्रोत्साहित करना है। संस्कृत भारती का यह प्रयास राष्ट्रभाषा के रूप में संस्कृत के पुनर्स्थापन की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम है। प्रशिक्षार्थियों के माध्यम से संस्कृत संवाद की एक नई शुरुआत होगी, जिससे भारतीय संस्कृति की जड़ों से जुड़ाव और भी सुदृढ़ होगा।

लॉज मालिक पर जातिसूचक गाली व मारपीट का आरोप

रांची। चुटिया थाना में मारपीट करने व जातिसूचक शब्द बोलकर अपमानित करने का मामला प्रकाश में आया है। इस संबंध में गुमला के रहनेवाले प्रांजल नायक ने नंदन लॉज के मालिक के खिलाफ लिखित शिकायत की है। पुलिस मामले की छानबीन कर रही है। चुटिया थाना में दिये गये आवेदन में गुमला निवासी प्रांजल नायक ने पुलिस को बताया है कि वह लोअर चुटिया स्थित नंदन लॉज में विगत तीन महिना से रहकर गोस्सनर कॉलेज में बीए की पढ़ाई कर रहा है। लॉज के मालिक द्वारा हमेशा जाति पूछा जाता था। बार-बार जाति पूछे जाने पर जब उन्हें बताया गया तब से लॉज छोड़ने का दबाव दिया जाने लगा। इसी दौरान मेरा भाई परीक्षा देने के लिये एक सप्ताह के लिये आया था, जिसके एवज में एक हजार रुपया अतिरिक्त दिया गया। बुधवार को लॉज मालिक सौरभ केशरी अचानक कमरा में आये और गाली-गलौज व मारपीट करते हुये कमरा छोड़ने का दबाव बनाने लगे। मौके पर पीसीआर भी पहुंची, लेकिन पीसीआर के जाते ही फिर से मारपीट कर सारा सामान बाहर फेंक दिया गया।

कंप्लीट स्टडी इंस्टीट्यूट में निबंध प्रतियोगिता का आयोजन

रांची। डोरंडा मनीटोला स्थित कंप्लीट स्टडी इंस्टीट्यूट में निबन्ध प्रतियोगिता का आयोजन गुरुवार को किया गया। मौके पर इंस्टीट्यूट के डायरेक्टर सज्जाद खान एवं फैकल्टी मेंबर सबा परवीन और साफीया परवीन ने प्रतियोगिता के विजेता राहिल आलिया एवं इरफान को मोमेंटो और सर्टिफिकेट देकर सम्मानित किया।

सुनैना देवी मेमोरियल शतरंज प्रतियोगिता संपन्न

रांची। गुरुवार को रिलेशंस कि ओर से डीएवी गांधीनगर स्कूल में एक दिवसीय स्व सुनैना देवी मेमोरियल शतरंज प्रतियोगिता का आयोजन किया गया। इस अवसर पर काफी संख्या में बच्चों ने इस प्रतियोगिता में भाग लिया। इस शतरंज प्रतियोगिता के समापन में मुख्य अतिथि स्कूल के प्राचार्य प्रदीप कुमार झा, समाजसेवी राम बहादुर सिंह, रिलेशंस के निदेशक आशुतोष द्विवेदी, जेएससीए के आजीवन सदस्य राजीव रंजन, खेल प्रशिक्षक गोविंद झा, विवेक कुमार दुबे ने संयुक्त रूप से विजेता खिलाड़ियों को पुरस्कार देकर पुरस्कृत किया। इस अवसर पर मुख्य रूप से कृष्णा कुमार प्रसाद, परितोष दुबे, शरद उपाध्याय, कौशल किशोर समेत कई गणमान्य लोग मौजूद थे।

पीएम ने गोविंदपुर रोड स्टेशन का किया उद्घाटन

खबर मन्त्र संवाददाता

खुटी। माननीय प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी ने गुरुवार को वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग के माध्यम से अमृत भारत स्टेशन योजना के तहत देश भर के 103 रेलवे स्टेशनों के साथ-साथ विभिन्न महत्वपूर्ण रेलवे अवसंरचना परियोजनाओं का वर्चुअल माध्यम से उद्घाटन किया। इस राष्ट्रव्यापी परियोजना के तहत दक्षिण पूर्व रेलवे के पुनर्विकसित गोविंदपुर रोड स्टेशन का भी उद्घाटन किया गया।

इस अवसर पर गोविंदपुर रोड स्टेशन पर एक रंगारंग कार्यक्रम का आयोजन किया गया। झारखंड के माननीय राज्यपाल श्री संतोष कुमार गंगवार वर्चुअल माध्यम से उद्घाटन कार्यक्रम में शामिल हुए और रेलवे की पहल की सराहना की। कार्यक्रम में झारखंड सरकार के परिवहन, राजस्व, निबंधन एवं भूमि सुधार (गैर निबंधन) मंत्री श्री दीपक बिरुआ, झारखंड के पूर्व मुख्यमंत्री श्री अर्जुन मुंडा, विधायक श्री सुदीप गुडिया और पूर्व विधायक श्री कोचे मुंडा की उपस्थिति रही। इसके अलावा, बड़ी संख्या में स्थानीय निवासी, स्कूली बच्चे, मीडियाकर्मी, रेल प्रशंसक, सोशल मीडिया प्रभावित, आस-पास के गांवों के सरपंच, सरकारी कार्यालयों के प्रतिनिधि और अन्य अतिथियों ने बड़े उत्साह के साथ कार्यक्रम में भाग लिया। गोविंदपुर रोड स्टेशन यात्री और माल परिवहन के लिए झारखंड का एक महत्वपूर्ण स्टेशन है। अमृत भारत स्टेशन योजना के तहत पुनर्विकसित स्टेशन यात्रियों को विश्व स्तरीय यात्रा सुविधाएं प्रदान करेगा और क्षेत्र के आर्थिक विकास को बढ़ावा देगा। बेहतर यात्री सुविधाएं प्रदान करने के लिए रांची डिवीजन के गोविंदपुर रोड स्टेशन का पुनर्विकास रिकॉर्ड समय में पूरा किया गया है। कार्यक्रम के दौरान, 'मेरा अमृत स्टेशन' और 'ऑपरेशन सिंदूर विरता की मिसाल' विषय पर निबंध और चित्रकला प्रतियोगिताओं के विजेताओं को

शिक्षा चले आपके द्वार के तहत साइकिल रैली निकाली गयी

खलारी। कंचनजंगा स्कूल मंगरुतरी मैक्लुस्कीगंज में शिक्षा चले आपके द्वार के तहत साइकिल रैली निकाली गयी। विद्यालय के तरफ से साइकिल रैली का मुख्य उद्देश्य पर्यावरण बचाव, जल बचाव, प्रदुषण रोकथाम, शिक्षा में जागरूकता,बेटी बचाव बेटी पढ़ाव सहित अन्य जागरूकता अभियान निकाला गया। जिसमें विद्यालय के निदेशक कमल मुंडा व प्रधानचार्य सुशांत पाठक के तत्वधान में विद्यालय के सभी शिक्षक व विद्यार्थियों ने मंगरुतरी स्कूल से निकलकर धुर्वा मोड़ होते हुए,बुध बाजार विकास नगर, नावाडिह होते हुए वापस हेसालोंग गाँवों तक जागरूकता अभियान चलाया गया। मौके पर शिक्षक विनय कु० सिंहा, स्टेफन कुजुर, धर्मशील, दिपक कुमार उपस्थित थे।

कार्यालय, जिला मत्स्य पदाधिकारी कोडरमा

मत्स्यजीवी सहयोग समितियों के लिए अल्पकालीन सूचना

कोडरमा जिला अन्तर्गत बिहार/झारखण्ड सहकारी समितियाँ अधिनियम 1935 तथा अधिनियम 1996 तथा कृषि पशुपालन एवं सहकारिता विभाग के पत्रांक 55/25.01.2022, पशुपालन एवं मत्स्य विभाग बिहार सरकार के परिपत्र सं0 114/18.01.1992 सहकारिता विभाग झारखण्ड सरकार के परिपत्र सं0 1410/दिनांक 29.06.2011 एवं कृषि पशुपालन सहकरिता विभाग (पशुपालन प्रभाग) के पत्रांक सं0 1325/दिनांक 11.10.2023 के आलोक में वित्तीय वर्ष 2025–26 से 2027–28 की अवधि के लिए सरकारी जलकरों की अल्पकालीन बंदोबस्ती हेतू इच्छुक समिति अपना प्रस्ताव दिनांक 05.06.2025 तक अधोहस्ताक्षरी के कार्यालय में जमा करें। अंतिम तिथि दिनांक 05.06.2025 के बाद प्रस्ताव स्वीकार नहीं किया जाएगा, एवं नियमानुसार जलकरों की बन्दोबस्ती खुले डाक से कर दी जाएगी जिसके लिए आप स्वयं जिम्मेवार होंगे।

जिला मत्स्य पदाधिकारी
कोडरमा

PR 353231 Fish(25-26)#D

कस्तुरबा गांधी व शिशु मंदिर की की छात्राएं आंख रोग से ग्रसित

खबर मन्त्र संवाददाता

ओरमांझी। कस्तुरबा गांधी अवासीय विद्यालय ओरमांझी व सरस्वती शिशु विद्या मंदिर ओरमांझी की 90 प्रतिशत से अधिक छात्र-छात्राएं आंख रोग से ग्रसित हैं। दोनो विद्यालय में लगी आंख जांच शिविर से इसकी जानारी हुई है। स्वयं सेवी संस्था समाधान के माध्यम से 20 व 21 मई को दो दिन निशुल्क नेत्र जांच चिकित्सा शिविर लगाया गया था। जिसमें आंख रोग के थर्ड आई क्लिनिक के चिकित्सक डॉ विशाल चौधरी द्वारा कस्तुरबा की 165 छात्राओं की जांच की गई। इसके अलावे सरस्वती शिशु विद्या मंदिर ओरमांझी में भी शिविर लगा कर 156 छात्र-छात्राओं की जांच की गई। जिसमें शिशु मंदिर के भी लगभग 90 प्रतिशत विद्यार्थियों के आंखों में रोग के लक्षण पाए गए है। इसकी जानाकरी देते हुए संस्था के बिनोद सिंह ने बताया मुख्य रूप से आंखों से पानी आना, धुंधला दिखाई देना, सिर में दर्द व आंखें लाल होना आदि शामिल है। आंख रोग से परेशान छात्राएं 20 मिनट से ज्यादा एकाग्र होकर पढ़ाई नहीं कर पाते हैं। वहीं कस्तुरबा गांधी की वार्डेन अंशु किरन बारला ने छात्राएं की आंख रोग से ग्रसित होने की पुष्टी करते हुए बताया जांच कराने वाली सभी छात्राओं की उम्र 15 वर्ष कम हैं। जबकि कस्तुरबा विधालय में सभी छात्रा बिना मोबाइल के रहती हैं, और छात्राओं को संतुलित भोजन मिलता है। वहीं सभी का रहन सहन नियमित अनुशासित भी है। वहीं जांच में रोग पाए जाने के बाद चिकित्सक द्वारा दवा व आंखों की सुरक्षा से संबंधित कई सुझाव भी दिया गया। वहीं अधिकांस छात्राओं को अस्पताल में उपचार कराने के लिए रेफर भी कर दिया गया है। शुक्रवार से स्कूल में गर्मी छुट्टी है सभी को छुट्टी के दौरान अस्पताल जाकर आंखों का उपचार कराने लेने को कहा गया है। शिविर में चिकित्सक के साथ कार्यक्रम समन्वयक नीरज पाठक के अलावे उपस्थित शिशु विद्या मंदिर के अध्यक्ष सत्यनारायण तिवारी, संरक्षक उमाशंकर साहू, प्रचार्य ओमप्रकाश चंद्रवंशी द्वारा विद्यार्थियों के आंख रोग से ग्रसित होने पर चिंता जताया गया है।

सरना धर्मकोड की मांग को लेकर 26 मई को कांग्रेस पार्टी का धरना प्रदर्शन

बैठक में शामिल बंधु तिर्की वी अन्य।

इटकी। इटकी प्रखंड कांग्रेस कमिटी की गुरुवार को प्रखंड मुख्यालय स्थित विधायक कक्ष में एक बैठक की गई। बैठक में सरना धर्मकोड की मांग को लेकर आगामी 26 मई को कांग्रेस पार्टी द्वारा आहुत राजभवन के सामने धरना प्रदर्शन को सफल बनाने को लेकर रणनीति बनाई गई। साथ ही पार्टी के संगठन सृजन पर विचार विमर्श कर कार्यकताओं को कई दिशा निर्देश दिए गये। बैठक में शामिल पूर्व मंत्री सह प्रदेश कांग्रेस कमिटी के कार्यकारी अध्यक्ष बंधु तिर्की ने कहा कि पूरे राज्य में कांग्रेस पार्टी को नए ऊर्जा के साथ खड़ा करना है। इसके लिए चाहिए कि पार्टी की विचारधारा को जन- जन तक पहुंचाया जाय। उन्होंने पार्टी संगठन की मजबूती पर बल देते हुए कार्यकताओं को अभी से कमर कस लेने की बात कही। साथ ही धरना प्रदर्शन कार्यक्रम में अधिक से अधिक संख्या में लोगों से शामिल होने का आह्वान किया। मौके पर प्रखंड अध्यक्ष रमेश महली, मुदस्सिर हक, फ्रासिष्का केरकेट्टा, अबरार इमाम, घोमा सिंह, अंजूम जमाल, फिरोज अख्तर, अबु माज, ताहिर अंसारी, प्रभा मिंज, मंजर अंसारी, लखन लकड़ा, अहमद अंसारी, शिशु गोप, रहमान अंसारी, विष्णु महली, शादिक हाशमी व टिंकू सहित अन्य मौजूद थे।

उपायुक्त-सह-जिला दंडाधिकारी का कार्यालय, लोहरदगा
(सामाजिक सुरक्षा) जिला बाल संरक्षण इकाई
Email:dcpslohardaga@gmail.com

विज्ञापन

मिशन वात्सल्य, बाल संरक्षण सेवाएँ (CPS) के अंतर्गत जिला स्तर पर संविदा के आधार पर चयन

मिशन वात्सल्य, बाल संरक्षण सेवाएँ (CPS) भारत सरकार के एक महत्वकांक्षी योजना है, जिसके अंतर्गत राज्य में किशोर न्याय (बालकों के देखरेख एवं सरंक्षण) अधिनियम, 2015 के विभिन्न प्रावधानों का प्रभावी क्रियान्वयन हेतु मिशन वात्सल्य मार्गदर्शिका एवं विभागीय संकल्प सं०–860/दिनांक–31.03.2023 तथा महिला, बाल विकास एवं सामाजिक सुरक्षा विभाग, झारखण्ड के अधिसूचना सं०– 05/म०बा०/ICP – नियु० नियमा०–575/2015.1835/दिनांक–20.04.2016 एवं 3761/दिनांक–14.08.2017 के आलोक में निम्नलिखित पदो के लिए संविदा आधारित नियुक्ति हेतु प्राप्त आवेदनों के विरूद्ध दावा आपत्ति हेतु सूचना जिसमें पदों का विवरणी निम्नवत् है:–

1. जिला बाल संरक्षण ईकाई (DCPU)

क्र०	पद का नाम	पदों की संख्या
1	विधि–सह–परिवीक्षा पदाधिकारी (LPO) Post Code- (DCPU 04) अनारक्षित 01	01
2	परामर्शदाता (Counsellor) Post Code- (DCPU 05) अनारक्षित 01	01

आवेदनकर्ता किसी भी प्रकार की आपत्ति होने की स्थिति में अपनी दावा कार्यालय अवधि में दिनांक– 27.05.2025 तक पूर्ण साक्ष्य सहित जिला बाल संरक्षण ईकाई, द्वितीय तल, पाण्डेय गणपत राय भवन, समाहरणालय, जिला–लोहरदगा, झारखण्ड, पिन– 835302 उपस्थित होकर उपलब्ध करायेंगे, समयावधि समाप्त होने पश्चात् किसी प्रकार का दावा मान्य नहीं होगा तथा आवेदन पर विचार नहीं किया जायेगा।

विस्तृत जानकारी के लिए वेबसाईट– www.lohardaga.nic.in पर देखी जा सकती है।

प्रभारी, सहायक निदेशक
सामाजिक सुरक्षा, लोहरदगा

PR 353210 Lohardaga (25-26)_D

सीएचसी में बंटा फाइलेरिया किट

▸▸ 211 लोग हैं चिन्हित
▸▸ प्रभारी ने किया शुभारंभ

खबर मन्त्र संवाददाता

रातू। सिविल सर्जन डॉ प्रभात कुमार के आदेश पर गुरुवार को सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र में फाइलेरियामुक्त अभियान के तहत फाइलेरिया ग्रसित स्टेज थ्री और उससे ऊपर के चिन्हित मरीजों को एमएमडीपी किट दिया गया। इसका शुभारंभ प्रभारी चिकित्सा पदाधिकारी डॉ सुजीत कश्यप ने किया। इस बीच उन्होंने मरीजों को फाइलेरिया से बचाव, देखभाल, उपचार व व्यायाम के बारे में जानकारी दी। बताते चलें, कि रातू व नगड़ी प्रखंड में 211 मरीज चिन्हित किये गये हैं। मौके पर डॉ प्रीति, अमित कुमार, प्रकाश गोप, नीलम खलखो, अविनाश चन्द्र सुवर्ण, अजीत, प्रवीण, अन्य स्वास्थ्य कर्मी आदि मौजूद थे।

भाजपा कार्यकर्ताओ ने बीडीओ को सौंपा ज्ञापन

खबर मन्त्र संवाददाता

बीडीओ राहुल उरांव को ज्ञापन सौंपते भाजपा कार्यकर्ता।

बेड़ो। भाजपा मंडल बेड़ो के कार्यकताओं ने गुरुवार को बीडीओ राहुल उरांव को एक ज्ञापन सौंपा। जिसमें भाजपा कार्यकताओं ने कहा है कि प्रखंड कार्यालय परिसर में इन दिनों मनचले किस्म के लोगों का जमावड़ा लगा रहता है। जिससे यहां भय का माहौल व्याप्त हो जाता है। इस किस्म के लोग आपस में ही एक दूसरे से तू तू मैं मैं करके लोगों से अभद्र व्यवहार करते हैं। जिससे प्रखंड के ग्रामीण क्षेत्रों से आनेवाले गरीब किसान, महिलाओं और महिला कर्मियों में भय का माहौल बना हुआ है। वहीं आम लोग प्रखंड कार्यालय आने में असहज महसूस करते हैं। जिससे प्रखंड क्षेत्र का विकास कार्य बाधित हो रहा है। वहीं भाजपा कार्यकताओं ने प्रखंड कार्यालय परिसर में विधि व्यवस्था दुरूस्त करने व अनैतिक कार्यों में अविलंब रोक लगाने की मांग किया है। साथ ही समुचित कार्रवाई के अभाव में भाजपा मंडल बेड़ो के बैनर तले जनहित में जोरदार आंदोलन करने की चेतावनी दी है। जिसकी सारी जिम्मेवारी प्रखंड प्रशासन की होगी।

वहीं मौके पर भाजपा मंडल बेड़ो के अध्यक्ष बलराम सिंह, राजीव रंजन अधिकारी, आलोक मिश्रा, सुखदेव कच्छप, आनंद साहु, गणेश महथा व महिला नेत्री राधा देवी आदि मौजूद थे।

रॉंची समाहरणालय, रॉंची
(भू–अर्जन शाखा)
www.dlaoranchi.in, dlaoranchi@gmail.com

ग्राम सभा

कार्यपालक अभियन्ता, पथ निर्माण विभाग, पथ प्रमण्डल, रॉंची (ग्रामीण) के पत्रांक–258(अनु०), दिनांक–09.04.2025 द्वारा प्राप्त बन्ता–राहे–बुण्डू पथ परियोजना का मौजावार अधिग्रहित भूमि का संशोधित अधियाचना के आलोक में निम्न विवरणी अनुसार ग्राम सभा का आयोजन किया जाता है :–

क्र० सं०	मौजा	थाना सं०	ग्राम हेतु निर्धारित स्थान	तिथि/समय	प्रतिनियुक्त कर्मी
01	डोमनडीह	83	प्रखण्ड विकास पदाधिकारी, राहे के सभागार कक्ष	29.05.2025 11:30 बजे पूर्वाह्न	श्री पंकज सिन्हा, कानूनगो, श्री दुबराज केरकेट्टा, लिपिक, श्री मनोज सिन्हा, अमीन, श्री आशीष कुमार, अमीन, जिला भू–अर्जन कार्यालय, रॉंची।
	खंटगा	84			
	महेषपुर	82			
	पुरनानगर	92			
	कुवाडीह	93			
	होटलो	95			
	बुरूडीह	73			
02	बन्ताहाजाम	108	पंचायत भवन, बन्ता हजाम (उत्तरी)	30.05.2025 11:30 बजे पूर्वाह्न	
03	रेलाडीह	24	राजकीयकृत मध्य विद्यालय, कापीडीह	31.05.2025 11:30 बजे पूर्वाह्न	
	खुदीमदुकम	23			
	पोवाडीरी	63			

अतः संबंधित मौजों के भू–धारियों को सूचित किया जाता है कि उक्त निर्धारित तिथि को ससमय निर्धारित स्थल में उपस्थित होना सुनिश्चित करेंगे।

जिला भू–अर्जन पदाधिकारी,
रॉंची।

PR 353207 Land Reforms(25-26)D

विश्वविद्यालय संशोधन अधिनियम के खिलाफ होगा आंदोलन: सुमित

▸▸ पारदर्शिता पर लगेगा ग्रहण
▸▸ कमजोर होंगे प्रशासनिक ढांचे

खबर मन्त्र संवाददाता

रातू (रांची)। आदिवासी छात्र संघ ने कहा है कि राज्य की शैक्षणिक व लोकतांत्रिक परंपरा में विश्वविद्यालयों की स्वायत्तता, पारदर्शिता, और छात्रों की सहभागिता का खास महत्व है। हाल ही में सरकार की ओर से प्रस्तावित झारखंड विश्वविद्यालय संशोधन अधिनियम 2025 ने राज्य की शिक्षा व्यवस्था, विश्वविद्यालय प्रशासन और छात्र अधिकारों को लेकर गंभीर चिंता पैदा की है। यह अधिनियम न केवल विश्वविद्यालयों की स्वायत्तता को प्रभावित करता है, बल्कि छात्र संघों की लोकतांत्रिक भूमिका, नियुक्ति प्रक्रिया की पारदर्शिता और प्रशासनिक ढांचे को भी कमजोर करता है। केंद्रीय प्रवक्ता सुमित उरांव ने इसे वापस लेने की मांग करते हुये आंदोलन की चेतावनी दी है।

जानें क्या है आपत्तियां

- रजिस्ट्रार की बहाली जेपीएससी से नहीं, राज्यपाल की ओर से किये जाने का प्रावधान किया गया है। इससे नियुक्ति प्रकिया में पारदर्शिता खत्म होने की आशंका है। इसमें राजनीतिक हस्तक्षेप के भी खतरे हैं। निष्पक्षता पर गहरा असर पड़ेगा।
- कुलपति की अधिकतम उम्र सीमा 70 वर्ष एवं नियुक्ति में राज्य सरकार की भूमिका खत्म होने से युवा शिक्षाविदों और नई सोच वाले नेतृत्व को अवसर नहीं मिलेगा। विश्वविद्यालयों को नई ऊर्जा, नवाचार और समावेशी दृष्टिकोण की आवश्यकता होती है, जो न केवल वरिष्ठता, बल्कि योग्यता और दूरदृष्टि के आधार पर सुनिश्चित किया जा सकता है।
- छात्र यूनियन की जगह स्टूडेंट काउंसिल छात्र यूनियन केवल एक संगठन नहीं, बल्कि छात्रों की आवाज, उनके अधिकारों और समस्याओं का प्रतिनिधित्व करने वाला लोकतांत्रिक मंच है। छात्र संघ चुनाव कराना विश्वविद्यालय प्रशासन और सरकार की संवैधानिक जिम्मेदारी है। 'छात्र काउंसिल' जैसी अपारदर्शी और गैर-राजनीतिक निकायों से छात्रों की लोकतांत्रिक भागीदारी नहीं हो सकती है। इससे छात्रों की समस्याएँ और उनके मुद्दे हाशिये पर चले जाएंगे।
- सभी नियुक्तियां चयन समिति की ओर से होने पर विश्व विद्यालयों के शैक्षणिक और प्रशासनिक माहौल पर नकारात्मक असर पड़ेगा। पारदर्शिता और योग्यता की जगह सिफारिश और पक्षपात को बढ़ावा मिलेगा, जो शिक्षा व्यवस्था के लिये नुकसानदेह है।

गंगा दशहरा मेला सह दामोदर महोत्सव कार्यक्रम की बैठक कर समिति का गठन

खबर मन्त्र संवाददाता

खलारी। मैक्लुस्कीगंज के बघमरी स्थित देवनद तट पर गंगा दशहरा मेला सह दामोदर महोत्सव कार्यक्रम का भव्य आयोजन को लेकर रैविंशन बंगला लपरा में बैठक किया गया। बैठक की अध्यक्षता अंनत मुंडा व संचालन पंकज भगत ने किया गया। बैठक में आगामी 5 जून को गंगा दशहरा मेला का आयोजन करने का निर्णय लिया गया। मेला संचालन के लिए एक समिति का गठन किया गया। जिसमें अध्यक्ष अंनत मुंडा, उपाध्यक्ष राम लखन भगत, सचिव पंचम लोहरा, उपसचिव पंकज भगत, कोषाध्यक्ष मनीष कुमार भगत, उपकोषाध्यक्ष रहदयाल टाना भगत, संरक्षक राजू मुंडा, बासदेव मुंडा, नरेश भगत, विनोद राणा, विशेश्वर मुंडा, सदस्य बिनोद टाना भगत, श्याम गंझू, अवधेश टाना भगत, रोहित गंझू, सुरेंद्र भोगता, धनी भगत सहित अन्य को बनाया गया।

हजारीबाग नगर निगम, हजारीबाग

अति अल्पकालीन निविदा आमंत्रण सूचना सं. 08/2025–26

Sl. No.	Particulars	Estimated Cost	Earnest Money	Cost of BOQ	Completion period for construction
1.	Construction of R.C.C Drain from H/o Sanjay Mehta to Kumar Agency & from Aryan Lodge to Kumar Agency in Babugaon, Jabra in ward no 08 Under Municipal Corporation Hazaribag	9,96,000.00	20,000.00	5,900.00	90 days
2.	Construction of P.C.C. Road from H/o Gyani pd. to H/o Ramlakhan Saw from H/o Tribhuwan to H/o Shiv Kumar from H/o Dilip Ram to H/o Arjun Ram in ward no. 09 Under Municipal Corporation Hazaribag	9,95,000.00	20,000.00	5,900.00	90 days
3.	Construction of P.C.C. Road from H/o Singh ji to H/o Dhani Ram in new colony michiyari lane Binod for to Ashok Panna, from H/o Shankar Uraw to in ward no. 10 Under Municipal Corporation Hazaribag	9,95,000.00	20,000.00	5,900.00	90 days

1. परिमाण विपत्र बिक्री का स्थान : नगर निगम कार्यालय, हजारीबाग
   तिथि एवं समय : दिनांक 30.05.2025 को 11.00 बजे पूर्वाह्न से 2.00 बजे अपराह्न तक
2. निविदा प्राप्ति का स्थान : नगर निगम कार्यालय, हजारीबाग
   तिथि एवं समय : दिनांक 31.05.2025 को 11.00 बजे पूर्वाह्न से 2.00 बजे अपराह्न तक
3. निविदा खोलने का स्थान : नगर निगम कार्यालय, हजारीबाग
   तिथि एवं समय : दिनांक 31.05.2025 को 3.00 बजे अपराह्न
4. विज्ञापन दाता का पदनाम : नगर आयुक्त सह प्रशासक, नगर निगम, हजारीबाग।

नोट :– निविदा से संबंधित शर्तें एवं अन्य जानकारी कार्यालय अवधि में नगर निगम कार्यालय में देखा जा सकता है।

नगर आयुक्त सह प्रशासक
नगर निगम, हजारीबाग

PR 353191 Urban Development and Housing (25-26)_D

उत्तरी कर्णपुरा के सी सी एल श्रमिक मूलभूत सुविधाओं से वंचित, एकदिवसीय धरना का ऐलान

खबर मन्त्र संवाददाता

खलारी। उत्तरी कर्णपुरा क्षेत्र के सी सी एल श्रमिकों को प्रबंधन के द्वारा ढुलमुल रवैया से मूलभूत सुविधाओं पानी, बिजली, स्वास्थ्य, शिक्षा व अन्य बुनियादी समस्याओं से वंचित रखा जा रहा है। इन सभी सुविधाओं से श्रमिकों को वंचित रखने पर संयुक्त मोर्चा के द्वारा महाप्रबंधक कार्यालय के समक्ष 9 जून को एक दिवसीय धरना-प्रदर्शन करने का निर्णय लिया गया। संयुक्त मोर्चा ने प्रबंधन को लिखित आवेदन देकर विभिन्न परियोजनाओं के कर्मचारियों को पानी, बिजली, स्वास्थ्य, शिक्षा व अन्य बुनियादी समस्याओं को लेकर काफी जद्दोजहद करना पड़ रहा है, जिसके कारण यहाँ पर कार्यरत्त श्रमिकों में भारी आक्रोश व्याप्त हो गया है। करोड़ो की राशि प्रति वर्ष खर्च करने के वावजूद उत्तरी कर्णपुरा क्षेत्र में कार्यरत कर्मी मूलभूत सुविधायों से वंचित है। वही प्रबंधन की गलत नीतियों के कारण विस्थापन व पुनर्वास नीति के तहत मुआवजा के रूप में करोड़ो रुपए बांटने के वावजूद भी परियोजना का विकास प्रभावित हो रहा है। जिसके परिणाम स्वरूप परियोजनाओं का विस्तारीकरण रुक गया है तथा इसका दंश यहाँ के श्रमिकों को उठाना पड़ रहा है। संबंधित मुद्दों को लेकर संयुक्त मोर्चा के द्वारा 12 सूत्री मांग समर्पित कर समाधान करने आग्रह किया गया था जिसपर चर्चा कर समाधान के लिए सैद्धांतिक सहमति भी बनी, मगर यह सिर्फ चर्चा तक ही सिमट कर रह गया।

करोड़ो खर्च के बाद भी सेंट्रल अस्पताल जस का तस

सेंट्रल अस्पताल की भवन पर उननयन के नाम पर लाखो करोड़ो राशि खर्च कर कर दिया गया। लेकिन अस्पताल में बुनियादी सुविधा हेतु श्रमिकों को गांधी नगर हॉस्पिटल का ही चक्कर लगाना पड़ता है। रोहणी में धमधमिया सुदूर इलाके में एक डिस्पेंसेरी है जहां चिकित्सक की कमी के कारण, श्रमिकों को काफी परेशानी हो रहा है। करोड़ो रुपए सेंट्रल हॉस्पिटल डकरा में खर्च करने के बाउजूद भी पूर्ण चिकित्सा व्यवस्था लचर हालात में तब्दील है।

वार्षिक रख रखाव के नाम पर करोड़ो रुपए का भ्रष्टाचार में संलिप्त एनके एरिया के अधिकारी

वार्षिक रख-रखाव के नाम पर भ्रष्टाचार की गंगा में एन के प्रबंधन डुबकी लगा कर अपने को शुद्ध कर रही है। प्रति वर्ष कॉलोनियों में गंदगी साफ करने की कार्य आवंटित होने बाद भी सेंट्रल कॉलोनी, मोहन नगर, सुभाष नगर, के डी एच कालोनी, विश्रामपुर, धमधमिया, आशोक विहार आदि कॉलोनियों में नालियाँ जाम है, चारों ओर झाड़ियां लगी हुई है, कॉलोनियों में मच्छर पनप रहें है। और ठेकेदार व सिविल

कार्यपालक अभियंता का कार्यालय
पेयजल एवं स्वच्छता प्रमंडल, झुमरीतिलैया

प्रपत्र संख्या–1

अल्पकालीन ई- निविदा

निविदा संख्या :- 16/JMT/2025-26 | दिनांक 22.05.2025

क्र० सं०	विवरणी: कार्य का नाम	विवरणी: ग्रुप/संख्या	विस्तृत विवरणी: प्राक्कलित राशि	विस्तृत विवरणी: अग्रिम जमानत की राशि	विस्तृत विवरणी: परिमाण विपत्र का मूल्य	विस्तृत विवरणी: कार्य पूर्ण करने का समय
1	Running, Repairing, Operation and Maintenance (Civil & Mechanical) excluding Raw Water & Energy Charges for **Reorganization Urban Water Supply Scheme Koderma** under D. W. & S. Division Jhumri Telaiya for the year 2025-26, 2026-27, 2027-28	JMT/ Koderma	36,99,000/-	74000/-	5,000.00	36 Months
2	वेबसाइट पर निविदा प्रकाशन की तिथि :–		29.05.2025 at 5:00 बजे अपराह्न			
3	निविदा प्राप्ति (ऑन लाईन बिडींग) की अन्तिम तिथि एवं समय :–		10.06.2025 को 5:00 बजे अपराह्न			
4	सरकार के सचिव, सूचना प्रौद्योगिकी एवं ई– गवर्नेस, झारखण्ड मंत्रालय, के ज्ञापांक 120 दिनांक 03.10.2023 के आलोक में विपत्र का मूल्य एवं अग्रधन की राशि Online जमा करने की अन्तिम तिथि एवं समय		10.06.2025 को 5:00 बजे अपराह्न			
5	तकनीकी बीड खोलने की तिथि एवं समय :–		12.06.2025 को 5:00 बजे अपराह्न			
6	तकनीकी बीड खोलने का स्थान :–		कार्यपालक अभियंता, पेयजल एवं स्वच्छता प्रमंडल, झुमरीतिलैया			
7	निविदा आमंत्रित करने वाले पदाधिकारी का नाम एवं पदनाम :–		ई0 अनुज कुमार सिन्हा, कार्यपालक अभियंता, पेयजल एवं स्वच्छता प्रमंडल, झुमरीतिलैया			
8	निविदा आमंत्रित करनेवाले कार्यालय का :–		08002536460, Email-id eedwsd.jhumaritellaiya@gmail.com			
9	ई प्रोक्युरमेंट सेल का हेल्प लाईन नं0		0651-2480345			

- विस्तृत विवरण बेबसाईट http://jharkhand tenders.gov.in पर देखा जा सकता है।

जल ही जीवन है ! स्वच्छता प्राण है !

(ई0 अनुज कुमार सिन्हा) कार्यपालक अभियंता,
पेयजल एवं स्वच्छता प्रमंडल, झुमरीतिलैया

PR 353234 Drinking Water and Sanitation (25-26)_D

खबर मन्त्र

रांची. शुक्रवार .23 मई 2025

अभिव्यक्ति

epaper.khabarmantra.net

फुटपाथ की तलाश

एक आंकड़े के अनुसार सड़क दुर्घटनाओं में मरने वाले करीब बीस फीसदी लोग पैदल यात्री होते हैं। इन हालात में दिव्यांग लोग कैसे सड़कों पर निकल सकते हैं, ये कल्पना से परे है। देश के करोड़ों मूक पैदल यात्रियों को आवाज देने के मकसद से सुप्रीम कोर्ट में दायर याचिका पर सुनवाई करते हुए न्यायमूर्ति ए.एस. ओका और न्यायमूर्ति उज्जल भुइयां की खंडपीठ ने सख्त लहजे में कहा कि फुटपाथ की सुविधा लोगों का संवैधानिक अधिकार है। पीठ ने केंद्र व राज्यों को कहा कि दो महीने में सुनिश्चत करें शहरों व गांवों में पैदल चलने वालों के लिये साफ, अतिक्रमण मुक्त और दिव्यांगों के अनुकूल फुटपाथ उपलब्ध हों। सभी सार्वजनिक सड़कों पर उपयुक्त फुटपाथ बनाना और उनसे अतिक्रमण हटाना अनिवार्य है। कोर्ट ने केंद्र व राज्य सरकारों से कहा कि वे बताएं पैदल यात्रियों के अधिकारों की रक्षा के लिए उसके पास क्या नीति है। कोर्ट ने दो महीने में रिपोर्ट देने को कहा है। शीर्ष अदालत ने मुंबई हाईकोर्ट की ओर से पहले से जारी दिशा-निदेर्शों को आदर्श मानते हुए अन्य राज्यों से इसे अपनाने को कहा। दरअसल, कोर्ट भी इस बात से सहमत दिखा कि जब फुटपाथ नहीं होते तो गरीब, बुजुर्ग,बच्चे और दिव्यांगजन मजबूरी में सड़कों पर चलते हैं। यह जीवन का अधिकार है। निस्संदेह, देश में फुटपाथों की दुर्दशा, अतिक्रमण और दिव्यांगों की लाचारी किसी से छिपी नहीं है। अकेले वर्ष 2022 में 77 हजार पैदल यात्रियों के साथ हुई दुर्घटना में करीब 32,797 की मृत्यु हुई और 34 हजार गंभीर रूप से घायल हुए। निस्संदेह, कोर्ट ने पैदल चलने वाली करोड़ों की मूक बिरादरी को संवैधानिक आवाज देने देने की सार्थक पहल की है। यही वजह है कोर्ट ने फुटपाथ को संवैधानिक अधिकार बताते हुए इसे संविधान के अनुच्छेद 21 के तहत गारंटीशुदा बताया। देश का हर शहर फुटपाथ रहित हैं।

आज का राशिफल

मेष : सुबह-सुबह की महत्वपूर्ण सिद्धि के बाद दिन-भर उत्साह रहेगा। किसी लाभदायक कार्य के लिए व्ययकारक स्थितियां पैदा होगी। अल्प-परिश्रम से ही लाभ होगा। कामकाज में आ रहा अवरोध दूर होकर प्रगति का रास्ता मिल जाएगा। घरेलू बहुमूल्य वस्तुओं के क्रय का योग है। शुभांक-1-5-7

वृष : परामर्श व परिस्थिति सभी का सहयोग मिलेगा। अधिकारी वर्ग से आपकी निकटता बढ़ेगी। व्यावसायिक उपक्रम में उलटफेर की शुरूआत हो सकती है। स्थाई सम्पति के निर्माण, मरम्मत व पुर्नस्थापना पर व्यय भार बढ़ेगा। किसी की टीका-टिप्पणी से आपको परेशानी हो सकती हैं। शुभांक-2-5-6

मिथुन : विश्वस्त लोगों के कहे अनुसार चलें। राजकीय कार्यो में सतर्कता बरतें। मान-सम्मान को ठेस लग सकती है। जोश से कम व होश में रहकर कार्य करें। नये आगंतुकों से लाभ होगा। कार्यक्षेत्र में संतोषजनक सफलता मिलेगी। परिवार के साथ मनोरांजनिक स्थल की यात्रा होगी। शुभांक-5-7-9

कर्क : पुरानी पारिवारिक समस्याओं का समाधान होगा। परिश्रम प्रयास से कार्य सफल होंगे। व्यापार व व्यवसाय में ध्यान देने से सफलता मिलेगी। बुरी संगति से बचें। नौकरी में सावधानीपूर्वक कार्य करें। अपनों का सहयोग मिलेगा। पत्नी व संतान पक्ष से थोड़ी चिंता रहेगी। मनोरथ सिद्धि का योग है। शुभांक-1-3-6

सिंह : दाम्पत्य जीवन में तनाव का वातावरण बन सकता हैं। शारीरिक सुख के लिए व्यसनों का त्याग करें। आत्मचिंतन करें। पुराने मित्र से मिलन होगा। पठन-पाठन में स्थिति कमजोर रहेगी। खान-पान में सावधानी रखें। अपने अधीनस्थ लोगों से कम सहयोग मिलेगा। भ्रातृपक्ष में विरोध होने की संभावना है। शुभांक-5-7-9

कन्या : रुका हुआ पैसा वसूलने में मदद मिल जाएगी। व्यर्थ प्रपंच में समय नहीं गंवाकर अपने काम पर ध्यान दीजिए। अच्छे कार्य के लिए रास्ते बना लेंगे। अपने हित के काम सुबह-सवेरे निपटा लें। पूर्व नियोजित कार्यक्रम सरलता से संपन्न हो जाएंगे। व्यापार व व्यवसाय में स्थिति उत्तम रहेगी। शुभांक-3-5-7

तुला : संतान की ओर से हर्ष के प्रसंग बनेंगे। समय को देखकर कार्य करना ज्यादा हितकर रहेगा। परिश्रम अधिक करना पड़ेगा तभी आप लाभ की आशा कर सकते हैं। कार्य क्षेत्र में पदोन्नति के योग बनेंग। व्यवसायिक अभ्युदय भी होगा और प्रसन्नताएं भी बढ़ेंगी। शुभांक-4-6-7

वृश्चिक : कर्म बल पर आपको सफलता मिलेगी। व्यवसायिक क्षेत्र में वर्तमान क्षमता को बढ़ाएंगे उपक्रम का विस्तार करने का प्रयास सफल होगा। आप अच्छी सफलताएं प्राप्त करेंगे। बुद्धि कौशल से चुनौतीपूर्ण कार्यो में सफलता मिलेगी। आर्थिक दृष्टि से समय उपलब्धिकारक रहेगा। भाई-बहनों का प्रेम बढ़ेगा। शुभांक-4-6-8

धनु : मानसिक एवं शारीरिक शिथिलता पैदा होगी। कामकाज सीमित तौर पर ही बन पाएंगे। स्वास्थ्य कमजोर बना रहेगा। कुछ आर्थिक संकोच पैदा हो सकते हैं। महत्वपूर्ण कार्य को समय पर बना लें तो अच्छा ही होगा। श्रम अधिक करना पड़ सकता है। वरिष्ठजनों से मतभेद उभर सकते हैं। शुभांक-3-5-7

मकर : शनैः-शनैः स्थिति पक्ष की बनने लगेगी। मेल-मिलाप से काम बनाने की कोशिश लाभ देगी। यात्रा का दूरगामी परिणाम मिल जाएगा। सुखद समय की अनुभूतियां प्रबल होगी। लाभदायक कार्यो की चेष्टाएं प्रबल होंगी। पारिवारिक प्रेमभाव बढ़ेगा। शुभांक-2-4-6

कुंभ : विकास के लिए बनाई योजना सफल होगी। अच्छा हो कि आप अपने उद्देश्य को लेकर सचेत रहें। प्रियजनों से समागम का अवसर मिलेगा। कार्यक्षेत्र में महत्वपूर्ण कार्य सौंपे जा सकते है जो कि अतिविश्वसनीय व्यक्तियों को ही दिये जाते हैं। कार्य साधक दिन है व्यर्थ न गंवाऐ। नैतिक दायरे में रहें। शुभांक-5-7-9

मीन : क्षमता से अधिक कार्य करने की नौबत आ सकती हैं। उत्तरदायित्व की अधिकता निजी जीवन में अपने ही ढंग की परेशानियां पैदा करेगी। कारोबार की उन्नति के लिये एक से अधिक सीढ़ी चढ़कर लोगो को आश्चर्य में डाल देगें। बौद्धिक क्षेत्र में प्रतियोगिता जीतने का मौका मिलेगा। शुभांक-1-5-8

संस्थापक
स्व. डॉ अभय कुमार सिंह

स्वामित्व वृन्दा मीडिया पब्लिकेशन्स प्राइवेट लिमिटेड के लिए
मुद्रक, प्रकाशक
मंजू सिंह
द्वारा चिरौंदी, बोड़ेया रोड, रांची (झारखंड) से मुद्रित एवं प्रकाशित।
प्रधान संपादक
सौरभ कुमार सिंह
संपादक
अविनाश ठाकुर*
फोन : 95708-48433
पिन: -834006
e-mail
khabarmantra.city@gmail.com
R.N.I No.
JHAHIN/2013/51797

धनबाद कार्यालय
लुबी सर्कुलर रोड, धनबाद 826001 से प्रकाशित।
(R.N.I No. आवेदित)

*पीआरबी एक्ट के अंतर्गत खबरों के चयन के लिए उत्तरदायी। प्रकाशित खबरों से संबंधित किसी भी विवाद का निपटारा रांची न्यायालय में ही होगा।

देश को सच्चाई जानने का हक है!

- डॉ आशीष वशिष्ठ

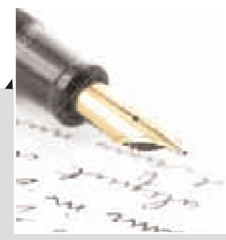

फ्रांसीसी दार्शनिक और लेखक वॉल्टेयर कहते हैं, "किसी भी व्यक्ति को उसके प्रश्नों से पहचानें, न कि उसके उत्तरों से। हमारे द्वारा किसी से भी पूछा गया प्रश्न यूं तो साधारण मालूम होता है, लेकिन यह हमारी संवेदनशीलता और चरित्र का भी मूल्यांकन करता है। इसलिए लिहाजा जब भी प्रश्न करना हो तो उससे पहले स्वयं से प्रश्न करना आवश्यक है।" पिछले लगभग 11 वर्ष में राहुल गांधी भारत सरकार और विशेषकर प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी से प्रश्न पूछते रहते हैं। प्रायः राहुल गांधी के प्रश्नों का मंतव्य देश, सेना और सरकार की छवि धूमिल करना होता है। अपनी आदत से मजबूर राहुल गांधी ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर एक पोस्ट कर ऑपरेशन सिंदूर को लेकर विदेशमंत्री डॉ. एस. जयशंकर को प्रश्नों के कटघरे में खड़ा किया है। एक तरह से कह सकते हैं कि देश की सबसे पुरानी पार्टी के सबसे बड़े नेता और लोकसभा में नेता प्रतिपक्ष ने ऑपरेशन सिंदूर पर प्रमाण मांगे हैं।

ऑपरेशन सिंदूर पर प्रश्न पूछने के कारण राहुल गांधी पुनः एक बार पाकिस्तान में वहां के मीडिया की आंखों के तारे बने हुए हैं। राहुल की इस पोस्ट को पाकिस्तानी मीडिया में बड़े पैमाने पर प्रचारित किया जा रहा है। वहां कई टीवी डिबेट्स में इस पर चर्चा हो रही है। राहुल ने पोस्ट किया, "विदेश मंत्री की चुप्पी केवल बयानबाजी नहीं, बल्कि यह निंदनीय है। मैं फिर से सवाल पूछता हूं- हमने कितने भारतीय विमान खोए क्योंकि पाकिस्तान को पहले से जानकारी थी? यह चूक नहीं थी, यह एक अपराध था। और देश को सच्चाई जानने का हक है।"

वैसे यह कोई प्रथम अवसर नहीं है जब कांग्रेस या उसके नेता ने देश के गौरव, उपलब्धि और सेना के पराक्रम को प्रश्नों के कटघरे में खड़ा किया है। बालाकोट एयर स्ट्राइक और उरी सर्जिकल स्ट्राइक के समय भी कांग्रेस ने सेना से प्रमाण मांगे थे। भारतीय सेना स्पष्ट कर चुकी कि ऑपरेशन सिंदूर में भारत का कोई विमान हताहत नहीं हुआ। बावजूद इसके राहुल सेना के बयान को झूठा साबित करने में लगे हैं। ऐसा करके वो यह साबित करना चाहते हें कि भारतीय सेना सरकार के दबाव और कहने पर झूठ बोल रही है। सरकार आपरेशन सिंदूर को लेकर देशवासियों से कुछ छुपा रही है।

वास्तविकता यह है कि भारतीय सेना ने ऑपरेशन सिंदूर के जरिए जैसा विध्वंस पाकिस्तान में किया है, उतना 1965 और

1971 के युद्ध में भी नहीं हुआ था। ऑपरेशन सिंदूर में भारतीय सेना ने जो किया वह चीन, तुर्किए और अमेरिका को भी सदमे में डालने वाला है। भारतीय सेना हर बार की भांति इस बार भी अतुलनीय, अपराजेय और अगम्य रही। कांग्रेस भी सच्चाई से अवगत है। लेकिन, मोदी सरकार को ऑपरेशन सिंदूर का कहीं श्रेय न मिल जाए, इसलिए वो क्षुद्र राजनीति पर उतर आई है। वास्तव में, कांग्रेस प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी का विरोध करते करते प्रायः राष्ट्र विरोध पर उतर आती है।

यह सर्वविदित है कि पाकिस्तान प्रायोजित आतंकियों ने जम्मू-कश्मीर के पहलगाम में निर्दोष हिंदू पर्यटकों को निर्दयता से मारा। बावजूद इसके, राहुल गांधी और कांग्रेस ने पाकिस्तान की कड़े शब्दों में निंदा नहीं की? पाकिस्तान ही नहीं हमारे शत्रु चीन के साथ कांग्रेस के मधुर संबंध जगजाहिर हैं। कांग्रेस का चीनी कन्युनिस्ट पार्टी के साथ एमओयू, डोकलाम विवाद के समय राहुल गांधी का चोरी-छुपे चीनी दूतावास के अधिकारियों से मिलना,चीनी झड़प के दौरान सरकार-सेना पर सवाल उठाना, सरकार की जगह पार्टी से परिवार के लोगों का चीन जाना, कैलाश मानसरोवर की यात्रा के दौरान चीनी अधिकारियों से गुपचुप मुलाकात करना यह सब कांग्रेस के साथ गांधी परिवार को संदेह के घेरे में खड़ा करता है।

> राहुल जी, पिछले कुछ वर्षों में आपने कई बार विदेशी मंचों का प्रयोग भारत को लेकर विवादास्पद बयान देने के लिए किया है। इस पर आपकी पार्टी का यह तर्क रहा है कि वे भारत की 'असली तस्वीर' दुनिया के सामने रख रहे हैं। लेकिन, राहुल जी आलोचना और अपयश में एक सूक्ष्म अंतर होता है। एक राष्ट्रीय नेता को यह समझना चाहिए।

11 नवंबर 2019 को तुर्किए की सरकारी न्यूज एजेंसी 'अनादोलु' की एक खबर के मुताबिक, भारत की मुख्य विपक्षी पार्टी भारतीय राष्ट्रीय कांग्रेस ने तुर्किये में अपना एक विदेशी कार्यालय खोला है। यह वही तुर्किये है जो हमारे शत्रु पाकिस्तान को हथियार देता है। कश्मीर को पाकिस्तान का हिस्सा बताता है। कश्मीर के आतंकवादियों को स्वतंत्रता सेनानी कहता है। ऑपरेशन सिंदूर के समय तुर्किये ने खुलकर पाकिस्तान का साथ दिया। क्या ये भारत के खिलाफ खड़े देशों से मेल-जोल का हिस्सा है? क्या कांग्रेस तुर्किये के जरिए पाकिस्तान से बैकडोर संवाद कर रही थी? क्या ये भारत के खिलाफ राजनीतिक षडयंत्र है?

राहुल जी, देश भी आपसे प्रश्न पूछना चाहता है। 1962 के युद्ध में कांग्रेस की सरकार ने हजारों वर्ग किमी जमीन चीन क्यों हड़पने दी? 1971 के युद्ध में कांग्रेस की सरकार अपने 54 वीर सैनिकों को पाकिस्तान से क्यों छुड़ा नहीं पाई? 1971 के युद्ध और शिमला समझौते से भारत को क्या हासिल हुआ? सिंधु जल संधि में भारत के हिससे का पानी पाकिस्तान को क्यों दिया गया? तुर्किये जैसे भारत विरोधी देश में आपकी पार्टी को आफिस खोलने की क्या जरूरत थी? चीन से गुपचुप मिलने और एमओयू साइन करने में कौन सा देश हित छिपा है? आतंकियों और उनके सरपरस्त पाकिस्तान के प्रति कांग्रेस का रवैया हमेशा नरम क्यों रहता है? देश को यह सच्चाई जानने का भी हक है।

राहुल जी, पिछले कुछ वर्षों में आपने कई बार विदेशी मंचों का प्रयोग भारत को लेकर विवादास्पद बयान देने के लिए किया है। इस पर आपकी पार्टी का यह तर्क रहा है कि वे भारत की 'असली तस्वीर' दुनिया के सामने रख रहे हैं। लेकिन, राहुल जी आलोचना और अपयश में एक सूक्ष्म अंतर होता है। एक राष्ट्रीय नेता को यह समझना चाहिए कि देश और अंतरराष्ट्रीय मंचों पर दिए गए वक्तव्य केवल घरेलू राजनीति तक सीमित नहीं रहते, बल्कि वे देश की छवि, निवेशकों के भरोसे और वैश्विक कूटनीतिक संबंधों पर भी प्रभाव डालते हैं।

राहुल जी, पंजाबी के चर्चित कवि शिव कुमार बटालवी ने लिखा है- ह्यचंगा हुंदा सवाल ना करदा मैंनूं तेरा जवाब लै बैठा ह्ण अर्थात प्रश्न न करना ही अच्छा रहता है क्योंकि प्रश्न के उत्तर में जो कहा गया वो प्रश्न करने वाले को ही ले बैठा अथवा उसे ही तोड़ डाला या समाप्त कर डाला। हमारे द्वारा पूछे गए किसी प्रश्न का कोई क्या उत्तर देता है और किस अंदाज में देता है यह तो हमारे वश में नहीं होता, लेकिन प्रश्न पूछना अवश्य हमारे वश में होता है। कई बार ऐसे प्रश्न पूछ लिए जाते हैं जिनसे सामने वाले का मूल्यांकन होने के बजाय पूछने वाले का ही मूल्यांकन हो जाता है।

राहुल जी, सच को कभी झुठलाया और छुपाया नहीं जा सकता। देश को सच जानने का हक है। जो सवाल ऑपरेशन सिंदूर को लेकर आपने पूछे हैं उनका जवाब तो सेना पहले ही दे चुकी है। लेकिन सच की आड़ लेकर आप और आपकी पार्टी जो झूठ, अविश्वास, संदेह और भ्रम फैला रही है, उससे सेना और देशवासियों के मनोबल और विश्वास को ठेस पहुंचती है।

लेटर टू एडिटर

दुश्मनों को सजा मिले

जासूसी कोई नया काम नहीं, लेकिन आधुनिक तकनीक ने इसे बेहद आसान बना दिया है। यूट्यूब की आड़ में ज्योति मल्होत्रा द्वारा की गई देशविरोधी गतिविधियां गंभीर चिंता का विषय हैं। ऐसी गतिविधियां देश की सुरक्षा और संप्रभुता के लिए बड़ा खतरा हैं। गद्दार चाहे कहीं भी हों, उन्हें सख्त सजा मिलनी ही चाहिए।

- अमृतलाल, जमशेदपुर

आत्मनिर्भरता से जवाब

पाक हमलों के जवाब में भारत का कड़ा रुख सराहनीय है। तुर्किये और चीन की भूमिका चिंताजनक रही। तुर्किये से आयात बंद करना और उत्तर साइप्रस मुद्दे पर कड़ा रुख उचित कदम है। भारत को आत्मनिर्भरता से ही चीन और तुर्किये को करारा जवाब मिलेगा। **- रवि, रांची**

विवादित बोल

मध्य प्रदेश के मंत्रियों द्वारा दिए गए विवादास्पद बयानों से देश में रोष है। कर्नल सोफिया कुरैशी पर अशोभनीय टिप्पणी को लेकर अनुचित बयान, उनकी संवैधानिक समझ पर सवाल खड़े करते हैं। पार्टी की चुप्पी दशार्ती है कि यह ध्यान भटकाने की सोची-समझी रणनीति हो सकती है।

- धर्मवीर, हजारीबाग

X ट्वीट

जो सिंदूर मिटाने निकले थे... उन्हें मिट्टी में मिलाया है।
जो हिंदुस्तान का लहू बहाते थे...आज कतरे-कतरे का हिसाब चुकाया है!

- नरेन्द्र मोदी, पीएम

पुनर्जागरण के अग्रदूत, वंचितों और महिलाओं के समग्र उत्थान हेतु समर्पित रहे महान समाज सुधारक, 'ब्रह्म समाज' के संस्थापक राजा राममोहन राय की जयंती पर उन्हें विनम्र श्रद्धांजलि!

- अन्नपूर्णा देवी, केन्द्रीय मंत्री

सावधान नहीं हुए तो लाखों प्रजातियां लुप्त हो जाएगी

सामयिक

अतुल गोयल

जंगलों की अंधाधुंध कटाई, शहरीकरण, औद्योगीकरण और अनियंत्रित मानवीय गतिविधियों के चलते वन्यजीवों के प्राकृतिक आवास उजड़ चुके हैं और वनस्पतियों की कई प्रजातियां लगभग समाप्ति की कगार पर हैं। पारिस्थितिकी तंत्र, जिसमें सभी जैविक और अजैविक तत्व एक-दूसरे पर निर्भर होते हैं, अब असंतुलित होता जा रहा है। यह असंतुलन न केवल जीव-जंतुओं के जीवन चक्र को प्रभावित कर रहा है बल्कि मनुष्य के अस्तित्व के लिए भी गंभीर खतरा बन चुका है।

दुनियाभर में हजारों वन्य प्रजातियां या तो पूरी तरह विलुप्त हो चुकी हैं या विलुप्त होने के कगार पर हैं। वनस्पतियों की स्थिति भी कुछ अलग नहीं है। जब किसी पारिस्थितिकी तंत्र से एक भी प्रजाति लुप्त होती है तो उससे जुड़ी कई अन्य प्रजातियों की कड़ी भी प्रभावित होती है, जिससे पूरी जैव श्रृंखला खतरे में पड़ जाती है। इस जैव विविधता की क्षति का असर सीधे-सीधे मानव जीवन पर भी पड़ रहा है, जिसे अब नजरअंदाज करना आत्मघाती सिद्ध हो सकता है। वन्य जीव-जंतु और उनकी विविधता धरती पर अरबों वर्षों से हो रहे जीवन के सतत विकास की प्रक्रिया का आधार रहे हैं।

वन्य जीवन में ऐसी वनस्पति और जीव-जंतु सम्मिलित होते हैं, जिनका पालन-पोषण मनुष्यों द्वारा नहीं किया जाता। आज मानवीय क्रियाकलापों तथा अतिक्रमण के अलावा प्रदूषित वातावरण और प्रकृति के बदलते मिजाज के कारण भी दुनियाभर में जीव-जंतुओं तथा वनस्पतियों की अनेक प्रजातियों के अस्तित्व पर दुनियाभर में संकट के बादल मंडरा रहे हैं। दरअसल विभिन्न वनस्पतियों और जीव-जंतुओं की संख्या में कमी आने से समग्र पर्यावरण जिस प्रकार असंतुलित हो रहा है, वह पूरी दुनिया के लिए चिंता का विषय बना है। पर्यावरण के इसी असंतुलन का परिणाम पूरी दुनिया पिछले कुछ दशकों से गंभीर पर्यावरणीय समस्याओं और प्राकृतिक आपदाओं के रूप में देख और भुगत भी रही है।लगभग हर देश में कुछ ऐसे जीव-जंतु और पेड़-पौधे पाए जाते हैं, जो उस देश की जलवायु की विशेष पहचान होते हैं लेकिन जंगलों की अंधाधुंध कटाई तथा अन्य मानवीय गतिविधियों के चलते जीव-जंतुओं के आशियाने लगातार बड़े पैमाने पर उजड़ रहे हैं, वहीं वनस्पतियों की कई प्रजातियों का भी अस्तित्व मिट रहा है। हालांकि जीव-जंतुओं तथा पेड़-पौधों की विविधता से ही पृथ्वी का प्राकृतिक सौन्दर्य है, इसलिए भी लुप्तप्रायः पौधों और जीव-जंतुओं की अनेक प्रजातियों की उनके प्राकृतिक निवास स्थान के साथ रक्षा करना पर्यावरण संतुलन के लिए भी बेहद जरूरी है। इसीलिए पृथ्वी पर मौजूद जीव-जंतुओं तथा पेड़-पौधों के बीच संतुलन बनाए रखने के लिए तथा जैव विविधता के मुद्दों के बारे में लोगों में जागरुकता और समझ बढ़ाने के लिए प्रतिवर्ष 22 मई को अंतरराष्ट्रीय जैव विविधता दिवस मनाया जाता है। 20 दिसंबर, 2000 को संयुक्त राष्ट्र महासभा ने प्रस्ताव पास कर इस दिवस को मान्यता प्रदान की। इस प्रस्ताव पर 193 देशों द्वारा हस्ताक्षर किए गए।22 मई, 1992 को नैरोबी एक्ट में जैव विविधता पर अभिसमय के पाठ को स्वीकार किया गया, इसीलिए यह दिवस मनाने के लिए 22 मई का दिन ही निर्धारित किया गया। अंतरराष्ट्रीय जैव विविधता दिवस इस वर्ष प्रकृति के साथ सामंजस्य और सतत विकासह्ल विषय के साथ मनाया जा रहा है।पेड़-पौधों की संख्या पृथ्वी पर जिस तेज गति के साथ घट रही है, उसने न केवल पर्यावरण का संतुलन बिगाड़ रहा है बल्कि अनेक जीव-जंतुओं और पक्षियों को उनके प्राकृतिक घरों से भी वंचित होना पड़ रहा है।

परिणामस्वरूप अनेक प्रजातियां विलुप्त होने के कगार पर पहुंच चुकी हैं। पर्यावरण विशेषज्ञों की स्पष्ट चेतावनी है कि यदि अब भी इस संकट की अनदेखी की गई तो निकट भविष्य में ऐसी भयावह स्थिति उत्पन्न होगी कि न केवल पेड़-पौधों की दुर्लभ प्रजातियां समाप्त हो जाएंगी बल्कि अनेक पशु-पक्षी भी धरती से सदा के लिए मिट जाएंगे। माना कि विकास आवश्यक है लेकिन वह ऐसा हो, जो प्रकृति के साथ सामंजस्य बनाए रखे। खेतों में कीटों को नियंत्रित करने वाले चिड़िया, तीतर, कौआ, गिद्ध, मोर जैसे पक्षी भी आज विलुप्ति के कगार पर हैं। ये पक्षी न केवल किसानों के मित्र माने जाते रहे हैं बल्कि जैव विविधता की श्रृंखला में एक महत्वपूर्ण कड़ी हैं। धरती पर जीवन को सुचारु और संतुलित बनाए रखने में जैव विविधता की बहुत अहम भूमिका है, इसलिए यदि हम आज ही सजग नहीं हुए और इन दुर्लभ प्रजातियों तथा उनके प्राकृतिक निवास की रक्षा नहीं की तो आने वाले समय में न केवल पर्यावरणीय संकट और तेजी से गहराएगा बल्कि मानव जीवन भी संकट में पड़ जाएगा।

एआई से बढ़ेगा गन्ना उत्पादन, ज्यादा मिलेगी चीनी

कृषि

औसत पेराई दिनों में गिरावट, जो कि अब तक के सबसे कम रिकॉर्ड में से एक है, चीनी मिलों की वित्तीय स्थिरता के लिए जोखिम पैदा करती है।

महाराष्ट्र में इस साल पेराई सत्र की अवधि काफी कम रही, जिसके कारण चीनी उत्पादन में करीब 29 लाख टन की गिरावट हुई। मिलों को पिछले वर्ष की तुलना में 10,700 करोड़ रुपये का अनुमानित घाटा हुआ, जबकि कम चीनी रिकवरी दर ने 2,960 करोड़ रुपये का अतिरिक्त घाटा दिया। घाटे की मूल वजह चीनी मिलों के पेराई दिनों में आई कमी को दूर करने के लिए राज्य की चीनी मिलें अब आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस (एआई) आधारित गन्ने की खेती करने पर जोर दे रहे हैं। एआई के उपयोग से गन्ने के उत्पादन को 40 फीसदी तक बढ़ाया जा सकता है।

इस साल पेराई सत्र में मिलें अधिकतम 90 दिनों तक ही चल पाईं, जो पिछले वर्षों में देखे गए 130-150 दिनों के औसत से काफी कम है। इस बार जनवरी में 11 मिलें, फरवरी में 95, मार्च में 89, अप्रैल में 4 और मई में एक मिल ने पेराई पूरी की। सत्र के अंत की आधिकारिक घोषणा 14 मई को कर दी गई। चीनी उद्योग से जुड़े विशेषज्ञों का कहना है कि औसत पेराई दिनों में गिरावट, जो कि अब तक के सबसे कम रिकॉर्ड में से एक है, चीनी मिलों की वित्तीय स्थिरता के लिए जोखिम पैदा करती है। पेराई में गिरावट के कारण मिलों को पिछले वर्ष की तुलना में 10,700 करोड़ रुपये का अनुमानित घाटा हुआ, जबकि कम चीनी रिकवरी दर ने 2,960 करोड़ रुपये का अतिरिक्त घाटा दिया।

पिछले वर्ष की तुलना में 29 लाख टन की भारी गिरावट

गन्ना पेराई सीजन 2024-25 के दौरान राज्य का चीनी उत्पादन में पिछले वर्ष की तुलना में 29 लाख टन की भारी गिरावट आई है। चीनी आयुक्तालय कार्यालय के अनुसार, 15 नवंबर को शुरू हुए सत्र में 200 चीनी मिलें चालू थीं। इन मिलों ने सामूहिक रूप से 81 लाख टन चीनी का उत्पादन किया, और यह उत्पादन 2023-24 सत्र में उत्पादित 110 लाख टन से लगभग 29 लाख टन कम है। पिछले सीजन में 208 मिलों ने पेराई में हिस्सा लिया था। 2024-25 में 200 मिलों द्वारा पेराई किया कुल गन्ना 850 लाख टन थी, जो पिछले सत्र में पेराई किये गए 1,070 लाख टन गन्ने से कम था। इसके अलावा, औसत चीनी रिकवरी दर भी 10.27 फीसदी से घटकर 9.5 फीसदी हो गई।

महाराष्ट्र राज्य सहकारी चीनी मिल संघ ने चीनी मिलों के पेराई दिनों को 150 दिनों से आगे बढ़ाने का निर्णय लिया है। इसके लिए संघ ने अब आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस (एआई) आधारित गन्ने की खेती के लिए राज्य स्तरीय अभियान शुरू किया है। चीनी एसोसिएशन के अध्यक्ष पी.आर.पाटिल ने कहा कि, राज्य का पेराई सत्र औसतन मात्र 83 दिन का रह गया है। जबकि पेराई का समय कम से कम 150 दिन होना चाहिए। इस वर्ष पेराई के दिन कम होने से सभी मिलों को घाटा हुआ है। केवल एआई में ही इस दुष्चक्र को तोड़ने की शक्ति है। वर्तमान गन्ना खेती की तकनीक पुरानी हो जाने के कारण उत्पादकता में गिरावट आई है।

संघ ने पेराई अवधि को कम से कम 165 दिन तक बढ़ाने का संकल्प लिया है। राज्य सहकारी चीनी मिल संघ ने कारखानों से एआई तकनीक को शीघ्र अपनाने का आग्रह किया है। चीनी संघ के अनुसार, राज्य में वर्तमान में 13.73 लाख हेक्टेयर में गन्ने की खेती की जाती है। पेराई में गिरावट के कारण महाराष्ट्र उत्पादन में पिछड़ गया है और उत्तर प्रदेश आगे निकल गया है।

यदि पहले चरण में राज्य में कम से कम छह लाख हेक्टेयर गन्ना क्षेत्र एआई के अंतर्गत आ जाता है, तो राज्य पुनः अग्रणी हो जाएगा। एआई प्रौद्योगिकी के उपयोग से गन्ने का उत्पादन 40 प्रतिशत तक बढ़ जाता है और बड़ी मात्रा में उर्वरक और पानी की बचत भी होती है।

राजस्थान के करणी मंदिर में पूजा अर्चना करते पीएम मोदी। पीएम ने देश भर के 103 स्टेशनों के सुंदरीकरण के कार्य पूरा होने पर उन्हें राष्ट्र को समर्पित किया। **साभार- अजय सानी**

कार्टून वर्ल्ड

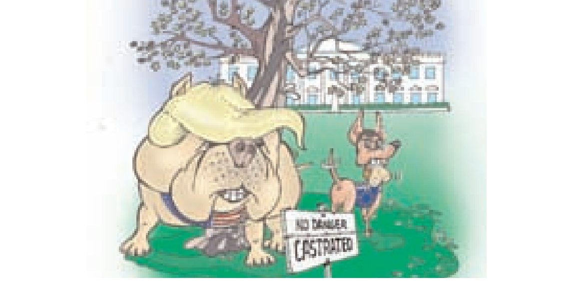

स्पीड न्यूज

रविंद्र के परिजन को मिलेगा पांच लाख

रजरप्पा। रजरप्पा के भुचुंगडीह स्थित अवैध खदान में भीषण आग को बुझाने में लगे मजदूर रविन्द्र महतो की जमीन धंसने से मौत हो गई थी। परिजनों को उचित न्याय दिलाने हेतु विभिन्न राजनीतिक/सामाजिक संगठन, समाजसेवियों एवं मृतक के परिजनों के साथ जिला प्रशासन एवं रजरप्पा जीएम की मौजूदगी में बुधवार देर रात सहमति बनी। परिजनों को एसके इंटरप्राइजेज 5.50 लाख रुपये देगा। बेटे को डीएवी जबकि बेटी को सरस्वती विद्या मंदिर में नामांकन करवाया जाएगा।वार्ता में एलआरडीसी सह प्रभारी एसडीएम प्रियंका दीप्ति कुजूर, चितरपुर अंचल अधिकारी दीपक मिंज, रजरप्पा महाप्रबंधक कल्याणजी प्रसाद, रजरप्पा थाना प्रभारी कृष्णा कुमार उपस्थित रहे। मौके पर मृतक की पत्नी मीरा देवी, जिला सांसद प्रतिनिधि राजीव जायसवाल, आजसू पार्टी जिलाध्यक्ष दिलीप दांगी, पियूष चौधरी, अशोक राम बेदिया, जेएलकेएम के रानी महतो, लक्ष्मण महतो, कटियार, अनवर अंसारी आदि मौजूद थे।

करमा में मंडा पूजा सात जून को

कुजू। मंडा पूजा धूमधाम से मनाने को लेकर करमा शिव मंदिर परिसर में गुरुवार को ग्रामीणों ने बैठक की। इसकी अध्यक्षता पूर्व मुखिया शक्ति कुमार महतो एवं संचालन डॉ हरिशंकर बिहारी ने किया।कोषाध्यक्ष द्वारा बीते वर्ष का लेखा जोखा प्रस्तुत किया गया। बाद में सात जून को होने वाले मंडा पूजा के बारे में लोगों ने अपनी अपनी बातें रखी। पूजा के सफल संचालन के लिए कमिटी का गठन किया। इसमें संरक्षक डॉ हरिशंकर बिहारी, रोहन महतो, अध्यक्ष भुनेश्वर महतो, उपाध्यक्ष कामेश्वर प्रसाद वर्मा, किन्नू राम, रंजीत शर्मा, सचिव मथुरा प्रसाद सोनी, सह सचिव पंकज कुमार महतो, कोषाध्यक्ष संजय कुमार, सह कोषाध्यक्ष चंदन कुमार को बनाया गया। जबकि कार्यकारिणी सदस्य में करमा उत्तरी एवं दक्षिणी पंचायत के विभिन्न टोले मुहल्ले के बड़ी संख्या में लोग शामिल हैं।

चक्की दुकान के मालिक की मौत

कुजू। ट्रांसपोर्टनगर कुजू में बुधवार रात चक्की दुकान के बाहर सो रहे मालिक की मौत हो गई। मौके पर पहुंची कुजू पुलिस ने मामले की छानबीन कर शव को पोस्टमार्टम के लिए सदर अस्पताल भेज दिया। बताया जाता है कि भलुआना, चंद्रदीप (जमुई) बिहार निवासी दानी यादव (60वर्ष) पिता स्व दुखन यादव कई वर्षों से ट्रांसपोर्टनगर कुजू में रहकर एक किराए के मकान में पशु आहार चक्की दुकान चलाता था। सोमवार की देर रात दुकान के बाहर बरामदे में सो रहा दानी यादव को ब्रेन हेमरेज होने की वजह से मौत हो गई। सुबह लोगों द्वारा मिली सूचना के बाद कुजू ओपी प्रभारी आशुतोष कुमार सिंह सदल बल उक्त स्थल पहुंचे। जहां उन्होंने लोगों से पूछताछ के बाद शव को पोस्टमार्टम हेतु रामगढ़ भेज दिया और दुकान में ताला लगा दिया। वहीं, पिता की मौत की सूचना पाकर बेरमो में रह रहे पुत्र रामगढ़ पहुंचा। साथ ही, शव का पोस्टमार्टम कराने के बाद पुलिस ने परिजन को सौंप दिया।

सभी समुदाय को लेकर चलती है कांग्रेस

रजरप्पा। चितरपुर ओवरब्रिज के समीप कांग्रेस पार्टी प्रखंड कार्यालय में कांग्रेस प्रखंड अध्यक्ष एहसान उल्लाह ने प्रखंड कमेटी का विस्तार करते हुए पदाधिकारियों की सूची जारी की है। समिति में 11 लोगों को पदाधिकारी बनाया है। कमेटी में आदिवासी, अल्पसंख्यक, पिछड़ी, दलित और सवर्ण को भी साथ करने का प्रयास किया गया है। जिसमे एक महिला का भी नाम शामिल है। युवाओं का भी ख्याल रखा गया है। कमेटी में प्रखंड उपाध्यक्ष जितेन्द्र मुंडा, फिरोज आलम (मायल मुखिया), नौ महासचिव जिसमें मालती देवी, रमेश नायक, देववरण करमाली, गोपाल महतो, शशिकांत सिंह, बालेश्वर राम, इम्तियाज अंसारी, इकबाल हुसैन, फैसल अहमद को बनाया गया है. सभी नवनियुक्त पदाधिकारी को मौजूद बतौर मुख्य अतिथि झारखण्ड प्रदेश कांग्रेस के कार्यकारी अध्यक्ष शहजादा अनवर एवं प्रखंड बीस सूत्री अध्यक्ष जकाउल्लाह ने प्रमाण पत्र देकर एवं माला पहनाकर स्वागत किया. मौके पर मुख्य अथिति ने कहा कि कांग्रेस देश की सबसे पुरानी पार्टी है. उन्होंने कहा कि कांग्रेस पार्टी हमेशा गरीबों, वंचितों और सभी धर्मों व समुदायों को साथ लेकर चलती है। मौके पर कांग्रेस नेता दिनेश कुमार महतो, मो साजिद (बब्लू), कालीचरण महतो, राजू आदि मौजूद थे।

रामगढ़ : तालाब का सौंदर्यीकरण शुरू

रामगढ़। रामगढ़ तालाब बचाओ योजना के तहत बड़ी पहल की गई है। योजना के तहत उपायुक्त के निर्देश पर रामगढ़ शहर अंतर्गत सतकौड़ी काम्प्लेक्स के सामने स्थित तालाब का 2 लाख रुपए की राशि से सफाई व सौंदर्यीकरण कार्य किया जाएगा। इसके लिए कार्यकारी एजेंसी के रूप में मुख्य अधिशासी अधिकारी छावनी परिषद रामगढ़ को नामित किया गया है। वहीं, कार्य यथाशीघ्र पूर्ण कर लेने का निर्देश दिया गया है। इसी क्रम में गुरुवार से रामगढ़ शहर के सतकौड़ी कॉम्प्लेक्स के सामने स्थित तालाब की सफाई व अतिक्रमण हटाने का कार्य शुरू हो गया।

मौत की सुरंग बनी हजारीबाग जिले की अवैध कोयला खदानें

केरेडारी के खावा जंगल में कोयला खदान में तीन मजदूर डूबे

खबर मन्त्र संवाददाता

हजारीबाग/केरेडारी। झारखंड के हजारीबाग में मौत अब कोयले की सुरंगों से निकलती है। बुधवार दोपहर जब लोग बारिश से बचने की कोशिश कर रहे थे, केरेडारी थाना क्षेत्र के खावा जंगल की एक अवैध अंडरग्राउंड कोयला खदान ने तीन मजदूरों को निगल लिया। तेज बारिश के बीच खदान में पानी का ऐसा सैलाब घुसा कि प्रमोद साव (45), उमेश कुमार (25) और नौशाद आलम (25) उसमें समा गए और 24 घंटे बाद भी उनका कोई सुराग नहीं मिला। प्रत्यक्षदर्शियों ने बताया कि बारिश शुरू होने के बावजूद मजदूर मशीन निकालने खदान में घुसे थे। लेकिन कुछ ही मिनटों में बाढ़ जैसी स्थिति बन गई और वे बाहर नहीं निकल सके। प्रशासन राहत कार्य चला रहा है, लेकिन खदान पानी में डूबी हुई है। मौके पर केरेडारी के सीओ राम रतन वर्णवाल मौजूद थे, पर उनके हाथ भी खाली हैं। ये कोई पहली बार नहीं है जब अवैध खदानों ने हजारीबाग में जान ली हो।

पिछले महीने बड़कागांव के लुरूंगा गांव में दो लोगों की मौत खदान में दबकर हो गई थी लेकिन माफिया डब्बू सिंह ने पैसे के बल पर मामला रफा-दफा कर दिया। यही डब्बू सिंह हाल में वन विभाग की टीम पर फायरिंग कर चुका है, लेकिन वो अब भी खुलेआम घूम रहा है। कोयले से भरकर निकलते ट्रैक्टर, एनटीपीसी से उठाया गया कोयला सीधा सिंघानिया की फैक्टरी में जा रहा है। पुलिस और प्रशासन मूकदर्शक हैं। मिश्रा-पांडेय की जोड़ी का नाम हर चर्चा में है, इन्हें सब पता है, लेकिन कोई कार्रवाई नहीं। चुरचू, उरीमारी, आंगो, बड़कागांव, हर जगह यही खेल चल रहा है। अभी दो दिनों पहले आंगो थाना क्षेत्र के थाना प्रभारी जानू कुमार के खिलाफ ग्रामीणों का गुस्सा फुट पड़ा था। वहा के ग्रामीणों का आरोप था की थाना प्रभारी के संगरक्षण में अवैध धंधा चरम पर है, सब कुछ मैनेज्ड है। ग्रामीणों ने थाना प्रभारी के खिलाफ एसपी कार्यालय में इसे लेकर आवेदन भी दिया है। ज्ञात हो कि अवैध खनन, ड्रग्स, गौ-तस्करी, हत्या, वेश्यावृति, हर गैरकानूनी धंधा यहां खुलेआम है। सवाल ये नहीं कि जिम्मेदार कौन है, सवाल ये है कि इतने लोग मर रहे हैं और ऊपर से नीचे तक हर अफसर चुप क्यों है? अगर ये खदानें यूँ ही चलती रहीं, तो अगली बार शायद किसी और के बेटे, पिता या भाई को निगल लेंगी। लेकिन क्या फर्क पड़ता है? जब सिस्टम ही मौत का सौदागर बन चुका हो, तो इंसाफ की उम्मीद करना खुद को धोखा देना है।

सिलवार पंचायत में बारिश व तूफान से कई गरीबों की झोपड़ियां उड़ी

खबर मन्त्र संवाददाता

पेड़ों के नीचे तिरपाल डालकर दिन-रात गुजार रहे हैं परिवार

हजारीबाग। झारखंड के हजारीबाग ज़िले के सिलवार पंचायत से एक शर्मनाक तस्वीर सामने आई है। सरकार की गरीबों के लिए चलाई जा रही प्रधानमंत्री आवास योजना अब अमीरों के ऐशोआराम का जरिया बन गई है, जबकि असली हकदार तिरपाल तले ज़िंदगी बिताने को मजबूर हैं। बीते दो दिनों की बारिश और तूफान ने कई गरीब परिवारों की तंबू से बनी झोपड़ियों को उड़ा दिया। पहले से ही बदहाली में जी रहे ये परिवार अब पेड़ों के नीचे तिरपाल डालकर दिन-रात गुजार रहे हैं। सबसे हैरानी की बात यह है कि इन्हीं पंचायत क्षेत्रों में सुखी संपन्न परिवारों को आवास योजना का लाभ मिल रहा है, वो भी इतने हक से कि इन घरों में टाइल्स और मार्बल तक लगाए जा रहे हैं। पीड़ित परिवारों का आरोप है कि पंचायत प्रतिनिधियों ने आवास सूची में उनके नाम शामिल नहीं किए। कोई आधार कार्ड की बात करता है, तो कोई फॉर्म भरवाकर उन्हें टरकाता है। दो साल से लगातार दौड़ते-दौड़ते अब उनके पांव थक चुके हैं, लेकिन अब तक आवास नहीं मिला। पूर्व मुखिया ने इस घोटाले पर प्रशासन को कई बार अवगत कराया है और वर्तमान मुखिया पर गंभीर आरोप लगाए हैं। उनका दावा है कि आवास उन्हीं लोगों को मिल रहे हैं जो 30,000 की चढ़ावा राशि मुखिया को देते हैं। इस भ्रष्ट तंत्र का आलम यह है कि एक ही घर में तीन-तीन आवास स्वीकृत कर दिए गए हैं, और दो मंज़िला मकान वालों को भी सरकारी लाभ मिल गया है। इधर जब इस संबन्ध में मुखिया से उनका पक्ष लेने की कोशिश की गयी तो उन्होंने फोन नहीं उठाया। यह हालात सिर्फ सिलवार तक सीमित नहीं, बल्कि यह पूरे सिस्टम की बदनुमा तस्वीर है। जब भ्रष्टाचार की छांव में टाइल्स चमकते हों और मेहनतकश गरीब सड़कों किनारे भीगते रहें, तो यह सवाल बनता है कि क्या गरीब होना इस देश में सबसे बड़ा अपराध है? सरकार और प्रशासन को अब जवाब देना होगा। नहीं तो अगला तूफान सिर्फ झोपड़ियां नहीं, भरोसे और इंसानियत को भी उड़ा ले जाएगा।

भुरकुंडा : ए ला एंगलाइज स्कूल में समर कैंप संपन्न

भुरकुंडा (रामगढ़)। ए ला एंगलाइज विद्यालय में चार दिवसीय समर कैंप संपन्न हुआ। कैंप के दौरान छात्रों ने आर्ट एंड क्राफ्ट, योग, संगीत, नृत्य, ड्रामा, विज्ञान प्रयोग, खेलकूद तथा व्यक्तित्व विकास जैसी रचनात्मक, शारीरिक और बौद्धिक गतिविधियों में भाग लिया। सभी गतिविधियाँ विशेषज्ञ प्रशिक्षकों एवं विद्यालय के शिक्षकों द्वारा संचालित की गईं। संस्कृति विभाग के शिक्षक सिद्धार्थ कुमार और शिक्षिका चंचल कुमारी की देखरेख में यह शिविर सफलतापूर्वक संपन्न हुआ। छात्रों ने उत्साह के साथ भाग लिया और नई-नई चीजें सीखने में गहरी रुचि दिखाई। समापन समारोह में एक रंगारंग कार्यक्रम का आयोजन हुआ, जिसमें छात्रों ने अपनी प्रतिभाओं का शानदार प्रदर्शन किया। अभिभावकों ने भी इस आयोजन की भरपूर सराहना की और विद्यालय प्रशासन को धन्यवाद दिया।

बरही में भाजपा ने निकाली तिरंगा यात्रा

बरही। भारतीय सेना द्वारा हाल ही में संपन्न सिंदूर की गौरवशाली सफलता एवं देश की रक्षा में समर्पित वीर सैनिकों के सम्मान में भाजपा ने निकाली तिरंगा यात्रा। यात्रा भगवती मंदिर स्थित भाजपा कार्यालय से आरंभ होकर बरही चौक होते हुए तिलैया रोड, हजारीबाग रोड, गया रोड, होते हुए बरही चौक तक निकाली गई। यात्रा का उद्देश्य भारतीय सेना की वीरता, बलिदान और पराक्रम के प्रति संपूर्ण समाज की ओर से आभार व्यक्त करना था। इस तिरंगा यात्रा का नेतृत्व बरही विधायक मनोज कुमार यादव ने किया। इस अवसर पर विधायक प्रतिनिधि सह भाजपा जिला उपाध्यक्ष रमेश ठाकुर जिप उपाध्यक्ष संघ के प्रदेश अध्यक्ष किशुन यादव मुख्य रूप से शामिल हुए। कार्यक्रम में बड़ी संख्या में पार्टी के कार्यकर्ता सामाजिक संगठन, आम नागरिक उत्सव पूर्वक शामिल हुए। यात्रा के दौरान हाथ में तिरंगा लहरा रहा था, और भारत माता की जय जैसे गगन भेदी नारो से गुंजता रहा। विधायक मनोज कुमार यादव ने कहा कि सेना केवल हमारी सीमाओं की रक्षा नहीं करती, बल्कि देशवासियों के आत्मविश्वास और गौरव की भी रक्षा करती है। आज हर भारतवासी को ऑपरेशन सिंदूर पर गर्व है, हम सैनिकों को सिर्फ सलाम नहीं करते, बल्कि उन्हें दिल से धन्यवाद भी देते हैं। जिप उपाध्यक्ष संघ के प्रदेश अध्यक्ष किशुन यादव ने कहा कि सैनिकों ने ऑपरेशन सिंदूर के माध्यम से यह सिद्ध कर दिया है कि भारत की सुरक्षा अटूट है।

कनाट प्लेस की तर्ज पर गोला में बनेगा मार्केटिंग काम्प्लेक्स : डीसी

रामगढ़। गोला मार्केटिंग काम्प्लेक्स के निर्माण को लेकर गुरुवार को उपायुक्त चंदन कुमार की अध्यक्षता में समाहरणालय सभाकक्ष में बैठक हुई। बैठक में गोला मार्केटिंग परिसर के निर्माण हेतु तैयार कार्य योजना की जानकारी दी गई। इस दौरान बताया गया कि दिल्ली के कनॉट प्लेस की तर्ज पर गोला मार्केटिंग परिसर का निर्माण कराया जाएगा जिसमें 78 दुकानों का निर्माण कराया जाएगा एवं डेली मार्केट के लिए 84 वेंडिंग जोन बनाए जाएंगे। उपायुक्त ने गोला मार्केटिंग परिसर के निर्माण को लेकर उपस्थित जनप्रतिनिधियों स्थानीय लोगों एवं अधिकारियों के साथ चर्चा करते हुए अंचल अधिकारी गोला को तत्काल स्थल निरीक्षण करने एवं जमीन की मापी सुनिश्चित करने का निर्देश दिया। साथ ही तत्काल व्यवस्था के तहत स्थल पर वेंडिंग जोन की घेराबंदी करते हुए थोक विक्रेताओं के लिए स्थान चिन्हित करने का निर्देश दिया। बैठक के दौरान स्थानीय जनप्रतिनिधियों एवं लोगों के द्वारा वेंडिंग जोन निर्माण से संबंधित कई सुझाव व जानकारी या उपायुक्त सहित अन्य के साथ साझा की गई जिस पर उपायुक्त के द्वारा आवश्यक दिशा निर्देश दिए गए। बैठक में उप विकास आयुक्त, अपर समाहर्ता, जिला परिषद सदस्य, प्रभारी पदाधिकारी गोपनीय शाखा, प्रखंड विकास पदाधिकारी गोला, अंचल अधिकारी गोला, स्थानीय जनप्रतिनिधि व लोगों सहित अन्य उपस्थित थे।

पिकलबॉल जूनियर ओपन में झारखंड के 3 खिलाड़ी जायेंगे

चौपारण। वियतनाम में एशिया पिकलबॉल जूनियर ओपन 2025 में भारत की टीम में झारखंड के तीन खिलाड़ियों का चयन हुआ है। यह टीम ऑल इंडिया पिकलबॉल एसोसिएशन द्वारा घोषित की गई है। चयनित खिलाड़ियों में जिला हजारीबाग के चौपारण प्रखंड अंतर्गत ग्राम बसरिया निवासी जिगर विश्वकर्मा शामिल हैं। वे विनय विश्वकर्मा के सुपुत्र हैं। जिगर की इस उपलब्धि से न केवल बसरिया गांव, बल्कि पूरे चौपारण प्रखण्ड और हजारीबाग जिले का मान बढ़ा है। जिगर ने बीते दो वर्षों से लगातार कठोर परिश्रम और अनुशासन के बल पर अपने खेल को निखारा है और राष्ट्रीय स्तर पर अपनी पहचान बनाई है। उनके साथ रांची की प्रचेता कुमारी और सुचेता कुमारी को भी भारतीय टीम में स्थान मिला है।

हार पचा नहीं पा रहीं अंबा प्रसाद : दांगी

खबर मन्त्र संवाददाता

विकास की गति देख बौखला गई हैं पूर्व विधायक : एनडीए

भुरकुंडा (रामगढ़)। आजसू एवं भाजपा नेताओं ने गुरूवार को आजसू जिलाध्यक्ष दिलीप दांगी के कार्यालय में संयुक्त रूप से प्रेस कांफ्रेंस कर पूर्व विधायक अम्बा प्रसाद के बयान की निंदा की। एनडीआ नेताओं ने कहा कि अम्बा प्रसाद अभी भी खुद को विधायक समझ रहीं है। नाकारात्मक राजनीति की पहचान बना चुकी अम्बा प्रसाद अपनी हार को पचा नहीं पा रहीं है। बड़कागांव के विधायक रोशनलाल चौधरी पर अनर्गल और आधारहीन बयानबाजी करती फिर रहीं हैं। अबा प्रसाद और इनके परिवार के पूरा काला चिट्ठा से बड़कागांव विधानसभा की जनता अच्छी तरह वाकिफ है। कार्यकाल के दौरान जमीन हड़पने, दूसरों की योजनाओं पर रातों रात शिलापट्ट लगाने एवं झूठे मुकदमे दर्ज करवाने के लिए प्रसिद्ध रहीं अम्बा अब हार के बाद अपनी साख बचाने के लिए रोशनलाल चौधरी के ऊपर कटाक्ष करतीं दिख जा रहीं हैं। रोशनलाल चौधरी के विधायक बनते ही क्षेत्र में तीव्र गति से विकास कार्य धरातल पर उतारा जा रहा है, जिसे अंबा पचा नहीं पा रही है। दांगी ने कहा कि अभी मात्र छह महीने ही रोशनलाल चौधरी के कार्यकाल के हुए हैं और पूरे विधानसभा क्षेत्र के कोने-कोने में विकास कार्यों की गंगा बह रही है। प्रखंड सह अंचल कार्यालयों में दलाली प्रथा पर लगाम लगाई जा रही है। पेयजल की समस्या पर निरंतर विधायक पहल करते दिख रहे हैं। जनता के सुख-दुःख में श्री चौधरी दिन रात खड़े हैं। इनके कार्यों से अम्बा प्रसाद बेचैन हो उठीं हैं। अम्बा प्रसाद के कार्यकाल में हर तरफ भ्रष्टाचार फैला था। विकास कार्यों में कमीशन खोरी की मांग के कारण विकास कार्य ठप था। प्रखंड कार्यालयों में अम्बा प्रसाद के संरक्षण में दलाली हावी था। विकास योजनाओं के शिलान्यास कार्य तक में कमीशन मांगा जाता था तब शिलान्यास होता था। योजनाओं के क्रेडिट लेने का होड़ अम्बा प्रसाद पर इतना है कि पूर्व विधायक रही अपनी माता का नाम भी उन्होंने शिलापट्ट से मिटवा दिया था। अम्बा प्रसाद जब इतनी हीं अपने आप को दूध की धुली बताती हैं तो कितने एकड़ जमीन पर इन्होंने एवं इनके परिजनों ने कब्जा किया है ये भी बताएं, अम्बा प्रसाद के कार्यकाल में कोयला और बालू चोरी चरम सीमा पर थी। जनता के आंदोलन तक को ये बेचने का कार्य करतीं रहीं हैं। दूसरों पर आरोप लगाने से पूर्व अम्बा प्रसाद को अपने गिरेबान में झांकना चाहिए।

एक नजर में

जरहिया केवाल में शिवशक्ति महायज्ञ शुरू

बरही। जरहिया केवाल में गुरुवार को सात दिवसीय श्री श्री 1008 शिवशक्ति महायज्ञ का भव्य शुभारंभ कलश यात्रा के साथ हुआ। कार्यक्रम की शुरूआत बरही विधायक मनोज कुमार यादव ने मुख्य यजमान को कलश सौंपकर की। कलश यात्रा में सैकड़ों श्रद्धालुओं ने भाग लिया, जो गाजे-बाजे और हर-हर महादेव के जयकारों के साथ निकाली गई। महायज्ञ समिति ने विधायक को अंगवस्त्र भेंट कर सम्मानित किया। विधायक यादव ने कहा कि ऐसे धार्मिक आयोजन समाज में एकता और आध्यात्मिक जागरूकता को बढ़ाते हैं। उन्होंने समिति को सफल आयोजन के लिए शुभकामनाएं दीं। कलश यात्रा में जिला परिषद उपाध्यक्ष किशुन यादव, जिप सदस्य प्रीति गुप्ता, मुखिया संघ अध्यक्ष विजय यादव, स्थानीय मुखिया नीलम देवी समेत कई जनप्रतिनिधि एवं सामाजिक कार्यकर्ता शामिल हुए। महायज्ञ सात दिनों तक चलेगा, जिसमें प्रवचन, रात्रि सांस्कृतिक कार्यक्रम और भंडारा आयोजित किया जाएगा। आयोजन स्थल पर श्रद्धालुओं की भारी उपस्थिति देखने को मिली, जिससे क्षेत्र में धार्मिक माहौल बना हुआ है।

करसो : जमीन विवाद में मारपीट, नौ घायल

बरही। करसो गांव में गुरुवार को जमीन विवाद को लेकर दो पक्षों में मारपीट हुई। नौ लोग घायल हुए। जिसमें दिनेश गोप 45 वर्ष पिता, विनोद गोप 46 वर्ष दोनों के पिता स्व. कैलाश गोप, मालती गोप 40 वर्ष पति दिनेश गोप, सहोदरी 65 वर्ष पति स्व. कैलाश गोप, राजदेव गोप 60 वर्ष पिता स्व. इंदो गोप, महेंद्र गोप 54 वर्ष पिता स्व. बलदेव गोप, संजय गोप 25 वर्ष पिता राजदेव गोप, अजीत गोप 22 वर्ष पिता महेंद्र गोप एवं सुरेंद्र गोप पिता स्व. काली गोप घायल हो गए। सभी घायलों का बरही अनुमंडलीय अस्पताल में प्राथमिक उपचार किया जा रहा है।

भूमि मुआवजा के लिए शिविर आज से

बड़कागांव। प्रखंड के बादम कोयला खनन परियोजना, एनटीपीसी लिमिटेड हेतु मौजा बादम एवं अम्बाजीत के अर्जित भूमि के पंचाटियों के त्वरित मुआवजा भुगतान हेतु प्रभावित क्षेत्रों के रैयतों के लिए बड़कागांव अंचल कार्यालय में जिला भू-अर्जन कार्यालय हजारीबाग के कर्मी की उपस्थिति में 23 एवं 24 मई को पूर्वाहन 11:00 बजे शिविर का आयोजन किया जाएगा। सभी हितबद्ध रैयतों से अनुरोध किया जाता है कि वे शिविर में आकर अपनी भूमि मुआवजा भुगतान हेतु आवश्यक दस्तावेज जमा करे एवं अपनी समस्याएं रखे ताकि उसका त्वरित समाधान हो सके।

जमीन हड़पने के खिलाफ डीसी से शिकायत

बरही। दुलमाहा पंचायत के मो गयूर, मो नौशाद, मो कुद्दुश, मो जावेद और मो नईम ने जमीन हड़पने की साजिश करने वाले के खिलाफ डीसी से शिकायत की है। आवेदन की कापी सीओ, एलआरडीसी और एसी को देते हुए मांग की है कि थाना नंबर 143 खाता नंबर 214 प्लॉट नंबर 2309 कुल रकबा 16 डी का दाखिल खारिज नहीं किया जाए और जमीन का एलपीसी प्रमाणपत्र नहीं दिया जाए। अपने आवेदन में बताया है कि उनकी 16 डी जमीन खतियानी रैयती है। हिस्सेदारों के बीच जमीन का बंटवारा नहीं हुआ है। जमीन के एक हिस्सेदार ने सभी हिस्सेदारों की जमीन हड़पने के लिए 17 फरवरी 2025 को बरही सब रजिस्ट्री कार्यालय में अपनी पत्नी के नाम 16 डी जमीन रजिस्ट्री कर दिया। मो गयूर, मो नौशाद, मो कुद्दुश, मो जावेद और मो नईम ने एक हिस्सेदार द्वारा बेईमानी से पत्नी के नाम की गई रजिस्ट्री भूमि का दाखिल खारिज नहीं करने और उक्त भूमि का एलपीसी निर्गत नहीं करने की मांग की है।

बिजली को ले सांसद ने अधिकारियों की बात

कटकमसांडी: बिजली की लचर व्यवस्था को लेकर हजारीबाग के लोग परेशान हैं बिजली विभाग की कुव्यवस्था और लगातार बिजली कटौती की समस्या को लेकर जनता त्राहिमाम है ।इन्हीं समस्या को लेकर ग्रामीणों ने हजारीबाग लोकसभा क्षेत्र के सांसद मनीष जायसवाल से शिकायत किया ।शिकायत मिलते ही त्वरित संज्ञान में लेते हुए सांसद मनीष जयसवाल बिजली विभाग के अधिकारी से टेलिफोनिक बात करते हुए बिजली आपूर्ति बाधित न हो इस विषय पे विशेष जोर दिया ।उन्होंने ओर भी कहा कि वर्तमान में हजारीबाग फिटर से चतरा के तीन प्रखंडों के लगभग सैकड़ों गांव में बिजली बहाल होती है जिसके कारण कटकमसांडी के दर्जनों गांव में बिजली आपूर्ति में बाधित होती है उन्होंने और भी कहा कि चोरकारी फीडर से कटकमसांडी में बिजली आपूर्ति सुचारू रूप से देने का मांग किए ।गंभीर नहीं है अगर स्थिति नहीं सुधरी तो आंदोलन करने का मजबूर होंगे।

शिविर रद्द करने के लिए ग्रामीणों ने दिया आवेदन

बड़कागांव। अंचल कार्यालय में 23 और 24 मई को आयोजित होने वाले भूमि मुआवजा भुगतान शिविर के खिलाफ स्थानीय ग्रामीणों ने गहरा विरोध जताया है। अंचल अधिकारी को दिए गए पत्र में ग्रामीणों ने आरोप लगाया है कि बादम कोल परियोजना के लिए न तो विधिवत अधिग्रहण की प्रक्रिया अपनाई गई है और न ही मौजूदा कानूनी प्रावधानों का पालन किया गया है। ग्रामीणों के अनुसार वर्ष 2019 में कंपनी को कोल ब्लॉक हस्तांतरित किया गया था, लेकिन आज भी कंपनी द्वारा 1894 के भूमि अधिग्रहण कानून के अंतर्गत प्रक्रिया चलाई जा रही है, जो कि संविधान व कानूनी दृष्टिकोण से गलत है। उनका कहना है कि भूमि अधिग्रहण से पहले आवश्यक सर्वे, आपत्ति निवारण और सामाजिक प्रभाव आकलन जैसी मूल प्रक्रियाएं पूरी नहीं की गईं। ग्रामीणों ने दावा किया कि मुआवजे के निर्धारण की प्रक्रिया केवल कागजों पर हुई है, जबकि जमीन पर कोई पारदर्शी कार्यवाही नहीं दिखती। ऐसे में शिविर का आयोजन जनहित के विपरीत बताया जा रहा है। बालेश्वर कुमार महतो, इनवीर कुमार महतो, अशिष कुमार, रंजन कुमार, विनय कुमार महतो समेत14 ग्रामीणों ने हस्ताक्षरयुक्त ज्ञापन के माध्यम से अंचल अधिकारी से इस शिविर को अविलंब रद्द करने की मांग की है।

भुरकुंडा में दो वारंटी गिरफ्तार, गये जेल

भुरकुंडा (रामगढ़)। भुरकुंडा ओपी पुलिस ने दो अलग-अलग मामलों में वांछित वारंटियों को गिरफ्तार कर न्यायालय में प्रस्तुत किया। पहले मामले में सीसी 623/22 के वारंटी संजय पांडेय, पिता उमा शंकर पांडेय, साकिन रिवर साइड भुरकुंडा को गिरफ्तार किया गया। वहीं दूसरे मामले में सीसी 510/21 के वारंटी रणविजय सिंह, पिता बलीराज सिंह, साकिन सयाल, भुरकुंडा को भी गिरफ्तार कर न्यायालय भेजा गया।

सिर्फ हेलमेट नहीं, सोच भी बदलिए: श्रवण कुमार

हजारीबाग। जब सड़क पर हर मोड़ पर खतरा हो, तब जागरूकता ही सबसे बड़ा ब्रेक है। गौतम बुद्ध शिक्षक प्रशिक्षण महाविद्यालय, मुकुंदगंज, हजारीबाग में शुरू हुआ दो दिवसीय सड़क सुरक्षा कार्यक्रम इसी सोच के साथ आगे बढ़ा, ताकि हर घर तक सुरक्षित सफर का संदेश पहुंचे। राष्ट्रीय सेवा योजना (एनएसएस) के बैनर तले आयोजित इस कार्यशाला में पहले दिन यातायात थाना प्रभारी श्रवण कुमार ने गहरी बात कही, सड़क सुरक्षा सिर्फ पुलिस की जिम्मेदारी नहीं, ये हर नागरिक का फर्ज है। उन्होंने बताया कि एक्सीडेंट के मामलों में सबसे अधिक मौतें सिर में चोट लगने से होती हैं, और हेलमेट पहनना सबसे बड़ा जीवनरक्षक है। कार्यशाला में सिर्फ नियमों की जानकारी नहीं दी गई, बल्कि यह बताया गया कि ट्रैफिक सिस्टम कैसे एक सामाजिक अनुशासन है। रोड साइन, जेब्रा क्रॉसिंग, गलत दिशा में ड्राइविंग, ट्रिपल राइडिंग, शराब पीकर गाड़ी चलाना और पार्किंग की संस्कृति जैसे मुद्दों पर विस्तार से चर्चा हुई। श्रवण कुमार ने हिट कहा कि जो जीवन बचा सकता है, वह सबसे बड़ा नागरिक है। उन्होंने हजारीबाग में जल्द स्वचालित सिग्नल प्रणाली की बहाली की जानकारी भी दी। अब तक 125 से ज्यादा बुलेट के मॉडिफाइड साइलेंसर जब्त किए जा चुके हैं यह ट्रैफिक विभाग की सक्रियता का उदाहरण है।

दवा के बिना इलाज की विधि फिजियोथेरेपी

फजियोथैरेपी की उपयोगिता सबसे अधिक आर्थोपैडिक व न्यूरोलॉजी में पड़ती है। आर्थोपैडिक के अन्तर्गत हड्डी की सभी बमारियों, अर्थराइटिस, गठिया, स्पांडलाइटिस, लो बैकपेन, स्लिपडिस्क, टेनिस एल्बो, पोस्ट सर्जिकल व प्री-सर्जिकल में भी फिजियोथैरेपी की महत्वपूर्ण भूमिका है। वर्तमान में स्पांडिलाइटिस व स्लिप डिस्क, लो बैकपेन की शिकायत अधिक बढ़ रही हैं। इनमें दर्द अधिक होता है, लेकिन जनता में भी जागरूकता बढ़ रही है इसलिए लोग पेन किलर खाने के बजाय फिजियोथैरेपी करना अधिक उचित समझने लगे हैं।

जीवीएस शास्त्री

प्राचीनकाल से दवाओं के बिना ही शरीर के रोगों की चिकित्सा का प्रचलन है। राजा-महाराजाओं के यहां युध्द के बाद आयी शिथिलता, चोटों व शरीर के अन्य रोगों को ठीक करने हेतु वैद्य व अन्य चिकित्सक रहते थे जो हड्डी बैठाने व अंगों को पुनः कार्य करने योग्य बनाते थे।

रामायण व महाभारत काल में

इस थैरेपी का प्रचलन गांवों व कस्बे में पहले से ही था। जहां जोड़ों में दर्द, घुटनों, कमर, पीठ, कंधे, जांघों, छाती इत्यादि अंगों में दर्द का, मालिश एवं व्यायाम के जरिये उपचार किया जाता था। महाभारत व रामायण काल में भी बड़े-बड़े ऋषि व मुनि भी इस चिकित्सा में पारंगत थे। अंजनी पुत्र हनुमान व विश्वमित्र भी इस विद्या में पारंगत थे, जो युध्द में हुए घायलों को अपने स्पर्श मात्र से ठीक करते थे। श्री हनुमान ने शनि को युध्द में हराने के बाद उसकी फिजियोथैरेपी की थी तथा इसी प्रकार विश्वमित्र ने भी अपने यज्ञ की रक्षा के बाद श्रीराम की फिजियोथैरेपी के बाद उन्हें दिव्य शस्त्रों का ज्ञान दिया था। लंका के सुषेण वैद्य व अन्य राक्षस भी फिजियोथैरेपी के ज्ञान में पारंगत थे। जैसे-जैसे समय बीतता गया, इस विद्या का ह्रास होता चला गया। आधुनिक काल में इस विद्या ने वैज्ञानिक रूप ले लिया है, जिससे युवाओं व युवतियों का रूझान इस ओर बढ़ता जा रहा है।

खेलकूद से जुड़ी समस्याएं खेलकूद से जुड़ी समस्याओं की फिजियोथैरेपी करने वाले विशेषज्ञ इस क्षेत्र में पूरी तरह से सफल होते जा रहे हैं। शरीर को अनेक जटिल बीमारियों जैसे स्पांडिलाइटिस, अर्थराइटिस, साइटिक पेन, स्लिप डिस्क इत्यादि की फिजियोथैरेपिस्ट बड़ी आसानी से सफल चिकित्सा कर रहे हैं।

आज इस पध्दति की बढ़ती उपयोगिता के कारण ही ह्रदय रोग से जुड़ी समस्याओं की चिकित्सा व्यायाम, खान-पान नियंत्रण आदि से की जाने लगी है। बच्चों की बीमारियों में भी फिजियोथैरेपी का पूरी सफलता के साथ प्रयोग किया जा रहा है। फिजियोथैरेपी की उपयोगिता सबसे अधिक आर्थोपैडिक व न्यूरोलॉजी में पड़ती है। आर्थोपैडिक के अन्तर्गत हड्डी की सभी बमारियों, अर्थराइटिस, गठिया, स्पांडलाइटिस, लो बैकपेन, स्लिपडिस्क, टेनिस एल्बो, पोस्ट सर्जिकल व प्री-सर्जिकल में भी फिजियोथैरेपी की महत्वपूर्ण भूमिका है। वर्तमान में स्पांडिलाइटिस व स्लिप डिस्क, लो बैकपेन की शिकायत अधिक बढ़ रही हैं। इनमें दर्द अधिक होता है, लेकिन जनता में भी जागरूकता बढ़ रही है इसलिए लोग पेन किलर खाने के बजाय फिजियोथैरेपी करना अधिक उचित समझने लगे हैं। वहीं न्यूरोलॉजी में भी इसकी एहमियत कुछ कम नहीं है।

नशे पर कंट्रोल

अब फिजियोथैरेपी के जरिये नशे पर कंट्रोल पाना भी आसान हो जायेगा। वैज्ञानिकों ने खासकर सिगरेट के नशेड़ी व्यक्ति को मामूली ट्रीटमेंट से नशे की आदतों को छुड़ाने के लिये टेक्नोलॉजी विकसित की है। लेजर थैरफ्यूटिक प्रणाली के जरिये अमेरिका ने एक स्टाप स्मोकिंग जस्ट 30 मिनट मशीन का आविष्कार किया है। एक्यूपंचर वेस्ट मशीन से मनुष्य के शरीर पर स्पर्श होते ही महज छह मिनट में असर होना शुरू हो जाता है। मशीन की नोव 10 से.मी. त्वचा के अंदर जाकर व्यक्ति के अंदर इंडोरफीन, केमिकल को अप कर देता है, जिससे मनुष्य को लगने वाली सिगरेट की तलब जीरो हो जाती है। चिकित्सा शिक्षा का क्षेत्र रोजगारपरक होने के साथ-साथ एक संतोष भी प्रदान करता है। जिन युवाओं को चिकित्सा क्षेत्र में कार्य करने की अभिलाषा है, उनके लिये फिजियोथैरेपिस्ट एक अच्छा कैरियर हो सकता है। क्योंकि आजकल मेडिकल कॉलेज में प्रवेश लेना ही काफी दुष्कर होता जा रहा है।

प्रातः काल प्रकृति से जुड़ें

फलक फातिमा

प्रकृति से हम हैं, प्रकृति हमसे नहीं है । विश्व में लाखों किस्म के जीव, पेड़-पौधे, पहाड़, नदियां, झील, पोखर, बादल, हवाएं और सागरीय तरंगें प्रकृति के अंग हैं । इन लाखों हिस्सों में से एक हिस्सा अपना यानी मानव समुदाय का भी है । मनुष्य अपने आपको ब्रह्मांड का सबसे समझदार प्राणी मानता है ।इस नाते प्रकृति की रक्षा का सबसे बड़ा दायित्व भी मानव समुदाय पर ही है । कहा भी जाता है प्रकृति रक्षति रक्षिताः । यानी यदि हम प्रकृति की रक्षा करेंगे तो प्रकृति हमारी रक्षा करेगी ।

विकास की आंधी में उड़ान भरने की चाहत के कारण मनुष्य का प्रकृति से जुड़ाव कम हुआ है । प्रकृति की कीमत पर हमने विकास के महल खड़े किए हैं । यह महल आराम तो दे रहे हैं लेकिन सुख और आनंद की प्राप्ति इन महलों में नहीं हो पा रही । प्रकृति का अंग होने के कारण मनुष्य को असली सुख और शांति प्रकृति के सामंजस्य के साथ जुड़ा हुआ है ।

प्रकृति और पर्यावरण की रक्षा के लिए राष्ट्रीय-अंतरराष्ट्रीय स्तर की अनगिनत संस्थाएं अपने-अपने ढंग से प्रयास कर रही है । हमें अपने ढंग से प्रयास करना है । प्रकृति से अपना जुड़ाव बढ़ाकर हम धरती के सच्चे सेवक बन सकते हैं । प्रातः काल प्रकृति से जुड़ने का सबसे माकूल समय है । इस समय प्रकृति के सान्निध्य में मौन का सृजन हो सकता है । मौन की अनुभूति से हमारे बुद्धि-विवेक, स्मरण शक्ति और विचार करने की क्षमता में वृद्धि होती है ।

इसलिए आवश्यक है कि प्रातः काल में हम घर के आरामदायक वातावरण को छोड़कर प्रकृति से जुड़ने के लिए काम करें । आवासीय परिसर में यदि पौधे लगाए गए हैं तो उन्हें सुबह-सुबह पानी देना चाहिए । उसके बाद आसपास के किसी बाग-बगीचे, पार्क या उद्यान में प्रातः भ्रमण करते हुए प्रकृति के प्रति आभार प्रकट करना चाहिए । यदि आपके घर से किसी नदी की दूरी पांच किलोमीटर से कम है, तो प्रातः भ्रमण करते हुए नदी तट तक जाना और नदी के साथ संवाद करना भी एक अच्छी आदत है । नदी के किनारे सुबह का योगाभ्यास और प्राणायाम भी प्रकृति से जुड़ने का एक अच्छा विकल्प है । गांव में रहने वाले लोग प्रातः काल में अपने खेत-खलिहान और बागान का चक्कर लगाते ही हैं । बचपन में मैं भी गांव में रहता था । खेत-खलिहान और बाग-बगीचा में प्रातः भ्रमण प्रायः हर व्यक्ति का सामान्य रूटीन रहता था । गांवों में कमोबेश वैसी स्थिति आज भी बनी हुई है ।

लेकिन शहरी जीवन में समय की कमी को लेकर एक आभासी समस्या पैदा कर दी गई है । आलतू-फालतू के कामों में व्यस्त हो कर हम देर रात तक जागते रहते हैं और सुबह देर देर से बिस्तर छोड़ते हैं । फिर कार्यालय जाने की हड़बड़ी में अपने स्वास्थ्य को दरकिनार कर देते हैं और सुबह का जो समय स्वास्थ्य संवर्द्धन करते हुए प्रकृति के साथ जुड़ाव का होता है, उसे व्यर्थ गंवा देते हैं । हमें इस आदत को बदलना होगा । इलेक्ट्रॉनिक गैजेट या कोई और कार्य हमें अपनी ओर आकर्षित करे, उससे पहले ही हमें प्रकृति से जुड़ जाना है ।

(लेखिका काउंसलिंग और सामाजिक विकास की योजनाओं के प्रति समर्पित हैं।)

नमक-चीनी कैसे बचायें

रश्मि सिंह

बारिश का मौसम हर किसी को अच्छा लगता है। लेकिन इस मौसम में अक्सर किचन में रखी खाने-पीने की चीजें नमी लगने से खराब हो जाती हैं। ऐसी ही चीजों में चीनी और नमक भी शामिल हैं। बरसात में पैदा हुई उमस के कारण चीनी और नमक चिपचिपे हो जाते हैं। ऐसे में इन टिप्स को आजमाकर आप इस समस्या से आसानी से छुटकारा पा सकते हैं।

प्लास्टिक नहीं करें जार का इस्तेमाल-

बरसात शुरू होते ही चीनी को प्लास्टिक के डब्बे से हटाकर कांच के जार में पलट दें। इसके अलावा चीनी निकालते समय हमेशा सूखी चम्मच का ही इस्तेमाल करें। गीली चम्मच चीनी में गांठे पैदा कर सकती है।

चावल-

जार में चीनी या नमक भरने से पहले आप इसमें चावल के कुछ दाने डाल दें। चीनी और नमक के डिब्बे में कपड़े में बांधकर थोड़ा-सा चावल रखें। ऐसा करने से चावल चीनी और नमक में मौजूद एक्स्ट्रा मॉइश्चराइजर सोखकर उन्हें पूरी तरह से सुरक्षित और सूखा हुआ रखता है।

ब्लोटिंग पेपर का इस्तेमाल-

जार में चीनी भरकर रखने से पहले ब्लोटिंग पेपर का उपयोग करें। चीनी को नमी से बचाने के लिए इसे जार में रखने से पहले इसमें ब्लोटिंग पेपर डालें और फिर उसके बाद ही इसमें चीनी भरकर रखें। चावल की तरह ब्लोटिंग पेपर भी एक्स्ट्रा मॉइश्चराइजर को सोक लेता है। बरसात के मौसम में चीनी और नमक ही नहीं बिस्किट, कुकीज और चिप्स भी नरम पड़ जाते हैं। इन चीजों को भी नमी से बचाने के लिए ब्लोटिंग पेपर में लपेटकर और सूखे एयरटाइट डिब्बों में रखें।

लौंग-

बरसात के मौसम में चीनी को नमी से बचाने के लिए आप 5 से 7 लौंग कपड़े में बांधकर भी चीनी के डिब्बे में रख सकती हैं। ऐसा करने से बारिश के मौसम में चीनी में नमी नहीं पड़ेगी।

पिंपल से छुटकारा के उपाय

सुजाता सिंह

पिंपल्स आज के समय की एक आम समस्या है। कई बार तो ये इतना ज्यादा परेशान करते हैं कि एक के बाद एक पिंपल्स से पूरा चेहरा भर जाता है। साथ ही चेहरे पर दाग-धब्बे भी हो जाते हैं। पिंपल्स की समस्या के पीछे कई कारण हो सकते हैं जैसे खराब खान-पान, शरीर में अंदरूनी चीज की कमी, धूल, मिट्टी।

इसके अलावा स्किन को हेल्दी रखने के लिए हेल्दी डाइट भी बहुत मायने रखती है। ज्यादा तेल मसाले के सेवन से पेट सही से साफ नहीं होता जिसके चलते भी पिंपल्स की समस्या हो सकती है। लेकिन धबराएं नहीं अगर आप भी पिंपल्स की समस्या से परेशान हैं तो कुछ आयुर्वेदिक नुस्खों की मदद से इससे छुटकारा पा सकते हैं।

शहद में एंटी बैक्टीरियल गुण होते हैं जो पिंपल्स से छुटकारा दिलाने में मदद कर सकते हैं। रोजाना शहद का सेवन करने से, या शहद को फेस में लगाने से पिंपल्स की समस्या से राहत पा सकते हैं।

ग्रीन टी पीने से शरीर को कई लाभ मिलते हैं। ग्रीन टी को वजन घटाने के लिए काफी फायदेमंद माना जाता है। इसमें एंटी इंफ्लेमेटरी गुण होते हैं जो सूजन और रेडनेस को कम करने में मदद कर सकते हैं। ग्रीन टी के सेवन से पिंपल्स की समस्या को कम किया जा सकता है।इसके लिए आप इसके बैग को ठंडा करके पिंपल्स वाली जगह पर इस्तेमाल कर सकते हैं।

ऐलोवेरा को आयुर्वेद में औषधीय गुणों से भरपूर माना जाता है। ऐलोवेरा को सेहत और सुंदरता दोनों के लिए इस्तेमाल किया जाता है। ऐलोवेरा जूस के सेवन से शरीर के खराब पदार्थों को बाहर निकालने में मदद मिलती है। ऐलोवेरा जूस पिंपल्स की समस्या को दूर करने में मदद कर सकता है।

लो ब्लड प्रेसर से बचाये प्राकृतिक फल, सब्जियां

अन्नू अंबालिका

लो बल्ड प्रेशर के कारण हार्ट, ब्रेन और शरीर के कई जरूरी अंगों के बीच ब्लड सकुर्लेशन में दिक्कत आती है। 120` ल्ॅ से कम और 80` ल्ॅ से ज्यादा ब्लड प्रेशर को सामान्य माना जाता है। नॉर्मल रेंज से कम ब्लड का प्रेशर आपके शरीर के लिए खतरनाक साबित हो सकता है। ऐसे में कई बार चक्कर आना, हाथ-पैरों में झुंझलाहट होना, आंखों के सामने धुंधलापन के अलावा मितली और कमजोरी महसूस होती है। लो ब्लड प्रेशर होने पर घबराना नहीं चाहिए क्योंकि इसे कुछ आसान आयुर्वेदिक नुस्खों को अपनाकर भी नॉर्मल किया जा सकता है। जानिए ऐसे 7 आयुर्वेदिक नुस्खे जिनसे लो ब्लड प्रेशर की समस्या से निजात पाने में मदद मिल सकती है।

लो ब्लड प्रेशर के लक्षण

थकान, डिप्रेशन, जी मचलाना, प्यास लगना, त्वचा में पीलापन, शरीर ठंडा पड़ जाना, आधी-अधूरी और तेज सांस लेना, सीने में दर्द, अनियमित धड़कन, गर्दन अकड़ जाना लो ब?लड प्रेशर सामान्?य लक्षण हैं। अगर ज्यादा लंबे समय तक लो ब्लड प्रेशर की समस्या रही तो उल्टी, बेहोशी, अत्यधिक थकान, कुछ समय के लिए धुंधला या कुछ दिखाई न देना आदि भी इसके लक्षण हैं।

आयुर्वेदिक नुस्खे

अदरकःअदरक के छोटे-छोटे टुकड़े करें, इसमें नींबू का रस और सेंधा नमक मिलाकर एक जार में रख दें। रोजाना इसे थोड़ी-थोड़ी मात्रा में दिन में 3-4 बार खाएं। कुछ ही दिनों में ब्लड प्रेशर नॉर्मल हो सकता है।

टमाटरः टमाटर के रस में काला नमक, काली मिर्च डालकर पिएं। कुछ दिनों के लगातार सेवन से इसका असर दिख सकता है।

चुकंदर का रसः लो ब्लड प्रेशर में चुकंदर का रस काफी फायदेमंद है। रोजाना सुबह शाम इसका जूस पिएं। आपको अंतर दिख सकता है।

खजूर :खजूर को दूध में उबाल लें और रोज पिएं। आप चाहें तो ब्रेकफास्ट में खजूर खा सकते हैं। यह आपके ब्लड प्रेशर को नॉर्मल बनाने में बहुत फायदेमंद है।

दालचीनी :कुछ टुकड़े दालचीनी पानी में उबाल लें और इसे सुबह शाम पिएं। यह लो ब्लड प्रेशर में बहुत काम आता है। छाछ :छाछ में नमक, भूना जीरा, हींग मिलाकर इसका सेवन रोजाना करें। यह आपके ब्लड प्रेशर को सामान्य रखेगा।

आंवलाःआंवला के ताजे रस में अगर आप शहद डालकर खाते हैं तो यह लो ब्लड प्रेशर में काफी फायदा पहुंचाता है। आंवला को आप मुरब्बा या कैंडी के रूप में भी रोजाना खा सकते हैं।

किशमिशः लो ब्लड प्रेशर होने पर किशमिश खाना भी बहुत फायदेमंद होता है। रात में थोड़ा किशमिश भिगो दें और सुबह खाली पेट इसका सेवन करें। इससे लो प्रेशर में लाभ मिलेगा।

गाजरः लो ब्लड प्रेशर कंट्रोल करने में गाजर भी बहुत मदद करता है। गाजर के रस में एक चौथाई पालक का रस मिलाकर पिएं तो यह और भी फायदेमंद बन जाता है।

स्टेट्स सिंबल बनी मॉडयूलर किचन

संतोष

घर का सबसे अहम हिस्सा होता है किचन जो ज्यादा ग्लैमरस और आरामदायक बनाने की कवायद में अब अपग्रेड होकर मॉड्यूलर किचन में कन्वर्ट हो रहा है। इजी-टु-मैनेज और सॉफिस्टिकेटेड मॉड्यूलर किचन हर गृहिणी के टेस्ट व स्टेटस का सिंबल बन चुका है, क्योंकि वह चाहती है कि उसकी किचन में सभी सुविधाएं हों, जिससे उसे खाना पकाने में कोई परेशानी न हो और समय भी कम लगे।

मॉड्यूलर किचन का मतलब है मॉडर्न किचन एप्लायंसिस का ज्यादा से ज्यादा इस्तेमाल। इन एप्लायंसिस के इस्तेमाल से काफी वक्त बच जाता है। मॉड्यूलर किचन में ओपन किचन ज्यादा चलन में है, दीवारों-दरवाजों वाला किचन गायब हो चुका है। जाहिर है, बिल्ट-इन एप्लायंसिस और स्टाइल खुले किचन में ही दिखाया जा सकता है।

बिल्ट-इन कांसेप्ट इसलिए डिमांड में है क्योंकि यह इस तरह डिजाइन की जाती है कि आपका छोटा-सा किचन बहुत बड़ा व आकर्षक लगता है। छोटी जगह में भी ज्यादा सामान आ जाने के कारण यह साफसुथरी भी दिखती है। बिल्ट-इन किचन से अभिप्राय परस्पर संबद्ध एप्लायंसिस से है जो पहले से मौजूद काउंटर टॉप व कैबिनेट आदि में फिट कर दिए जाते हैं।

बिल्ट-इन एप्लायंसिस काम करने के दौरान सुविधाजनक रहते हैं और इससे विभिन्न एप्लायंसिस में तालमेल भी बढ़िया रहता है। जैसे बिल्ट-इन रेफ्रिजरेटर को इस तरह से इंटेग्रेट किया जाता है कि वह किचन के सारे हिस्सों के साथ फिट बैठ जाए। जबकि इंटेग्रेटेड फ्रिज का अपना डोर होगा जो बाहरी फेस के साथ फिट होगा

ताकि यह साथ लगते यूनिट्स से मेल खाए। किचन के साइज और ग्राहक की जरूरत के मुताबिक मॉड्यूलर बनाए जाते हैं, जो कि लेमिनेटेड पार्टीकल बोर्ड से बने होते हैं। ये मजबूत व टिकाऊ होते हैं। इनमें दीमक व कॉकरोच की भी समस्या नहीं होती। साथ ही इसमें सफाई भी आसानी से होती है।इसमें हर बर्तन के लिए निश्चित जगह होती है, जैसे भारी बर्तन के लिए रोलिंग स्टैंड, हल्के बर्तन के लिए अगल स्टैंड। साथ ही सिंक यूनिट एवं बड़े डिब्बों के लिए बड़ी जगह वाली यूनिट एवं छोटे डिब्बों के लिए कम जगह वाली यूनिट।

मॉड्यूलर किचन का कंसेप्ट इसलिए भी काफी पसंद किया जा रहा है क्योंकि जब चाहें आप इसे उखाड़कर कहीं भी दूसरी जगह ले जाकर फिट कर सकते हैं। अगर आप नया अपार्टमेंट ले रहे हैं या किचन को दूसरे किसी रूम में शिफ्ट कर रहे हैं तो आपको दोबारा नया किचन बनाने के लिए पैसे खर्च नहीं करने पड़ेंगे। नई किचन में आपको सिर्फ कुछ बिजली के प्लग और वाटर सप्लाई के प्वाइंट्स की की जरूरत पड़ेगी।

आजकल बिल्ट-इन गैस हॉब लेटेस्ट हाई स्पीड कोक बर्नर टेक्नालोजी के साथ आते हैं। ओवन की भी बिल्ट-इन रेंज चुनी जा सकती है। इसमें मल्टी-फंक्शन ऑप्शन मौजूद हैं। इनसे स्वाद व मौसम के अनुसार बिना ज्यादा प्रयासों के आप मनचाही कुकिंग कर सकते हैं। बड़े परिवारों में बिल्ट-इन ओवन काफी पॉपुलर हो रहे हैं।

महिलाओं के लिये उपयोगी योग और आसन

स्वामी मुक्तरथ

आज हम आपको बताएंगे महिलाओं के लिए कुछ खास आसन जो आपको पीरियड के दर्द में आराम देंगे।

बटरफ्लाई आसनः बटरफ्लाई आसन को तितली आसन भी कहते हैं। महिलाओं के लिए ये आसन विशेष रूप से लाभकारी है। बटरफ्लाई आसन करने के लिए पैरों को सामने की ओर फैलाते हुए बैठ जाएं,रीढ़ की हड्डी सीधी रखें। घुटनो को मोड़ें और दोनों पैरों को योन की ओर लाएं। दोनों हाथों से अपने दोनों पांव को कस कर पकड़ लें. सहारे के लिए अपने हाथों को पांव के नीचे रख सकते हैं। लंबी,गहरी सांस लें, सांस छोड़ते हुए घटनों एवं जांघो को जमीन की तरफ दबाव डालें। तितली के पंखों की तरह दोनों पैरों को ऊपर नीचे हिलाना शुरू करें. धीरे धीरे तेज करें। सांसें लें और सांसे छोड़ें. शुरूआत में इसे जितना हो सके उतना ही करें। धीरे-धीरे अभ्यास बढ़ाएं। उष्ट्रासनः इस आसन को करने ले लिएअपने योग मैट पर घुटने के सहारे बैठ जाएं और कुल्हे पर दोनों हाथों को रखें. घुटने कंधो के समानांतर हो तथा पैरों के तलवे

आसमान की तरफ हो. सांस लेते हुए मेरुदंड को खींचे जैसे कि नाभि से खींचा जा रहा है. गर्दन पर बिना दबाव डालें बैठे रहें. इसी स्थिति में कुछ सांसे लेते रहे. सांस छोड़ते हुए अपने प्रारंभिक स्थिति में आ जाएं. हाथों को वापस अपनी कमर पर लाएं और सीधे हो जाएं।

.उष्ट्रासनः इस आसन को करने ले लिएअपने योग मैट पर घुटने के सहारे बैठ जाएं और कुल्हे पर दोनों हाथों को रखें. घुटने कंधो के समानांतर हो तथा पैरों के तलवे आसमान की तरफ हो. सांस लेते हुए मेरुदंड को खींचे जैसे कि नाभि से खींचा जा रहा है. गर्दन पर बिना दबाव डालें बैठे रहें. इसी स्थिति में कुछ सांसे लेते रहे. सांस छोड़ते हुए अपने प्रारंभिक स्थिति में आ जाएं. हाथों को वापस अपनी कमर पर लाएं और सीधे हो जाएं.

माजारी आसनः मार्जरी आसन एक आगे की ओर झुकने और पीछे मुड़ने वाला योग आसन है. कैट वॉक दुनिया भर में प्रसिद्ध है, लेकिन हम योग आसन वर्ग में कैट पोज के बारे में चर्चा करते हैं. यह आसन आपके शरीर के लिए अनके प्रकार से लाभदायक है. यह आसन रीढ़ की हड्डी को एक अच्छा खिंचाव देता है. इसके साथ यह पीठ दर्द, कमर दर्द और गर्दन दर्द में राहत दिलाता है।

पश्चिमोत्तानासन - सबसे पहले जमीन पर बैठ जाएं. अब दोनों पैरों को सामने फैलाएं. पीठ की मांसपेशियों को ढीला छोड़ दें. सांस लेते हुए अपने दोनों हाथों को ऊपर लेकर जाएं. फिर सांस छोड़ते हुए आगे की ओर झुकें और नाक को घुटने से सटाने की कोशिश करें. धीरे धीरे सांस लें और छोड़ें. फिर पुरानी अवस्था में लौट आएं।

(सत्यानंद योग मिशन रिखिया देवघर के झारखंड प्रभारी हैं।)

गरीबी और शोषण...

साभार कॉर्टूनमूवमेंट

स्पीड न्यूज

प्रो अमलान ने सोना देवी विवि के नये संरक्षक

जमशेदपुर। प्रो डॉ अमलान चक्रवर्ती सोना देवी विश्वविद्यालय के अनुसंधान बोर्ड के नये संरक्षक बनाए गये हैं। प्रो अमलान चक्रवर्ती सूचना प्रौद्योगिकी के क्षेत्र में एक प्रतिष्ठित शिक्षाविद् और शोधकर्ता हैं। ये वर्तमान में कोलकाता विवि के ए के चौधरी सूचना प्रौद्योगिकी स्कूल में निदेशक और प्रोफेसर के रूप में कार्यरत हैं। वह भारतीय प्रौद्योगिकी संस्थान दिल्ली तथा मंडी में सहायक प्रोफेसर के पद पर भी हैं।

ग्रीष्मकालीन संथाली बोर्ड परीक्षा 7 से 15 तक

जादूगोड़ा। असेका का ग्रीष्मकालीन संथाली बोर्ड परीक्षा आगामी तीन दिवसीय होगी जिसमें परीक्षा की तिथि आगामी 7 जून, 8 जून व 15 जून निर्धारित की गयी है। इसके लिए रजिस्ट्रेशन की अंतिम तिथि 30 मई तक निर्धारित की गयी है। यह जानकारी असेका के महासचिव शंकर सोरेन व भुरका ईपिल ओलचिकी ईतुन आसडा के सचिव लोबो मुर्मू ने नरवा पहाड़ में आयोजित संवाददाता सम्मेलन में दी। उन्होंने कहा कि लोअर, हाइयर व मैट्रिक की परीक्षा 7 जून से प्रारंभ होगी उस दिन सुबह 9 बजे पहली पाली में साहित्य व दूसरी पाली में साधारण ज्ञान, दूसरे दिन 8 जून को पहली पाली में सामाजिक विज्ञान, दूसरी पाली में विज्ञान परीक्षा होगी।

नयी शराब नीति को रद करे सरकार : डॉ पवन

जमशेदपुर। एनसीपी युवा मोर्चा के राष्ट्रीय महासचिव सह प्रवक्ता डॉ पवन पांडेय ने झारखंड सरकार के मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन को पत्र लिखकर आग्रह किया है कि जिस प्रकार झारखंड में नयी शराब निति बनायी गयी है। यह झारखंड के आम शराब व्यवसायी के लिए बिल्कुल भी सही नहीं है। इस नीति से शराब माफियाओं को सबसे अधिक लाभ मिलेगा। शराब माफियाओं के हाथ में लगभग झारखंड का पूरा का पूरा ही शराब व्यवसाय चला जायेगा। इसलिए सीएम इसे शीघ्र रद करें।

कोरोना काल में मिला एंबुलेंस हो गया लापता

गम्हरिया। कोरोना काल में गम्हरिया प्रखंड को मिले एंबुलेंस का कहीं पता नहीं चल रहा है। विदित है कि कोरोना के भीषण प्रकोप को देखते हुए जिला प्रशासन को कई एंबुलेंस क्षेत्र के औद्योगिक इकाइयों ने दी थी। वह एंबुलेंस विभिन्न प्रखंडों को सुपुर्द किया गया था। इससे आपातकाल की स्थिति में मरीजों को काफी राहत मिलती थी। इसमें एक एंबुलेंस तत्कालीन डीसी अरवा राजकमल ने गम्हरिया प्रखंड के बीडीओ को भी दिया था। तत्कालीन बीडीओ को एंबुलेंस की चाबी सौंप कर एंबुलेंस रखने को कहा था। शुरुआत में उक्त एंबुलेंस से प्रखंड के लोगों को काफी लाभ मिला, किंतु बाद में लोग वे इसे भूल गये। वर्तमान में वह गायब है। बीडीओ अभय द्विवेदी ने बताया कि एंबुलेंस की खोजबीन की जा रही है।

डीडीसी ने गम्हरिया प्रखंड-अंचल कार्यालय की हकीकज जानी

गम्हरिया। सरायकेला-खरसावां जिले के उप विकास आयुक्त आशीष अग्रवाल द्वारा गुरुवार को गम्हरिया प्रखंड सह अंचल कार्यालय का निरीक्षण किया। इस दौरान उन्होंने प्रखंड और अंचल कार्यालय की उपस्थिति पंजी तथा अन्य संचिकाओं का अवलोकन कर आवश्यक दिशा निर्देश दिया। मौके पर उन्होंने सीओ और बीडीओ को सभी प्रखंड स्तरीय पदाधिकारियों के प्रतिदिन के कार्यों की नियमित समीक्षा, पदाधिकारियों की जवाबदेही तय कर योजनाओं का बेहतर क्रियान्वयन सुनिश्चित करने का निर्देश दिया है।

झारखंड में आदिवासी समाज की माटी और बेटी दोनों असुरक्षित : बाबूलाल मरांडी

- राज्य में घुसपैठियों को संरक्षण दे रही है सरकार : नेता प्रतिपक्ष
- झारखंड भाजपा के प्रदेश अध्यक्ष ने चाकुलिया प्रखंड में फर्जी जन्म प्रमाण पत्र मामले को बताया सुनियोजित साजिश का हिस्सा
- राज्य में 60 वर्षों में आदिवासी आबादी 35.38 से घट कर 26.36 प्रतिशत हो गयी जबकि मुस्लिम 8.9 % से बढ़ कर 14.53% हो गये

खबर मन्त्र ब्यूरो

जमशेदपुर। पूर्वी सिंहभूम जिले के चाकुलिया प्रखंड में फर्जी तरीके से जन्म प्रमाण पत्र बनाना अपने आप में अत्यंत चिंताजनक विषय है। हम सभी लोग शहरों की जनसंख्या वृद्धि को समझ सकते हैं जहां अस्पताल और रोजगार के अवसर होते हैं, वहाँ लोग आकर बसते हैं और उसी आधार पर जन्म प्रमाण पत्र बनते हैं। यह एक स्वाभाविक प्रक्रिया है, जिससे किसी को आपत्ति नहीं होती है। लेकिन यदि चकुलिया जैसे ग्रामीण और अपेक्षाकृत पिछड़े क्षेत्र में अचानक बड़ी संख्या में जन्म प्रमाण पत्र बन रहे हैं, जो यह दर्शाता है कि इसके पीछे कोई बड़ा सुनियोजित प्रयास है। यह प्रशासनिक चूक से कहीं अधिक राजनीतिक या रणनीतिक योजना का संकेत देता है। इसके साथ ही, चाकुलिया का बालीजुड़ी पंचायत जो आदिवासी बहुल क्षेत्र है। जहां संथाल और मुंडा समुदाय का वर्चस्व है, वहां मुस्लिम समुदाय की महिला को मैया सम्मान योजना की राशि दी गयी, जबकि इस पंचायत में एक भी मुस्लिम परिवार नहीं है। उपरोक्त बातें झारखंड भाजपा के प्रदेश अध्यक्ष सह नेता प्रतिपक्ष बाबूलाल मरांडी ने गुरुवार को जमशेदपुर परिसदन में प्रेस वार्ता को संबोधित करते हुए कही। इस दौरान भाजपा प्रदेश मंत्री नंदजी प्रसाद, भाजपा जमशेदपुर महानगर अध्यक्ष सुधांशु ओझा एवं जिला मीडिया प्रभारी प्रेम झा मौजूद रहे।

संवाददाता सम्मेलन को संबोधित करते बाबूलाल मरांडी।

पूर्व मुख्यमंत्री बाबूलाल मरांडी ने बताया कि ऐसे मामलों में मनरेगा और अन्य सरकारी योजनाओं का लाभ भी वही लोग उठा रहे हैं जो वास्तव में उस गाँव या पंचायत के निवासी नहीं हैं, बल्कि फर्जी दस्तावेजों के माध्यम से योजना का लाभ ले रहे हैं। इससे साफ झलकता है कि यह अपने आप में एक गंभीर विषय है, जिसे प्रशासन को गंभीरता से लेना चाहिए।

उन्होंने भारत की जनगणना के आँकड़ों का हवाला देते हुए बताया कि 1951 में आदिवासी आबादी 35.38%, दलित आबादी 8.41%, ईसाई आबादी 4.12%, मुस्लिम आबादी 8.9% और सनातनी (हिंदू सहित) आबादी 87.79% थी; 1991 में आदिवासियों की आबादी घटकर 26.36%, दलितों की आबादी अन्य जातियों के साथ बढ़कर 11.84%, ईसाई आबादी 4.6%, मुस्लिम आबादी 13.85% जबकि सनातनी आबादी घटकर 82.9% रह गई; और 2011 की जनगणना में आदिवासी आबादी और घटकर 26.20%, दलित आबादी 12.80%, ईसाई आबादी 4.30%, मुस्लिम आबादी 14.53% और सनातनी (हिंदू सहित) आबादी 81.17% पर सिमट गई है।

यह बदलाव प्राकृतिक नहीं बल्कि एक योजनाबद्ध प्रयास है, विशेषकर झारखंड में, जहां एक धर्म विशेष की आबादी को बढ़ाने का कार्य फजी जन्म प्रमाण पत्रों और अवैध घुसपैठ के जरिए किया जा रहा है। बाबूलाल मरांडी ने चिंता जताई कि बांग्लादेश जैसे देशों से लोग मालदा, मुर्शिदाबाद आते हैं फिर झारखंड राज्य में अवैध तरीके से घुसपैठ कर रहे हैं। पहले यह पूर्वोत्तर में दिखा और अब झारखंड जैसे राज्यों में जनसंख्यिकीय संतुलन को बिगाड़ रहा है।

...और क्या बोले बाबूलाल : श्री मरांडी ने कहा कि पहलगाम घटना के बाद भारत सरकार ने सभी राज्यों को पत्र भेजकर निर्देशित किया कि वे प्रत्येक जिले में एक समिति गठित करें, जो बांग्लादेशी और रोहिंग्या जैसे अवैध घुसपैठियों की पहचान कर उन्हें देश से बाहर करने की प्रक्रिया सुनिश्चित करें। लेकिन दुर्भाग्यवश, झारखंड सरकार इस दिशा में अब तक कोई ठोस कदम उठाती नहीं दिख रही है, जो गंभीर चिंता का विषय है। इसके उलट, फर्जी दस्तावेजों के आधार पर ऐसे लोगों को आधार कार्ड, जन्म प्रमाण पत्र और सरकारी योजनाओं का लाभ मिल रहा है। उदाहरण : साहेबगंज, राजमहल, उधवा जैसे इलाकों में बांग्लादेशी घुसपैठियों को एक सुनियोजित तरीके से जारी किये गये, जिससे साफ जाहिर होता है कि यह राज्य को एक धर्मशाला बना देने की सुनियोजित साजिश चल रही है। बाबूलाल मरांडी ने कहा कि राज्य में हेमंत सोरेन के मुख्यमंत्री बनने के बाद भ्रष्टाचार में अप्रत्याशित वृद्धि हुई है। बिना प्रशासनिक मिलीभगत के इस प्रकार की लूट संभव नहीं है। आईएएस विनय चौबे की गिरफ्तारी भी इसी व्यापक भ्रष्टाचार का हिस्सा है, जिसकी शुरुआत 2022 में हुई जब शराब दुकानों के ठेकों को लेकर मनमाफिक कंपनियों को अनुचित लाभ दिया गया। 19 अप्रैल 2022 को मैंने स्वयं राज्य के मुख्यमंत्री को पत्र लिखकर चेतावनी दी थी कि घोटाले की संभावना है। लेकिन उस चेतावनी को नजरअंदाज कर सरकार ने अपने मनमाफिक प्लेसमेंट कंपनियों को ठेके दिए। फिर 2024 में शराब घोटाले की गूंज छत्तीसगढ़ में सुनाई दी, और 27 सितंबर 2024 को वहां प्रेस में खुलासे के बाद एसीबी ने झारखंड के अक्टूबर में एफआईआर दर्ज की। छत्तीसगढ़ सरकार ने सीबीआई को भी जांच सौंपी, जिससे स्पष्ट है कि जांच की कड़ी झारखंड तक जायेगी और झारखंड के मुख्यमंत्री की संलिप्तता भी उजागर होगी।

टाटानगर कलिंगानगर की उत्पादन क्षमता अब बढ़कर आठ मिलियन टन

- 27000 करोड़ की लागत से पांच मिलियन टन अतिरिक्त उत्पादन क्षमता बढ़ी
- ओडिसा के सीएम मोहन चरण माझी ने एमडी व सीईओ टीवी नरेंद्रन की उपस्थिति में उद्घाटन
- ऑटोमोटिव, इंफ्रास्ट्रक्चर, बिजली, जहाज निर्माण और रक्षा क्षेत्र के लिए बनेगा उच्च शक्ति वाला स्टील
- दूसरे चरण के विस्तार के साथ, ओडिशा टाटा स्टील के लिए सबसे बड़ा निवेश गंतव्य बन गया : नरेंद्रन

विशेष संवाददाता

भुवनेश्वर/जमशेदपुर। ओडिशा के मुख्यमंत्री मोहन चरण माझी ने आज विस्तारित टाटा स्टील कलिंगनगर (टीएसके) संयंत्र का उद्घाटन किया, जिससे कच्चे इस्पात की क्षमता 3 से 8 मिलियन टन प्रति वर्ष (एमटीपीए) हो गई।

उद्घाटन समारोह जाजपुर जिले के कलिंगनगर संयंत्र में राज्य के वरिष्ठ नेताओं, स्थानीय समुदाय के सदस्यों, टाटा स्टील के सीईओ और एमडी टी.वी. नरेंद्रन और वरिष्ठ नेतृत्व के अन्य सदस्यों की उपस्थिति में आयोजित किया गया। इस अवसर पर ओडिशा सरकार के सहकारिता, हथकरघा, कपड़ा और हस्तशिल्प मंत्री श्री प्रदीप बाल सामंत, ओडिशा सरकार के उद्योग, कौशल विकास और तकनीकी शिक्षा मंत्री श्री संपद चंद्र स्वैन और जाजपुर के सांसद डॉ. रवींद्र नारायण बेहरा भी उपस्थित थे।

टाटा स्टील केपीओ के विस्तारित उत्पादन क्षमता के उद्घाटन के बाद सीएम मोहन चरण माझी के साथ टीवी नरेंद्रन और उनके सहयोगी।

विस्तारित अत्याधुनिक सुविधा कंपनी की भविष्य के लिए तैयार इस्पात विनिर्माण पारिस्थितिकी तंत्र के निर्माण की यात्रा में एक महत्वपूर्ण मील का पत्थर है, जो स्थिरता, प्रौद्योगिकी और समावेशी विकास पर आधारित है।

टाटा स्टील के सीईओ और प्रबंध निदेशक टी. वी. नरेंद्रन ने कहा , कलिंगनगर हमारे लिए एक विनिर्माण स्थल से कहीं अधिक है। यह दशार्ता है कि जब समुदाय, सरकार और उद्योग एक साथ काम करते हैं तो क्या संभव है। यह विस्तार ओडिशा की क्षमता में हमारे गहरे विश्वास और इस राज्य के प्रति हमारी दीर्घकालिक प्रतिबद्धता को दशार्ता है। हम माननीय मुख्यमंत्री, ओडिशा के लोगों और भारत सरकार के उनके निरंतर समर्थन के लिए आभारी हैं। साथ मिलकर हम न केवल इस्पात का निर्माण कर रहे हैं, बल्कि एक मजबूत, आत्मनिर्भर भारत का निर्माण कर रहे हैं।

भारत के सबसे आधुनिक और उन्नत एकीकृत इस्पात संयंत्रों में से एक के रूप में टाटा स्टील कलिंगनगर सरकार के आत्मनिर्भर भारत विजन का भी समर्थन करता है, क्योंकि यह रक्षा, ऑटोमोटिव, बुनियादी ढांचे, इंजीनियरिंग, पूंजीगत सामान, तेल और गैस, नवीकरणीय ऊर्जा और जहाज निर्माण जैसे महत्वपूर्ण क्षेत्रों के लिए विश्व स्तरीय इस्पात का उत्पादन कर सकता है। कलिंगनगर में नया ब्लास्ट फर्नेस, 5,870 एम 3 की मात्रा के साथ देश में सबसे बड़ा है, जो लंबे समय तक चलने के लिए अत्याधुनिक सुविधाओं और स्टील बनाने की प्रक्रिया को अनुकूलित करने के लिए पर्यावरण के अनुकूल डिजाइन से लैस है। यह ब्लास्ट फर्नेस भारत में पहली बार चार शीर्ष दहन स्टोव का उपयोग करता है, साथ ही गर्म धातु उत्पादन में इष्टतम विशिष्ट ईंधन खपत के लिए दो प्रीहीटिंग स्टोव भी हैं।

एक नजर में

डा श्यामा प्रसाद मुखर्जी विवि का नाम बदलने के खिलाफ बाबूलाल मरांडी को सौंपा ज्ञापन

जमशेदपुर। एबीवीपी के छात्र नेता बापन घोष के नेतृत्व में एक बंगभाषी प्रतिनिधि दल ने झारखंड के पूर्व मुख्यमंत्री एवं झारखंड विधानसभा के नेता प्रतिपक्ष बाबूलाल मरांडी से भेंट की। प्रतिनिधि दल ने नेताजी सुभाष चंद्र बोस की जीवनी पर आधारित एक पुस्तक उन्हें भेंट की। इस दौरान प्रतिनिधि दल ने राजधानी रांची स्थित डॉ श्यामा प्रसाद मुखर्जी विश्वविद्यालय का नाम बदलने के निर्णय पर गहरी चिंता व्यक्त की। उन्होंने बताया कि राज्य के लगभग 42 प्रतिशत बंग समाज इस निर्णय से अत्यंत आहत, निराश और मर्माहत है। बापन घोष ने कहा कि डॉ मुखर्जी केवल एक राजनेता नहीं, बल्कि शिक्षा जगत में भी असाधारण थे। वे स्वयं विवि के कुलपति रह चुके हैं और शिक्षा को जन-जन तक पहुंचाने के लिए उन्होंने अमूल्य कार्य किया। डॉ रांची स्थित श्यामा प्रसाद मुखर्जी विश्वविद्यालय का नाम हटाना केवल एक राजनीतिक निर्णय है, जो पूरी तरह से अनुचित है। ऐसे महान शिक्षाविद् का अपमान नहीं होना चाहिए। उन्होंने सुझाव दिया कि रांची विश्वविद्यालय का नाम झारखंड के वीर सपूत वीर बुधु भगत जी के नाम पर किया जा सकता है ताकि राज्य की ऐतिहासिक पहचान को सम्मान मिले। साथ ही, उन्होंने यह भी मांग की कि डॉ श्यामाप्रसाद मुखर्जी विश्वविद्यालय का नाम पूर्ववत रखा जाए ताकि उनके योगदान को उचित सम्मान मिलता रहे। प्रतिनिधि दल ने श्री मरांडी से निवेदन किया कि वे इस विषय में पहल करें ताकि विश्वविद्यालय का नाम पुन: डॉ. श्यामाप्रसाद मुखर्जी के नाम पर बहाल किया जा सके। इस प्रतिनिध मंडल में बापन घोष, सोमनाथ घोष, शुभम पात्रो, प्रसेनजीत साव, स्वरूप ओझा, जयदेव, प्रवीर चटर्जी आदि लोग उपस्थित थे।

आम बगान मस्जिद और ईदगाह कमेटी जमशेदपुर के इस्लामिक समर कैंप का समापन

जमशेदपुर। जमशेदपुर शहर में केंद्रीय स्थान रखने वाली आम बागान मस्जिद एवं ईदगाह कमेटी ने मुस्लिम बच्चों के प्रशिक्षण के लिए चार दिवसीय समर कैंप 2025 का आयोजन किया जो 19 मई से शुरू होकर आज बड़ी सफलता के साथ समाप्त हुआ। इस समर कैंप में जमशेदपुर के लगभग 80 बच्चों ने भाग लिया और कमेटी द्वारा चलाए जा रहे कार्यक्रमों से लाभान्वित हुए। इस कैंप में बहुमूल्य एवं विशेषज्ञ शिक्षकों द्वारा प्रशिक्षण कार्यक्रमों के अलावा इस्लामिक क्विज प्रतियोगिता, ड्राइंग प्रतियोगिता जैसे रोचक कार्यक्रम आयोजित किए गए। आज अंतिम दिन समापन समारोह आयोजित किया गया, जिसमें करीम सिटी कॉलेज के प्राचार्य डॉ मोहम्मद रेयाज और विशेष रूप से मस्जिदे रहमान के इमाम एवं खतीब मुफ्ती निशात अहमद और मदरसा हुसैनिया के प्रमुख हाफिज जहूर अकरम ने विशेष अतिथि के रूप में भाग लिया। बच्चों, अभिभावकों व अन्य सामाजिक रूप से जागरूक व्यक्तियों से भरी हुई सभा को संबोधित करते हुए डॉ. मोहम्मद रेयाज ने कहा कि इस्लाम सिर्फ इबादत के तरीकों तक सीमित नहीं है, बल्कि यह एक संपूर्ण जीवन पद्धति है, जो ज्ञान और सेवा भावना से सजी है। इस समर कैंप के माध्यम से हमारे बच्चों को जो प्रशिक्षण दिया जा रहा है, वह निश्चित रूप से देश और समाज के लिए लाभकारी सिद्ध होगा। मुफ्ती निशात अहमद व हाफिज जहूर अकरम ने भी इस्लाम की रोशनी में कहा कि मौजूदा दौर में इस तरह के प्रशिक्षण शिविरों का बहुत महत्व है। अगर हम इस सिलसिले को बढ़ावा देंगे, तो निश्चित रूप से हमारी आने वाली पीढ़ियां अपने दौर की समस्याओं को समझ सकेंगी और देश व राष्ट्र के कल्याण व विकास में सहायक होंगी।

गीता थिएटर और रॉबिन हुड आर्मी का स्पेशल समर कैंप गांधी आश्रम, बाराद्वारी में 26 से

जमशेदपुर। गुरुवार को लौहनगरी जमशेदपुर नाट्य ट्रस्ट गीता थिएटर एवं रॉबिन हुड आर्मी जमशेदपुर के संयुक्त तत्वावधान से आयोजित होने वाले स्पेशल समर कैम्प चैप्टर 3 का पोस्टर लांच किया गया। पोस्टर लांच कार्यक्रम में जिला कुष्ठ निवारण कार्यालय, पूर्वी सिंहभूम- जमशेदपुर में जिला कुष्ठ निवारण पदाधिकारी डॉ मृत्युंजय धवड़िआ, जिला कुष्ठ परामर्शी डॉ राजीव लोचन महतो एवं अपाल इंडिया के उपाध्यक्ष श्री जवाहर राम पासवान के द्वारा किया गया था। स्पेशल समर कैंप में 26 मई से 31 मई 2025 तक प्रतिदिन सुबह 07 बजे से 10 बजे तक कुष्ठ परिवारों वाली बस्ती गांधी आश्रम बाराद्वारी साकची में आयोजित होना निर्धारित है। गीता थिएटर की अध्यक्ष गीता कुमारी ने बताया कि यह समर कैंप कुष्ठ परिवारों के बच्चों के लिए आयोजित होने वाला झारखंड का पहला स्पेशल समर कैंप है जिसमें शहर के निम्न-मध्यवर्गीय एवं कुष्ट परिवारों के विषेश बच्चों के हिस्सा लेंगे जो पूरी तरह नि:शुल्क होगा। इस स्पेशल समर कैंप में बच्चों को ड्रामा, डांस, संगीत, चित्रांकन, मजेदार खेल के साथ स्वास्थ्य- स्वच्छता, गुड टच बैट टच एवं नागरिक सुरक्षा, आत्मा रक्षा हेतु मार्शल आट्र्स की जानकारी दिया जाएगी। इस समर कैंप को आयोजित करने का उद्देश्य निम्न -मध्यवर्गीय एवं कुष्ट परिवारों के बच्चों को मुख्य धारा से जुड़ते हुए उन्हें नैतिक मूल्यों को शिक्षा प्रदान करना, सामाजिक गतिविधियां, हिंसा एवं नशापान को जीवन से दूर रखने के लिए जागरूक करना है तथा इस वर्ग में छुपे प्रतिभा को पहचान कर निखारें हुए मंच प्रदान करना भी है। इस नि:शुल्क स्पेशल समर कैंप को आयोजित करने मे सहायता हेतु गीता थिएटर ने शहर के सुप्रसिद्ध व्यक्तिओं, संस्थान एवं व्यापारिक- औद्योगिक घरानों से सहायता के लिए आग्रह किया।

बीती रात आंधी के साथ तेज बारिश ने राजदोहा में मचायी भारी तबाही

खबर मन्त्र प्रतिनिधि

जादूगोड़ा। बीती रात आंधी के साथ आयी तेज बारिश ने राजदोहा में भारी तबाही मचायी। इधर, इस हादसे में 11 हजार के बिजली पोल व विशालकाय पेड़ उखड़ दिगंबर हांसदा की एस्बेस्टस की छत को तोड़ अंदर घुस गया। इस हादसे में दिगंबर हांसदा समेत उसका परिवार बाल-बाल बच गया। घटना की सूचना पाकर क्षेत्र की मुखिया अनीता मुर्मू, जिला परिषद हिरण्यमय दास व भाजपा नेता लव सरदार ने घटना स्थल का दौरा कर पीड़ित परिवार दिगंबर हांसदा, भूटी सरदार व गिडू सरदार से मिले

व झारखंड सरकार से पीड़ित परिवार की जल्द मुआवजा देने की मांग की अन्यथा आंदोलन चलाने की चेतावनी दी है। इस मौके पर उन्होंने पोटका विधायक संजीव सरदार के दावे की पोल खोली व निशाना साधा। उन्होंने कहा कि सामने गांव का तालाब था शुक्र है कि बिजली के पोल तालाब में नहीं गिरे अन्यथा बड़ा हादसा से इनकार नहीं किया जा सकता।

मानगो पेयजल परियोजना और कानून व्यवस्था को लेकर जदयू ने दिया धरना

- मानगो के 75 फीसद घरों में नहीं आ रहा है पानी : राय

खबर मन्त्र ब्यूरो

जमशेदपुर। जद यू की ओर से विधायक सरयू राय के नेतृत्व में आज डीसी ऑफिस पर मानगो जलापूर्ति योजना की बदहाली और शहर की गिरती विधि-व्यवस्था के खिलाफ धरना दिया गया।

धरना कार्यक्रम को संबोधित करते हुए विधायक सरयू राय ने कहा कि मानगो पेयजल परियोजना में 125 करोड़ से अधिक खर्च हुआ लेकिन आज मानगो के 75% घरों में पानी नहीं आ रहा। केवल एक मोटर को छोड़कर आज इनके इंटकवेल के सभी मोटर धराशायी हो गए हैं। वॉटर ट्रीटमेंट प्लांट का भी मोटर जला हुआ है। टंकियों के मोटर जले हुए हैं। घरों में पानी नहीं आ रहा। लोग परेशान हैं। ऐसी स्थिति में पिछले 4 महीने में उन्होंने पेयजल और स्वच्छता विभाग के कार्यपालक अभियंता और नगर निगम के उप नगर आयुक्त से लेकर रांची में विभाग के मंत्री, सचिव सहित तमाम अधिकारियों से इस संबंध में बात की।

धरना कार्यक्रम पर प्रशासन के खिलाफ नारेबाजी करते जद यू विधायक सरयू राय व उनके समर्थक।

सिंहभूम चैम्बर के प्लेटिनम जुबिली समारोह उद्घाटन स्थल लोयला स्कूल परिसर का डीसी व एसपी ने किया निरीक्षण

खबर मन्त्र ब्यूरो

जमशेदपुर। सिंहभूम चैम्बर ऑफ कॉमर्स एंड इंडस्ट्री के प्लेटिनम जुबिली समारोह का उद्घाटन समारोह आगामी 25 मई को लोयला स्कूल के फेसी ऑडिटोरियम में होगा। इस कार्यक्रम के व्यवस्थित आयोजन के लिये सिंहभूम चैम्बर पूरी तरह प्रयासरत है।

आज इस कार्यक्रम के आयोजन स्थल का जायजा लेने जिले के उपायुक्त अनन्य मित्तल, भा.प्र.से., आरक्षी अधीक्षक (ग्रामीण) ऋषभ गर्ग, भा.पु.से., सिटी पुलिस अधीक्षक शिवाशीष कुमार, भा.पु.से., एडीएम लॉ एंड ऑर्डर अनिकेत सचान, भा.प्र.से., डीटीओ धनंजय कुमार, अनुमंडलाधिकारी श्रीमती शताब्दी मजुमदार, भा.प्र.से., जेएनएसी के उप नगर आयुक्त कृष्ण कुमार, पुलिस उपाधीक्षक पीसीआर मनोज ठाकुर, बिष्टुपुर थाना प्रभारी उमेश ठाकुर उपस्थित थे। यह जानकारी मानद महासचिव मानव केडिया ने संयुक्त रूप से दी।

पंचायत भवन निर्माण कार्य का पोटका विधायक संजीव ने किया शिलान्यास

खबर मन्त्र ब्यूरो

जमशेदपुर। जमशेदपुर प्रखंड अंतर्गत उत्तरी करनडीह में गुरुवार को पंचायत भवन निर्माण कार्य का विधिवत शिलान्यास पोटका विधायक संजीव सरदार ने किया। शिलान्यास समारोह को संबोधित करते हुए विधायक संजीव सरदार ने कहा, यह पंचायत भवन सिर्फ ईंट और पत्थरों की इमारत नहीं, बल्कि हमारे क्षेत्र की सामाजिक, प्रशासनिक और विकासात्मक आकांक्षाओं का प्रतीक है। उन्होंने कहा कि इस भवन के माध्यम से पंचायत स्तर की बैठकों, सरकारी योजनाओं के संचालन और ग्रामीणों की समस्याओं के समाधान में तेजी आयेगी। विधायक श्री सरदार ने भरोसा दिलाया कि झारखण्ड सरकार ग्रामीण क्षेत्रों के सर्वांगीण विकास हेतु पूरी तरह संकल्पबद्ध है। आने वाले समय में और भी कई परियोजनाएं शुरू की जायेंगी।

कभी काली राख का पहाड़ था कैलाश टॉप, अब जुबिली पार्क की तरह लहलहा रहा

- टाटा स्टील के अदम्य साहस से प्रकृति के साथ सामंजस्य में निखरा फ्लाई ऐश माउंटेन कैलाश टॉप

खबर मन्त्र ब्यूरो

जमशेदपुर। पूरा विश्व प्रकृति के साथ सामंजस्य और सतत विकास के विषय पर अंतर्राष्ट्रीय जैव विविधता दिवस मना रहा है, टाटा स्टील ने गम्हरिया में अपनी परिवर्तनकारी कैलाश टॉप पहल के जरिए पर्यावरण संरक्षण और संवर्धन में एक प्रेरणादायक मिसाल पेश की है।

पहले 30 एकड़ के वीरान राख के टीले के रूप में पहचाना जाने वाला यह स्थल अब एक समृद्ध जैव विविधता पार्कमें बदल चुका है- यह उस दृष्टिकोण का प्रभावशाली उदाहरण है जहां औद्योगिक जिम्मेदारी पर्यावरण संरक्षण के साथ सामंजस्य बैठाकर काम करती है। राख को साइट से बाहर ले जाने की बजाय, टाटा स्टील ने एक सस्टेनेबल और मूल्य संवर्धन वाली रणनीति अपनायी है: इस कचरे को स्थिर कर उसे हरित क्षेत्र में परिवर्तित किया गया।

कभी छाई का पहाड़ था कैलाश टॉप, लेकिन अब यह पूरी तरह मनोहारी पार्क का रूप ले चुका है।

छह महीनों की अवधि में, कई विभागों की टीमों ने मिलकर इस टीले को जीवन देने का कार्य किया। क्षेत्र और आस-पास के समुदायों को वर्षा जल के बहाव से सुरक्षा देने के लिए एक सावधानीपूर्वक डिजाइन किया गया जल निकासी और गारलैंड प्रणाली स्थापित की गयी। इसके बाद, 3,000 वर्ग फुट क्षेत्र में मियावाकी पद्धति के तहत 26 देशी झाड़ियों, घासों और अधस्तरीय पौधों की प्रजातियों का रोपण किया गया, जिससे एक आत्मनिर्भर पारिस्थितिकी तंत्र का निर्माण हुआ।

खास बातें : 25,000 पौधों और झाड़ियों के साथ शुरू हुआ इस पार्क का हरित आवरण तेजी से बढ़कर अब 32,000 से अधिक पौधों तक पहुँच चुका है-जो कि परियोजना के प्रारंभिक लक्ष्य से भी ऊपर है। अब इस संख्या को 40,000 तक बढ़ाने की योजना बनाई जा रही है, जिससे टाटा स्टील के सभी औद्योगिक क्षेत्रों में राख के टीले के पुनर्वास के लिए एक सफल और दोहराने योग्य मॉडल तैयार हो सके। केवल एक हरा-भरा क्षेत्र नहीं, कैलाश टॉप स्थानीय जैव विविधता के लिए एक संरक्षित आश्रय बन चुका है और वन्यजीवों के लिए एक महत्वपूर्ण हरित क्षेत्र भी प्रदान करता है। यह समुदाय के लिए एक जीवंत और सजीव प्राकृतिक ठिकाना है, जो औद्योगिक वातावरण के बीच भी प्रकृति की सुंदरता और संतुलन को बनाए रखने का उदाहरण है। यह सिद्ध करता है कि उद्योग और प्रकृति न केवल सहअस्तित्व कर सकते हैं, बल्कि मिलकर फल-फूल भी सकते हैं।

स्पीड न्यूज

सघन जांच अभियान में 15 वाहन जब्त

मेदिनीनगर। ट्रैफिक प्रभारी समाल अहमद ने शह के छह मुहान पर सघन जांच अभियान चलाया। इस दौरान चार पहिया एवं दोपहिया वाहनों की जांच की गयी। जांच में 15 बाइक जब्त किये गये। 22 मई को जिला परिवहन कार्यालय पलामू से 12 बाइकों की चालान फाइन राशि 18,306 रुपये, 07 ई रिक्शा की चालान फाइन राशि 10,050 रुपये आया है। टोटल चलान फाइन राशि 28,356 रुपये आया है।

पाटन क्षेत्र में अवैध शराब की बिक्री धड़ल्ले से, प्रशासन बेखबर

पाटन पलामू। पाटन क्षेत्र समेत आसपास के गांवों शराब की बिक्री धड़ल्ले से की जा रही है। लेकिन पुलिस प्रशासन बेखबर है। लोग इसके शिकार हो रहे हैं। शराब से कई लोगों की जान जा चुकी है। इसके पहले भी कई लोगों ने शराब के नशे में धुत होकर अपनी जान दे दी है लेकिन शराब माफिया पर कार्रवाई नहीं किया जाता है। किशुनपुर तथा आसपास के गांवों में देशी विदेशी अवैध शराब किराना दुकान एवं गुमटी में रखकर निर्भीक होकर बेचा जाता है। समाजसेवी बलराम उपाध्याय सहित कई लोगों ने अविलंब बिक रहे अवैध शराब को बंद कराने की मांग प्रशासन से की है।

भागवत कथा सुनने से जीवन की व्यथा दूर होती है : किंकर महाराज

सतबरवा पलामू। लहलहे में आयोजित सात दिवसीय श्रीमद् भागवत कथा के तृतीय दिवस भागवत कथा के रसपान में काशी से पधारे हुए श्री श्री 108 परम पूज्य मारुति किंकर जी महाराज के मुखारविंद से लहलहे और अगल-बगल के गांवों से पधारे हुए भागवत प्रेमियों ने विपरीत मौसम के बावजूद श्रीमद् भागवत कथा का रसपान किया। मंचासीन श्री किंकर जी महाराज ने कथा में महाभारत और भगवान भोलेनाथ की अमरकथा प्रसंग के जरिए श्रद्धालुओं को भक्ति की धारा में बहने का सौभाग्य दिया। कहा कि जिस प्रकार एकाएक इंद्रदेव ने अपना स्वरूप बदला था उसको देख एकपल लगा कि कथा नहीं हो पायेगी परंतु आप सभी के समर्पण और भागवत भगवान की कृपा ने इसे पूर्ण किया। आयोजक विवेकानंद त्रिपाठी ने बताया कि कथा के चतुर्थ दिवस में महाराज जी के आदेशानुसार श्रीकृष्ण जन्मोत्सव मनाया जाना है जिसमें भारी संख्या में श्रद्धालुओं की उपस्थिति प्रार्थनीय है। दूर दूर से आए भक्तजनों ने भक्ति की बह रही बयार में अपने आप को भाव विभोर किया।

अभाविप ने जीएलए कॉलेज के प्रभारी प्राचार्य को सौंपा ज्ञापन

मेदिनीनगर (अजीत दूबे)। अखिल भारतीय विद्यार्थी परिषद ने गणेश लाल अग्रवाल कॉलेज के प्राचार्य से मिलकर जीएलए कॉलेज अध्यक्ष किसलय दुबे के नेतृत्व में विभिन्न शैक्षिक समस्याओं को लेकर ज्ञापन दिया गया। परिषद ने ज्ञापन से कॉलेज में चारों तरफ फैली गंदगी की सफाई, प्रतिदिन पुस्तालय में हिंदी-अंग्रेजी अखबार मंगाने, पुस्तकालय में नये पाठ्यक्रम के अनुसार पुस्तक उपलब्ध कराने, सभी कक्षा में सारी इलेक्ट्रॉनिक उपकरण ठीक कराने, सभी विभागों की कक्षा नियमित संचालित कराने की मांग की। शिक्षकविहीन विभागों में शिक्षक की कमी पूरा कराने को कहा। साथ ही सभी विभाग निर्धारित समय पर खुले तथा बंद हो। परिषद 15 दिनों के अंदर कार्रवाई की मांग करती है, मांगें पूरी नहीं होने पर आंदोलन किया जायेगा। मौके पर नगर सह मंत्री कौशल मिश्रा, कॉलेज मंत्री चितेश पांडेय, सह मंत्री हर्ष राज पांडेय, आकाश वर्मा आदि भी थे।

नशे में धुत्त मजदूर ने लगा ली फांसी

पाटन पलामू। थाना के बरहीहा निवासी योगेंद्र भुइयां (35) पिता कुलदीप भुइयां ने फांसी लगाकर आत्महत्या कर ली। जानकारी के अनुसार योगेन्द्र बुधवार की रात नशे में धुत होकर अपने घर आया और सोने गया। सुबह में परिजनों ने उसे फंदे से लटका पाया। जिसके बाद किशुनपुर ओपी को सूचना दी। ओपी प्रभारी निलेश कुमार ने घटनास्थल पहुंच शव को पोस्टमार्टम के लिए सदर अस्पताल भेज दिया। मृतक एकलौता था, उसकी दो पुत्री हैं। वह मजदूरी कर भरण पोषण करता था।

घनी आबादी वाले क्षेत्र से पार किया जा रहा 1.32 लाख हाई वोल्ट का तार

विश्रामपुर (पलामू)। झारखंड ऊर्जा संचरण (बिजली विभाग) बिश्रामपुर नप मुख्यालय के बरसैता टोला की घनी आबादी वाले क्षेत्र से एक लाख 32 हजार हाई वोल्ट का तार पार करा रहा है। जिसका ग्रामीण विरोध कर रहे हैं। संभावित दुर्घटना से आशंकित ग्रामीणों ने इस संबंध में पलामू उपायुक्त को हस्ताक्षरयुक्त पत्र देकर तत्काल कार्य रुकवाने का आग्रह किया है। मालूम हो कि शहरी व घनी आबादी वाले क्षेत्र से हाई वोल्ट तार पार करना कानूनी रूप से अवैध है। बावजूद विभाग का ठेकेदार जबरन घरों के ऊपर से हाई वोल्ट का तार पार करने पर आमादा है। विभाग तार पार कराने के लिए पहले सर्वे कराया था। जिसके अनुसार पांडेपुर गांव के किनारे टावर खड़ा कर तार पार करना था। लेकिन ठेकेदार पूर्व के सर्वे को ताक पर रख मनमाने तरीके से बरसैता टोला से तार पार करने पर अड़ा हुआ है। उपयुक्त को दिये आवेदन में ग्रामीणों ने कहा है कि ठेकेदार जहां से तार पार कर रहा है, वहां दर्जनों लोगों का घर है। सभी घर रैयती जमीन में बने हुए हैं। जिसमें कई पीढ़ियों से लोग सपरिवार रह रहे हैं। हाई वोल्ट तार पार होने से जानमाल का खतरा होगा। ग्रामीणों ने इससे पहले ऊर्जा संचरण के प्रमंडलीय प्रबंधक व अधीक्षण अभियंता को भी आवेदन दिया था। लेकिन अभी तक कोई कार्रवाई नहीं हुई। आवेदन पर अर्जुन महतो, मोती महतो, सुनील महतो, उपेंद्र मेहता, श्रवण मेहता, ओमप्रकाश मेहता, प्रवीण कुमार, आशुतोष मेहता, संजय महतो, कृष्णा मेहता, दिलीप मेहता, प्रदीप महतो, रेखा देवी भी थे।

मार्श की तूफानी पारी से लखनऊ जीती

एजेंसी

अहमदाबाद। इंडियन प्रीमियर लीग 2025 का 64वां मैच गुजरात टाइटंस (जीटी) को लखनऊ सुपरजायंट्स (एलएसजी) ने 33 रनों से हरा दिया। नरेंद्र मोदी क्रिकेट स्टेडियम खेला गया। टॉस गुजरात के कप्तान शुभमन गिल ने जीता और पहले गेंदबाजी करने का फैसला किया। लखनऊ ने मैच में पहले बल्लेबाजी करते हुए बोर्ड पर 235 रन का बड़ा स्कोर लगाया।

लखनऊ ने 20 ओवर में 2 विकेट खोकर 235 रन बनाये। 236 रनों का लक्ष्य ले कर गुजरात टाइटंस की टीम ने 16 ओवर में तीन विकेट पर 182 रन बना लिये हैं। अब 24 बॉल पर 54 रनों की जरूरत है। शेरफेन

आइपीएल : लखनऊ ने गुजरात को हराया

रदरफोर्ड और शाहरुख खान पिच पर हैं। दोनों फिफ्टी पार्टनरशिप कर चुके हैं। जोस बटलर 33 रन बनाकर आउट हुए। उन्हें आकाश सिंह ने बोल्ड कर दिया। शुड्ढामन गिल (35 रन) को आवेश खान और साई सुदर्शन (21 रन) को विल ओरुर्के ने कैच आउट कराया।

मार्श की तूफानी पारी: मिचेल मार्श ने गुजरात टाइटंस के खिलाफ कमाल की सेंचुरी ठोक दी। इस मुकाबले में मार्श ने राशिद खान के एक ओवर में 6, 4, 6, 4, 4, मचाया ऐसा धूम धड़ाका। मिचेल मार्श के सामने बॉलिंग ड्डूल गये राशिद खान। यह आईपीएल इतिहास में मार्श का पहला शतक है। इस ओवर की एक भी गेंद को मार्श ने डिफेंसिव अंदाज में नहीं खेला और राशिद के खिलाफ उन्होंने जमकर अटैक किया। ऑस्ट्रेलिया के इस ऑलराउंडर ने लखनऊ की पारी के 12वें ओवर में राशिद खान पर हमला बोला। 40 गेंदों में 59 रन बनाकर खेल रहे थे। तभी राशिद अपना पहला ओवर डालने आये। लखनऊ के ओपनर ने राशिद को बिल्कुल भी जमने नहीं दिया। उन्होंने ओवर में 5 बाउंड्री लगायी। पहली ही गेंद पर मार्श ने काउ कॉर्नर पर छक्का मारा। अगली गेंद पर उन्होंने कवर के ऊपर से चौका जड़ा। तीसरी गेंद पर उन्होंने लॉन्ग-ऑफ पर छक्का मारा।

चौथी और पांचवीं गेंदों पर मार्श ने दो और चौके मारे। आखिरी गेंद पर उन्होंने एक रन लिया। वहीं 56 रन निकोलस पूरन के बल्ले से निकले। लखनऊ की टीम प्लेऑफ की रेस से बाहर चुकी है।

टॉप 2 में जा पायेगी गुजरात : गुजरात इस मैच को जीतकर टॉप दो में जगह बनाने की उम्मीद कर रही है। शुभमन गिल की टीम 12 मैचों में 18 अंकों के साथ टॉप पर है। टॉप दो में रहने से गुजराट टाइटंस को फाइनल में पहुंचने के दो मौके मिलेंगे। अगर वे टॉप दो में नहीं आ पाते हैं, तो उन्हें फाइनल में पहुंचने के लिए दो मैच जीतने होंगे। लखनऊ पहले ही टूर्नामेंट से बाहर हो चुकी है, लेकिन वे गुजरात के टॉप दो में पहुंचने की उम्मीदों को झटका दे सकते हैं। उनका भाग्य पहले ही तय हो चुका है।

गुजरात टाप पर: गुजरात के लिए इस सीजन का यह 13वां मैच है। टीम 12 मैचों में से 9 में जीत हासिल कर 18 पॉइंट्स के साथ पहले स्थान पर है। वहीं लखनऊ की टीम प्लेऑफ की रेस से बाहर चुकी है। उसकी कोशिश होगी कि इस सीजन का अंत जीत से करे ।

वैभव जूनियर भारतीय टीम में शामिल, आयुष म्हात्रे कप्तान

24 जून से 23 जुलाई तक इंग्लैंड दौरे के लिए अंडर-19 टीम भारतीय टीम घोषित

एजेंसी

नयी दिल्ली। इंडियन प्रीमियर लीग 2025 में कोहराम मचाने वाले युवा ड्डारतीयों की को बड़ा तोहफा मिला है। उन्हें इंग्लैंड दौरे के लिए ड्डारत की अंडर-19 टीम में चुना गया है। चेन्नई सुपर किंग्स के बल्ले से लोहा मनवाने वाले युवा आयुष म्हात्रे टीम के कप्तान हैं। टीम में वैभव सूर्यवंशी भी शामिल हैं। वैभव ने राजस्थान रॉयल्स के लिए सिर्फ 35 गेंदों में ही शतक ठोक दिया था, जो आईपीएल में किसी भी भारतीय का सबसे तेज शतक का रिकॉर्ड है। इन दोनों खिलाड़ियों ने आइपीएल में अपने नाम का परचम लहराया। बिहार के होनहार खिलाड़ी 14 वर्षीय वैभव सूर्यवंशी टीम में चयन के बाद गुरुवार को इंग्लैंड दौरे पर जाने के लिए पटना

से बेंगलुरू के लिए रवाना हो गये। वैभव बिहार के समस्तीपुर आए हुए थे, जहां उनका परिवार रहता है। यह दौरा 24 जून से 23 जुलाई 2025 तक होगा।

बिहार के लिए गर्व की बात : बेंगलुरू के लिए फ्लाइट पकड़ने के लिए वैभव करीब 4 बजे समस्तीपुर से पटना एयरपोर्ट पहुंचे। उनके साथ उनके पिता और चाचा भी थे। मीडिया कर्मियों ने वैभव से बात करनी चाही, लेकिन वो थैक्यू कहकर आगे बढ़ गये। वैभव के चाचा ने मीडिया से बात की और कहा कि भतीजे की कामयाबी से वो बहुत खुश हैं। बिहार के लिए यह गर्व की बात है। वैभव ने आईपीएल में इतना अच्छा परफॉर्मेंस किया है और आगे भी वह अच्छा करेगा। हम बहुत खुश हैं कि हमारा भतीजा भारतीय टीम का हिस्सा बनने जा रहा है।

भारत का इंग्लैंड दौरा: जूनियर क्रिकेट कमेटी ने इंग्लैंड दौरे के लिए भारत की अंडर-19 टीम का ऐलान किया। यह दौरा 24 जून 2025 से 23 जुलाई 2025 तक चलेगा। इस दौरे में एक 50 ओवर का अड्डयास मैच, पांच यूथ वनडे मैच और इंग्लैंड व19 के खिलाफ दो मल्टी-डे मैच खेले जाएंगे। आयुष म्हात्रे कप्तान हैं तो अभिज्ञान कुंडू उप-कप्तान और विकेटकीपर होंगे। टीम में वैभव सूर्यवंशी, विहान मल्होत्रा, मौल्यराजसिंह चावड़ा, राहुल कुमार, हर्षवंश सिंह (विकेटकीपर) शामिल हैं। उनके अलावा आरएस अंबरीश, कनिष्क चौहान, खीलान पटेल, हेनिल पटेल, युधाजित गुहा, प्रणव राघवेंद्र, मोहम्मद एनाान, आदित्य राणा और अनमोलजीत सिंह शामिल हैं। कुछ खिलाड़ियों को स्टैंडबाय पर रखा गया है। इनमें नमन पुष्पक, डी दीपेश, वेदांत त्रिवेदी, विकल्प तिवारी और अलंकृत रापोल (विकेटकीपर) शामिल हैं।

टीम इस प्रकार है : आयुष म्हात्रे (कप्तान), वैभव सूर्यवंशी, विहान मल्होत्रा, मौल्यराजसिंह चावड़ा, राहुल कुमार, अभिज्ञान कुंडू (उप-कप्तान और विकेटकीपर), हरवंश सिंह (विकेटकीपर), आरएस अंबरीश, कनिष्क चौहान, खिलान पटेल, हेनिल पटेल, युधाजीत गुहा, प्रणव राघवेंद्र, मोहम्मद एनान, आदित्य राणा और अनमोलजीत सिंह। स्टैंडबाय खिलाड़ी-नमन पुष्पक, डी दीपेश, वेदांत त्रिवेदी, विकल्प तिवारी, अलंकृत रापोल (विकेटकीपर)।

सिलेक्शन कमेटी ने कहा-----

यह दौरा युवा खिलाड़ियों के लिए अच्छा अनुभव होगा। इसका मतलब है कि यह दौरा युवा खिलाड़ियों के लिए सीखने का एक अच्छा मौका है। वे इंग्लैंड की परिस्थितियों में खेलने का अनुभव प्राप्त करेंगे।

अमृत मिशन पौधरोपण अभियान के लिए किया गया स्थल निरीक्षण

खबर मन्त्र संवाददाता

हरिहरगंज पलामू। नगर पंचायत क्षेत्र में अमृत मिशन 2.0 योजना के तहत वृक्षारोपण अभियान के पहले चरण की शुरूआत हो चुकी है। यह अभियान नगर विकास एवं आवास विभाग के निदेर्शानुसार ओमेन फॉर ट्री कैंपेन के तहत एक पेड़ मां के नाम अमृत मित्र इनिशिएटिव के अंतर्गत संचालित किया जा रहा है। इसके अंतर्गत चिन्हित स्थानों का गुरुवार को सिटी मैनेजर नजीबुल्लाह अंसारी, जेई नीरज गुप्ता, कुलदीप कुमार तथा स्वयं सहायता समूह के सदस्यों ने निरीक्षण किया। नगर पंचायत द्वारा चिह्नित स्थानों पर स्वयं सहायता समूह के महिलाओं द्वारा स्थल भ्रमण एवं आवश्यक तैयारी प्रारंभ की गयी। इस दौरान ब्लॉक परिसर, सीता +2 उवि परिसर, सीता +2 उवि मैदान, बालिका उवि परिसर, मिडिल स्कूल परिसर तथा मैदान का निरीक्षण किया गया। निरीक्षण में सिटी मैनेजर नजीबुल्लाह अंसारी, जेई नीरज कुमार गुप्ता, कुलदीप कुमार, सीओ विचित्रा कुमारी, सीआरपी साहदा अंजुम, लालमनी कुमारी, रिशु कुमारी आदि उपस्थित थे।

बगैर लाइसेंस, बगैर डिग्री के धड़ल्ले से कर रहे हैं मरीजों का ऑपरेशन

- जांच में कई फर्जी चिकित्सालय के कारनामे हुए उजागर

खबर मन्त्र संवाददाता

हरिहरगंज पलामू। विभागीय निर्देश के आलोक में गुरुवार को शहर में चल रहे फर्जी चिकित्सालय की जांच की गई। प्रभारी चिकित्सा पदाधिकारी डा गोपाल प्रसाद तथा पुलिस निरीक्षक सह थाना प्रभारी चंदन कुमार ने संयुक्त रूप से चिकित्सालय की जांच की। इस दौरान बगैर लाइसेंस, बगैर डिग्री के फर्जी डाक्टरों द्वारा चिकित्सालय चलाए जाने का मामला उजागर हुआ।

बिहार सीमा के समीप चल रहे आनंद क्लिनिक में कई मरीज भर्ती पाये गये। जिनका आपरेशन कर बच्चेदानी

निकाला गया था। परंतु आनंद क्लिनिक के संचालक डॉ वीरेंद्र कुमार सिंह ने जांच टीम को किसी तरह का वैद्य कागजात नहीं होने की बात कही। वहीं इस डा मजहर हुसैन ने भी रजिस्ट्रेशन तथा वैद्य कागजात होने से इंकार किया। इसके अलावा जांच टीम द्वारा आदर्श क्लिनिक तथा स्वास्तिक क्लिनिक की भी जांच की गयी।

मजुदरों के बीच ओआरएस और पानी बोतल बांटा

मेदिनीनगर। पलामू जिला विधिक सेवा प्राधिकार के तत्वावधान में बुधवार को रेलवे स्टेशन व रेडमा में व गुरुवार को सदीक मंजिल चौक पर दैनिक मजदूरों के बीच ओ आर एस व पानी बोतल का वितरण किया गया। जिसमें मुख्य रूप से अधिकार मित्र विनय प्रसाद, अमोद कुमार सिंह, प्रमोद रंजन दास गुप्ता एवं विकास कुमार तिवारी शामिल थे।

रांची में गोदान पुस्तक का लोकार्पण कल : राकेश

मेदिनीनगर। प्रभात प्रकाशन के तत्वावधान में हिन्दी साहित्य भारती, झारखण्ड के प्रांतीय महामंत्री राकेश कुमार रचित व प्रभात प्रकाशन,नई दिल्ली द्वारा प्रकाशित पुस्तक गोदान (काव्य रूपांतरण) का लोकार्पण पद्मश्री बलबीर दत्त द्वारा साहित्यकार डॉ अशोक प्रियदर्शी, डॉ मयंक मुरारी, डॉ राकेश कुमार सिंह और डॉ अरुण सज्जन की उपस्थिति में 24 मई को अपराह्न 3 बजे से रांची रेलवे स्टेशन रोड स्थित प्रभात प्रकाशन के सभाकक्ष में किया जायेगा। जानकारी झारखंड हिंदी साहित्य भारती के महामंत्री राकेश कुमार ने दी। बताया कि पुस्तक लोकार्पण समारोह का संचालन रांची विवि के शोधार्थी विद्यावैभव भारद्वाज करेंगे। मौके पर पलामू, रांची, हजारीबाग, जमशेदपुर, धनबाद, गढ़वा, लातेहार सहित झारखंड के विभिन्न जिलों के शताधिक गणमान्य साहित्यकार व साहित्य प्रेमी उपस्थित रहेंगे।

पुत्र की दहेजमुक्त शादी के लिए शिक्षकों ने रेणु जायसवाल को किया सम्मानित

मेदिनीनगर। डायट में डालटनगंज सदर, हरिहरगंज और हैदरनगर प्रखंड के शिक्षकों का चल रहें हेल्थ ऐंड वैलनेस पांच दिवसीय प्रशिक्षण के अंतिम दिन दहेज प्रथा मॉडुल के संचालन के दरम्यान राजकीय उत्क्रमित मध्य विद्यालय नेउरा चैनपुर की शिक्षिका रेणु जायसवाल को अंग वस्त्र और पुष्पगुच्छ दे कर प्रशिक्षकों के द्वारा सम्मानित किया। एक ओर समाज में दहेज प्रथा जहां सुरसा की तरह अपना मुंह फैला रही है वहीं शिक्षिका रेणु जायसवाल अपने मर्चेंट नेवी में कार्यरत पुत्र शिवम जायसवाल का शादी दहेज रहित किया। यह सम्मान उन्हें जिला साधन सेवियों द्वारा इन्हें इनके इस पहल के लिए दिया गया। मौके पर साधन सेवी राजेश कुमार मिश्र ने कहा कि पढ़े लिखें कमाऊ समाज में अधिक से अधिक दहेज लेना एक सामाजिक स्टेटस का सिम्बल बन गया है। इस भ्रांति को तोड़ने के लिए समाज के ऐसे लोग जो अपने बच्चों का शादी दहेज रहित करते हैं उनका सम्मान गांव, पंचायत, प्रखंड और जिले स्तर पर करने की आवश्यकता है।

मुआवजा के आश्वासन के बाद मृत चालक का शव उठाया गया

खबर मन्त्र संवाददाता

हरिहरगंज पलामू। पिपरा थाना क्षेत्र के घासीखाप स्थित एमवीएस क्रशर प्लांट पर बुधवार को डीजी जेनरेटर में डीजल डालने के क्रम में करंट लगने हुई टैंकर चालक राजेंद्र यादव की मौत की घटना को लेकर गुरुवार को ग्रामीणों में आक्रोश देखा गया। मृतक के शव को रख कर परिजनों ने 15 लाख मुआवजा तथा क्रशर संचालक को घटनास्थल पर बुलाने की मांग करते हुए प्रदर्शन किया। पुलिस लोगों को समझाने का प्रयास करती रही। बाद में क्रशर प्रबंधन द्वारा मुआवजा देने की घोषणा के बाद करीब 20 घंटा बाद शव को उठाया गया। उधर क्रशर संचालक अंजनी कुमार सिंह ने घटना के संबंध में बात करने से परहेज किया।

को-ऑपरेटिव बिल्डिंग में खुली पनशाला

मेदिनीनगर। प्रचंड गर्मी से आम जनजीवन हलकान है। सुदूर ग्रामीण क्षेत्रों से शहर आने वाले आम नागरिकों को पानी के लिए भटकना पड़ता था या फिर बंद बोतल का पानी खरीद कर प्यास बुझाना पड़ता है। मजदूर, रिक्शावान, टेंपो चालक हमेशा सड़क के फेरा लगाते रहते हैं ऐसे में पीने की पानी बड़ी समस्या बनती थी। झारखंड माटीकला बोर्ड के प्रमंडलीय कार्यालय को - ऑपरेटिव बिल्डिंग में पनशाला खोला गया। मौके पर अविनाश देव ने कहा कि पनशाला खुलने से गर्मी में लोगों को पानी के लिए नहीं भटकना पड़ेगा।

परीक्षा देने आये छात्रों ने आपस मे किया गैंगवार

- परीक्षा केंद्र से अमही गांव में ले जाकर की मारपीट
- फिर पिस्टल कमर खोंस कर हैदरनगर थाना को अपराधी होने का किया फोन
- हैदरनगर पुलिस ने देवी धाम से पिस्टल के साथ बरामद कर अस्पताल पंहुचाया

खबर मन्त्र संवाददाता

हुसैनाबाद, पलामू। हुसैनाबाद के नावाडीह निवासी 11 वीं के छात्र सत्यम कुमार सिंह को चार पांच लोगों ने हुसैनाबाद के नहर मोड़ स्थित सरस्वती विद्या मंदिर परीक्षा केंद्र के पास से एक कार

में जबरदस्ती बैठा कर हुसैनाबाद के अम्ही गांव के पास ले गये। वहां सत्यम के साथ जम कर पिटाई कर दी। बाद में उसे हैदरनगर थाना को सूचना देकर देवी धाम हैदरनगर बुलाया और पिस्टल के साथ सत्यम सिंह को पुलिस के हवाले कर दिया। यह कहना है अनुमंडलीय अस्पताल हुसैनाबाद में इलाजरत सत्यम कुमार सिंह का।

सेना के शौर्य, पराक्रम व सम्मान में भाजपाइयों ने निकाली तिरंगा यात्रा

नरेंद्र प्रसाद गुप्ता

हैदरनगर पलामू। भारतीय सेना के द्वारा पाकिस्तान में आपरेशन सिंदूर के माध्यम से पाकिस्तान को धूल चटाने से देशवासी खुश हैं। हैदर नगर शहर स्थानीय मंडल भाजपा अध्यक्ष प्रदीप कुमार सिंह के नेतृत्व मे सैकड़ों भाजपा सदस्यों ने भारतीय सेना के शौर्य, पराक्रम व सम्मान में तिरंगा यात्रा निकाली।

तिरंगा यात्रा में शामिल भाजपा समर्थक।

यात्रा के दौरा सदस्यों ने हाथ में तिरंगा लेकर शहर के सभी गलियों में शिवाला मंदिर से शुरू होकर बाजार चौक मैन रोड, जहवार पथ होते हुए रेलवे गुमटी के पर पहुंचा। मौके पर नुक्कड़ सभा का आयोजन किया गया। भ्रमण के समय भारत माता की जय, वन्देमातरम, भारतीय सेना जिंदा बाद पाकिस्तान मुर्दाबाद के नारे लगाये गये। भाजपा के वरिष्ठ नेता सुधीर कुमार सिंह ने कहा कि हमलोगों को भारत सेना पर गर्व है। भारतीय सेना ने पाकिस्तान में पल रहे आतंकियों को मार गिराया है।

इससे पूरा देश हमारी सेना पर गौरवांवित महसूस कर रहा है। हैदरनगर भाजपा मंडल अध्यक्ष प्रदीप कुमार सिंह ने कहा कि भारत अब आतंकवाद को सहन नहीं कर सकता है यह आपरेशन सिंदूर ने साबित कर दिखाया दिया है। तिरंगा यात्रा में प्रेम संतोष कुमार सिंह, सांसद प्रतिनिधि नरेंद्र कुमार सिंह, संजय कुमार सिंह, वीरेंद्र कुमार सिंह, अजय कुमार गुप्ता, सरयू प्रसाद गुप्ता, अशोक कुमार सिंह, मधु लता रानी, वीरेंद्र सिंह गोलहना सहित दर्जनों लोगों सदस्य शामिल थे।

किसानों को आच्छादित करने के लिए केसीसी प्रचार वाहन रवाना

खबर मन्त्र संवाददाता

चैनपुर पलामू। प्रखंड क्षेत्र अंतर्गत सभी कृषक व प्रधानमंत्री किसान सम्मान योजना से अच्छादित किसानों को के सी सी से अच्छादित करने के लिए जिला कृषि पदाधिकारी दीपक वर्मा के निर्देश पर केसीसी वाहन चैनपुर से रवाना हुआ। मौके पर प्रखंड बिकास पदाधिकारी प्रदीप दास, अंचलाधिकारी चंद्रशेखर कुणाल, प्रखंड कृषि पदाधिकारी शिवनारायण उरांव, एटीएम प्रियंका कुमारी ने संयुक्त रूप से के सी सी प्रचार प्रसार वाहन को हरि झंडी दिखाकर रवाना किया। वित्तीय वर्ष 2025-26 में प्रखंड के किसानों को केसीसी से आच्छादित करने और किसानों का ब्लॉक चैन सिस्टम में पंजीकृत हेतु आवश्यक दिशा निर्देश दिया गया। मौके पर कृषि पदाधिकारी श्री उरांव ने बताया कि खरीफ मौसम आने से पूर्व प्रखण्ड के 1000 किसानों को केसीसी का लाभ दिलाने का लक्ष्य है। श्री उरांव ने कहा कि मई का अवधि विस्तार करते हुए जून माह में भी प्रत्येक मंगलवार को विशेष केसीसी शिविर का आयोजन प्रखंड कार्यालय में किया जायेगा। जरूरत मंद किसान अपना आवेदन जमा कर के सी सी का लाभ ले सकते हैं। ब्लॉक चैन सिस्टम में प्रखंड के लगभग 1000 किसानों को जोड़ने का लक्ष्य दिया गया है। मौके पर जनसेवक श्यामसुंदर पाठक, मनीष कुमार, चंदन ठाकुर, सरिता कुमारी, पूजा रानी, अभिषेक कुमार समेत कई ग्रामीण उपस्थित थे।

जागरूकता वाहन को रवाना करते पदाधिकारी व अन्य।

दुमका : निधारित अवधि 60 दिनों में न्यायालय में चार्जसीट नहीं देने पर साइबर इंस्पेक्टर हुए निलंबित

खबर का असर

मसलिया पुलिस ने नौ मार्च को की थी तीन साइबर अपराधियों की गिरफ्तार

खबर मन्त्र संवाददाता

दुमका। जेल गए तीन साइबर अपराधियों के खिलाफ 60 दिन के अंदर अदालत में चार्जसीट नहीं दाखिल करना साइबर इंस्पेक्टर वीरेंद्र कुमार को भारी पड़ गया। पुलिस के वरीय पदाधिकारियों की जांच रिपोर्ट के आधार पर गुरुवार को इंस्पेक्टर को निलंबित कर दिया गया। न्यायालय में निर्धारित समय पर चार्जसीट नहीं पहुंचने से साईबर अपराधियों को मिली जमानत की खबर 13 मई को खबर मंत्र दैनिक अखबार में प्रमुखता से प्रकाशित हुई थी। जिसका असर देखने को मिला और वरीय पुलिस पदाधिकारी ने लापरवाही बरतने के आरोप में इंस्पेक्टर को निलंबित कर दिया। दरअसल मसलिया थाना की पुलिस ने नौ मार्च को तीन साइबर अपराधियों को रंगे हाथ पकड़ा था। खूंटोजोरी गांव के असलम अंसारी, इमामुददीन अंसारी व उस्मान अंसारी को उस समय घर से पकड़ा गया, जब वे लोगों को अपने झांसे में लेने का प्रयास कर रहे थे। पुलिस ने तीनों के पास चार मोबाइल भी जब्त किए थे। केस की जांच साइबर इंस्पेक्टर को दी गई। उन्हें 60 दिन के अंदर तीनों के खिलाफ न्यायालय में चार्जशीट दाखिल करनी थी। लेकिन उन्होंने ऐसा नहीं किया। उनकी इस लापरवाही का फायदा बचाव पक्ष के अधिवक्ता ने उठा लिया और उन्होंने 61 वें दिन 10 मई को अदालत में जमानत अर्जी लगा दी। अदालत ने चार्जसीट के अभाव में तीनों साइबर अपराधियों को जमानत दे दी।

पुलिस के अधिकारियों ने इसे बड़ी लापरवाही मानते हुए जांच कराई तो पता चला कि इंस्पेक्टर की उदासीनता की वजह से समय पर चार्जसीट जमा नहीं की जा सकी, जिसका फायदा आरोपियों को मिल गया। इसी जांच रिपोर्ट को आधार मानते हुए इंस्पेक्टर को तत्काल प्रभाव से निलंबित कर दिया गया। साइबर अपराध में शायद यह पहला मामला है। जब पुलिस की लापरवाही की वजह से जेल में रहने वाले साइबर अपराधी आसानी से जमानत पर छूट गए।

> इंस्पेक्टर ने समय पर अदालत में डायरी समर्पित नहीं की, जिस कारण गिरफ्त में आए तीन साइबर अपराधियों को आसानी से जमानत मिल गई। इसी कर्तव्यहीनता की वजह से इंस्पेक्टर के खिलाफ निलंबन की यह कार्रवाई की गई है।
> **पीतांबर सिंह खेरवार, पुलिस अधीक्षक दुमका**

डायरेक्टर-इन-चार्ज ट्रॉफी के विजेता हुए सम्मानित

खबर मन्त्र संवाददाता

बोकारो। बीएसएल द्वारा आयोजित डायरेक्टर-इन-चार्ज ट्रॉफी फॉर यंग मैनेजर्स-2024-25 प्रतियोगिता के विजेताओं के सम्मान में आयोजित समारोह में बोकारो स्टील प्लांट के निदेशक प्रभारी बीके तिवारी मुख्य अतिथि के रूप में उपस्थित रहे। उन्होंने प्रतियोगिता के विजेताओं को सम्मानित किया और उनके उत्कृष्ट प्रदर्शन प्रतिबद्धता एवं टीम भावना की सराहना की। मौके पर ईडी संकार्य सीआर महापात्रा ईडी मानव संसाधन राजश्री बनर्जी ईडी माइंस विकास मनवटी ईडी एमएम सीआर मिश्रा ईडी प्रोजेक्ट अनीश सेनगुप्ता प्रभारी बीजीएच डॉ बीबी करुणामय सीजीएम एल दास तथा नीता बा समेत कई वरिष्ठ अधिकारी उपस्थित रहे। तिवारी ने कहा कि युवा प्रबंधक किसी भी संगठन की रीढ़ होते हैं। वे जटिल परिस्थितियों में नवाचारी सोच और प्रभावी निर्णय लेने की क्षमता रखते हैं तथा संगठन के भविष्य के नेतृत्व की आधारशिला बनते हैं। उन्होंने युवा प्रबंधकों को निरंतर सीखने और संगठन की प्रगति में सक्रिय भागीदारी निभाने हेतु प्रेरित किया। अन्य वरिष्ठ अधिकारियों ने भी प्रतिभागियों को बधाई दी और रणनीतिक सोच तथा व्यावसायिक दक्षताओं को लगातार विकसित करने की आवश्यकता पर बल दिया। उल्लेखनीय है कि डायरेक्टर-इन-चार्ज ट्रॉफी फॉर यंग मैनेजर्स 2024-25 प्रतियोगिता का आयोजन विगत 30 व 31 जनवरी 2025 को बोकारो स्टील प्लांट के लर्निंग एंड डेवलपमेंट सेंटर में किया गया था। इस प्रतियोगिता में प्रथम स्थान प्राप्त करने वाली टीम में एजीएम शिप्रा एन हेमरोम वरीय प्रबंधक वाईएसएन रेड्डी तथा उप प्रबंधक अनिरुद्ध डी रामटेके शामिल थे। यह टीम बोकारो स्टील प्लांट का प्रतिनिधित्व आगामी चेयरमैन ट्रॉफी फॉर यंग मैनेजर्स 2024-25 प्रतियोगिता में करेगी जिसका आयोजन मैनेजमेंट ट्रेनिंग इंस्टिट्यूट रांची में किया जाएगा। प्रथम रनर-अप टीम में एजीएम चंदन कुमार प्रबंधक तनु प्रिया और प्रबंधक जी स्नेहा राजू शामिल थे। वहीं द्वितीय रनर-अप टीम में प्रबंधक शुभम प्रबंधक अमन मिश्रा और सहायक प्रबंधक मनीष स्नेही सम्मिलित थे। कार्यक्रम का संचालन एजीएम अमित आनंद ने किया।

गोड्डा : व्यवहार न्यायालय में विधिक सशक्तिकरण पर उन्मुखीकरण कार्यशाला आयोजित

निराश्रितों व असहाय बच्चों का बने आधार

> प्रधान जिला एवं सत्र न्यायाधीश रमेश कुमार ने कहा कि जिसका कोई साथी नहीं है उसे साथी बनाने के लिए उनका पहचान पत्र होना जरुरी

खबर मन्त्र संवाददाता

गोड्डा। झारखंड विधिक सेवा प्राधिकरण, रांची के निर्देश पर डालसाअध्यक्ष प्रधान जिला एवं सत्र न्यायाधीश रमेश कुमार के मार्गदर्शन में राष्ट्रीय विधिक सेवा प्राधिकरण नई दिल्ली द्वारा प्रारंभ किए गए साथी अभियान के सफल क्रियान्वयन को लेकर जिलास्तर पर कवायद तेज कर दिया गया है। इसको लेकर प्राधिकरण के सचिव दीपक कुमार के नेतृत्व में इस अभियान को गति देने के लिए रणनीति बनाई गई। इसी कड़ी में व्यवहार न्यायालय परिसर के लाइब्रेरी हाल में बेसहारा बच्चों का आधार निबंधन एवं विधिक सशक्तिकरण को लेकर एक दिवसीय आइडेंटिटी एंड डिग्निटी उन्मुखीकरण कार्यशाला का आयोजन किया गया। इसका उद्घाटन प्राधिकरण के अध्यक्ष सह प्रधान जिला एवं सत्र न्यायाधीश रमेश कुमार, सचिव दीपक कुमार, बाल संरक्षण पदाधिकारी सह विधि पदाधिकारी राजेश कुमार, एलएडीसी चीफ संजय कुमार सहाय आदि ने दीप प्रज्वलित कर किया। मौके पर प्रधान जिला एवं सत्र न्यायाधीश रमेश कुमार ने कहा कि जिसका कोई साथी नहीं है उसे साथी बनाने के लिए उनका पहचान पत्र होना जरुरी है। इसी कार्य को आगे बढ़ाने लिए हम माननीय सुप्रीम कोर्ट के निर्देश का अनुपालन करेंगे। इसकी सफलता के लिए सभी के सहयोग की अपेक्षा है। डालसा सचिव दीपक कुमार ने बताया कि 26 मई से 26 जून 2025 तक एक माह का सघन अभियान चलाया जाएगा। इसमें निराश्रितों एवं असहाय बच्चों की पहचान कर उनका आधार पंजीकरण सुनिश्चित किया जाएगा। इन्हें शिक्षा, स्वास्थ्य, सुरक्षा और अन्य सरकारी लाभकारी योजनाओं से भी जोड़ा जाएगा। अभियान के सम्वित क्रियान्वयन को लेकर एक साथी जिला समिति का गठन किया गया है। कमेटी में बतौर अध्यक्ष, डालसा सचिव दीपक कुमार सहित महिला एवं बाल विकास विभाग, शिक्षा विभाग, स्वास्थ्य विभाग, आधार पंजियन पदाधिकारी, बालगृहों के प्रतिनिधि, अधिवक्ता एवं पीएलवी को शामिल किया गया है। ओरिएंटेशन कार्यक्रम में समिति के सदस्यों को उनकी भूमिका और जिम्मेवारियों से अवगत कराया गया। इस दौरान अभियान का प्रचार-प्रसार प्रखंड एवं ग्रामीण स्तर पर सुनिश्चित करने पर जोर दिया गया ताकि अभिवंचतों को इसका शतप्रतिशत लाभ मिल सके। साथी अभियान बच्चों को कानूनी पहचान दिलाने के साथ-साथ उनके सुरक्षित, सशक्त और गरिमापूर्ण भविष्य की दिशा में एक प्रभावी प्रयास है। कार्यशाला में एलएडीसी चीफ संजय सहाय, एलएडीसी अजीत कुमार, राहुल कुमार, लीली कुमारी, आयुष राज, डीसीपीओ, डीईओ के प्रतिनिधि, जुबिनाइल यूनिट के पुलिस पदाधिकारी, सीडीपीओ, पैनल अधिवक्ता, एनजीओ के प्रतिनिधि, अधिकार मित्र आदि उपस्थित थे।

यूनाइटेड कॉल वर्कर्स यूनियन की हुई बैठक

गोड्डा/ललमटिया। राजमहल परियोजना के ओसीपी परिसर में संयुक्त मोर्चा के द्वारा एक बैठक का आयोजन किया गया। जहां बैठक में मुख्य रूप से यूनाइटेड कॉल वर्कर्स यूनियन, एचएमएस और जेएसएनयू शामिल हुए। बैठक में ईसीएल सेफ्टी बोर्ड सदस्य शबे आलम ने 9 जुलाई को राजमहल परियोजना का चक्का जाम करने के संबंध में जानकारी देते हुए 20 मई को होने वाले देशव्यापी हड़ताल को रद्द किए जाने के संबंध में जानकारी दी। वहीं यूनाइटेड कोल वर्क्स यूनियन के क्षेत्रीय सचिव रामजी साह ने श्रम कानून के तहत चार कोड लागू करने तथा कुछ लोकल मुद्दों को फोकस करते हुए भारत सरकार द्वारा लाये गए कानून का विरोध किया। जेएसएनयु के मिस्त्री मरांडी तथा पटवारी सोरेन ने भी श्रम कानून का विरोध करते अपनी बातों को रखा। वहीं बैठक में यूनियन से रामसुंदर महतो, गुरु प्रसाद हजरा, शंकर गुप्ता, लखविंदर लोहार, गुरदेव सिंह, विनोद महतो, सीएमएस से एके पांडे आदि मौजूद थे।

मिशन वात्सल्य को लेकर ऑफ्टर केयर विषय पर कार्यशाला का हुआ आयोजन

खबर मन्त्र संवाददाता

दुमका। जिला बाल संरक्षण इकाई के सभागार कक्ष में एसजीवीवी संस्था एवं सृजन फाउंडेशन के सहयोग से एक दिवसीय कार्यशाला गुरूवार को आयोजित हुई। कार्यशाला की अध्यक्षता जिला बाल संरक्षण पदाधिकारी प्रकाश चन्द्र ने किया। कार्यशाला में झारखंड ऑफ्टर केयर मार्गदर्शिका-2023 की विस्तृत जानकारी दी गई। प्रशिक्षक संजय कुमार ने बताया कि 14 वर्ष की आयु पूर्ण वैसे बालक जो दीर्घकालिक बाल देखभाल संस्थान में आवासित हैं। बच्चों की व्यक्तिगत देखरेख योजना के अनुसार जरूरतमंद बालकों का आफ्टर केयर सेवाओं से आच्छादित करने की प्रक्रिया आरंभ की जा सकती है। प्रशिक्षक सुतापा रुईदास ने बताया कि वैसे बालक व किशोर जिन्होंने 18 वर्ष की आयु पूर्ण कर ली हो और उन्हें देखभाल और संरक्षण की आवश्यकता हो, तो ऐसे बालक व किशोर को जिला बाल संरक्षण इकाई के माध्यम चिह्नित कर मूलभूत सुविधाओं से जोड़ा जाये। जिससे वह एक जिम्मेदार नागरिक बने और सामान्य रूप से जीवन यापन कर सकें। इस अवसर पर डीसीपीओ प्रकाश चन्द्र ने कहा कि संस्थागत/गैर संस्थागत सेवा से आच्छादित वैसे बालक व किशोर जिनकी आयु 18 वर्ष पूर्ण हो गई हो और आर्थिक कठिनाई के कारण आगे की पढ़ाई लिखाई जारी रखने में असमर्थ हों, तो वैसे बालकों व किशोरों को ऑफ्टर केयर मार्गदर्शिका 2023 के तहत आर्थिक सहायता के रूप में 4 हजार रुपए प्रति माह सरकारी की ओर से दिए जाने का प्रावधान है।

केबी कॉलेज बेरमो में अंतर्राष्ट्रीय जैव विविधता दिवस मनाया गया

खबर मन्त्र संवाददाता

बेरमो। गुरुवार को जंतु शास्त्र एवं वनस्पति विज्ञान विभाग के संयुक्त तत्वावधान में गुरुवार को प्राचार्य लक्ष्मी नारायण की अध्यक्षता में अंतर्राष्ट्रीय जैव विविधता दिवस जंतु शास्त्र सभागार में मनाया गया। प्राचार्य लक्ष्मी नारायण ने कहा अंतर्राष्ट्रीय जैव विविधता दिवस पृथ्वी पर जीवन को बनाए रखने के लिए जैव विविधता के महत्व के बारे में जागरूकता बढ़ाता है। प्रो इंचार्ज प्रो गोपाल प्रजापति ने कहा जैव विविधता हमारे जीवन के लिए अत्यंत आवश्यक है। जंतु शास्त्र विभागाध्यक्ष डॉ अरुण कुमार रॉय महतो ने कहा यह दिन लोगों को जागरूक करने के उद्देश्य से मनाया जाता है। एन एस एस डॉ प्रभाकर कुमार ने कहा अंतर्राष्ट्रीय जैव विविधता दिवस हमें यह याद दिलाता है कि प्रकृति की हर छोटी बड़ी कड़ी हमारे जीवन से जुडी हुई है। वनस्पति विज्ञान विभाग के डॉ शशि कुमार ने कहा हमारा नैतिक दायित्व है कि हम अपने पर्यावरण की रक्षा करें। छात्र वक्ताओं रोशनी दत्ता, प्रेरणा दास, रिचा प्रजापति, सुधा कुमारी, पुष्पा कुमारी, रानी कुमारी, ऋतु कुमारी एवं सुमीत सिंह ने भी अपने अपने विचार रखे। छात्र छात्राओं ने पोस्टर स्लोगन भाषण के माध्यम से संदेश देने का कार्य किया। जिनमें रमशा फातिमा, सुषमा कुमारी, रोशनी दत्ता, सुधा, सोनिका कुमारी, रोशनी कुमारी, प्रज्ञा, प्रेरणा दास, रिचा प्रजापति, पुष्पा कुमारी, रानी कुमारी आदि रहे। भाषण में प्रथम रोशनी दत्ता, द्वितीय पुष्पा कुमारी, तृतीय रिचा प्रजापति रही। पोस्टर में प्रथम रमशा फातिमा, द्वितीय सोनिका, तृतीय सुषमा रही। स्लोगन में प्रथम प्रज्ञा कुमारी, द्वितीय सुधा कुमारी, तृतीय प्रेरणा दास रही। छात्रा रमशा फातिमा और रोशनी दत्ता ने छात्राओं को प्रतिज्ञा दिलवाई। धन्यवाद ज्ञापन विभागाध्यक्ष डॉ अरुण कुमार रॉय महतो ने किया। कार्यक्रम में डॉ नीला पूणीर्मा तिर्की, डॉ मधुरा केरकेट्टा, डॉ अरुण रंजन, डॉ सुशांत बैरा, प्रो संजय कुमार दास, प्रो सुनीता कुमारी, रविंद्र कुमार दास, सदन राम, बालेश्वर यादव, आबिद जहां, अरुण महतो, प्रियंका कुमारी, यशोदा महतो आदि कॉलेज परिवार के सदस्यों की उपस्थिति रही।

आनंदमार्गियों ने धर्म महासम्मेलन का किया आयोजन

खबर मन्त्र संवाददाता

बोकारो। आनंद पूर्णिमा के अवसर पर तीन दिवसीय विश्व स्तरीय अर्धवार्षिक धर्म महासम्मेलन बोकारो के निकटवर्ती आनंदनगर में आयोजित है। कार्यक्रम में देश-विदेश के हजारों आनंदमार्गी शामिल होंगे और पुरोधा प्रमुख आचार्य विश्वदेवानंद अवधूत का प्रवचन होगा। आचार्य रमेंन्द्रानंद अवधूत आचार्य अवनिंद्रानंद अवधूत तथा आचार्य सवितानन्द अवधूत ने संयुक्त रूप से कहा कि प्रत्येक वर्ष की भांति इस बार भी धर्म महासम्मेलन का मुख्य उद्देश्य धर्म का प्रचार संस्था का प्रसार शांति व समर्पण का पैगाम ज्ञान कर्म भक्ति का संगम दुनिया के नैतिकवादियों को एक मंच पर लाना साहस और सामर्थ्य को बढ़ाना एवं संघर्ष और संग्राम के माध्यम से सुसामंजस्यपूर्ण सामाजिक आर्थिक व्यवस्था के द्वारा सुन्दर समाज की रचना की तैयारी है। फिलहाल देश के विभिन्न राज्यों एवं समुद्र पार के अनेक देशों से हजारों आनंद मार्गी भाई-बहन आनंदनगर पहुंचकर प्राकृतिक छटाओं का आनंद ले रहे हैं। विश्वस्तरीय धर्म महासम्मेलन 72 घंटे का अखंड कीर्तन भगवान श्रीश्री आनन्दमूर्ति जी के जयघोष से शुरू हुआ। इस अवसर पर आनंद मार्ग प्रचारक संघ के पुरोधा प्रमुख एवं अध्यक्ष श्रद्धेय आचार्य विश्वदेवानंद अवधूत ने आध्यात्मिक प्रवचन दिया और पुरोधा प्रमुख जी के प्रवचन से पूर्व प्रभात संगीत का गायन और अनुवाद का कार्यक्रम हुआ। 24 मई को पुरोधा गण आचार्य गण एवं तात्विक गण के जनरल बॉडी की बैठक होगी। संध्या में धर्म चक्र के साथ रंगारंग सांस्कृतिक कार्यक्रम होगा जिसके बाद अंतरजातीय दहेज मुक्त क्रांतिकारी विवाह कार्यक्रम संपन्न होगा। अंत में आनंद मार्ग यूनिवर्सल रिलीफ टीम ग्लोबल की ओर से 1000 साडी एवं 1000 धोती का वितरण 25 जून को किया जाएगा। प्रेसवार्ता में आचार्य अवनींद्रानंद अवधूत आचार्य साबितानंद अवधूत आचार्य सिद्धेश्वरानंद अवधूत आचार्य रमेंद्रानंद आचार्य जयदेवानंद अवधूत उपस्थित थे।

गोड्डा : साइबर ठगों ने बैंक कर्मचारी बन युवक से की ठगी, मामला दर्ज

> ऋण के नाम पर युवक के खाते से उड़ाये 93,600 रुपये

खबर मन्त्र संवाददाता

गोड्डा। नगर थाना क्षेत्र के बढ़ौना निवासी सूरज राउत को साइबर ठगों ने इंडूसलैंड बैंक के कर्मचारी बनकर कॉल किया और ऋण के नाम पर 93,600 रुपये की ठगी कर ली।

वहीं ठगों ने सूरज को बताया कि उनका लोन पास हुआ है। सूरज ने 2 लाख 90,000 रुपये का लोन मंजूर होने की बात बताई। उन्होंने वेरिफिकेशन के नाम पर सूरज से उनकी व्यक्तिगत जानकारी पीड़ित के मां का नाम जन्मतिथि और आधार कार्ड की जानकारी ली। साथ ही उनकी मुर्गी फार्म की दुकान का जिक्र कर विश्वास जीता। ठगों ने सूरज को बताया कि उनका खाता होल्ड हो गया है। इसे सक्रिय करने के लिए 40-50 हजार रुपये और जमा करने को कहा। कुछ देर बाद जब सूरज ने अपना अकाउंट चेक किया तो 93,600 रुपये गायब थे। सूरज 22 मई को इंडूसलैंड बैंक पहुंचे, जहां बैंक कर्मियों ने बताया कि उनकी तरफ से कोई कॉल नहीं किया गया। सूरज ने 16 मई को ही 2.90 लाख का लोन लिया था, जिसमें से 93,716 रुपये मिले थे। 21 मई को रात 8 बजे उन्होंने नगर थाने में शिकायत दर्ज कराई थी। वहीं इस मामले में गोड्डा पुलिस अधीक्षक अनिमेष नेथानी से हुई वार्ता में उन्होंने बताया की ठगी होने की जानकारी मिली है।

जिला प्रशासन की ओर से कार्यवाही की प्रक्रिया शुरू कर दी गई है। मामला दर्ज कर आगे की कार्रवाई की जा रही है।

स्पीड न्यूज

माधुरी मटकके ने पदभार ग्रहण किया

बेरमो। माधुरी मटकके ने कथारा क्षेत्र के महाप्रबंधक कार्यालय में सीनियर मैनेजर पर्सनल का पदभार ग्रहण किया निवर्तमान सीनियर मैनेजर पर्सनल रामानुज प्रसाद, क्षेत्रीय पर्यावरण पदाधिकारी श्याम सुंदर पाल सहायक मैनेजर पर्सनल सूर्य प्रताप सिंह एवं पर्सनल कर्मी परमानंद भट्टाचार्य अनमोल मूर्मू सबा मखदूम विक्रम कुमार हरी मुंडा अमित टोप्पो शैलेश प्रसाद प्रत्यूष दास जितेंद्र सिंह सुनील मेहरा रूमकी मित्रा रंजना कुमारी प्रदीप कुमार यादव फैयाज खान आदि ने गुलदस्ता भेंटकर सम्मानित किया।

दहेज हत्या में पति को 8 साल का सश्रम कारावास

दुमका। द्वितीय अपर जिला एवं सत्र न्यायाधीश प्रकाश झा की अदालत ने छह साल पहले दहेज के लिए पत्नी की हत्या करने वाले तालझारी बाजार के उमेश सिंह को दोषी पाते हुए आठ साल की सश्रम कारावास की सजा सुनाई। केस में अभियोजन पक्ष ने 15 गवाहों की गवाही कराई थी। अदालत ने साक्ष्य और गवाहों के बयान के आधार पर दोषी को सजा सुनाई गई। जानकारी के अनुसार देवघर जिले के देवीपुर थाना क्षेत्र के डूमरकुंडी के रहने वाले भागीरथ सिंह ने दस जुलाई 19 को बेटी रेखा देवी की शादी तालझारी बाजार के उमेश सिंह के साथ की थी। शादी के बाद से रेखा को एक मोटरसाइकिल के लिए परेशान किया जाता था। उमेश ने धमकी दी थी कि अगर उसे बाइक नहीं मिली तो वह उसे जान से मार देगा। रक्षाबंधन पर रेखा मायके आई तो उसने प्रताड़ना की सारी बात घरवालों को बताई। शादी के अगले माह रेखा देवी की हत्या कर दी गई। पिता के बयान पर पुलिस ने उमेश के खिलाफ दहेज हत्या का मामला दर्ज कर गिरफ्तार भी किया।

चास : ऊर्जा मेले में 90 मामले हुए निष्पादित

बोकारो। डीसी विजया जाधव के निर्देशानुसार विद्युत आपूर्ति प्रमंडल चास कार्यालय परिसर में आयोजित ऊर्जा मेला में उपभोक्ताओं से संबंधित कुल 100 मामले आए जिनमें 90 मामलों का त्वरित समाधान किया गया। उक्त ऊर्जा मेला में विद्युत कार्यपालक अभियंता सहायक विद्युत अभियंता आदि उपस्थित रहे। इसमें शामिल लोगों को 200 यूनिट मुफ्त बिजली स्मार्ट मीटर अधिष्ठापन आरडीएसएस एवं विभाग द्वारा जारी अन्य योजनाओं की जानकारी दी गई। ज्ञात हो कि हर माह आयोजित होनेवाले ऊर्जा मेला में विद्युत उपभोक्ता उपस्थित होकर अपनी शिकायत दर्ज करा सकते हैं।

हरला क्षेत्र में अगलगी से बेकरी दुकान हुई खाक

बोकारो। स्थानीय हरला थाना अंतर्गत सेक्टर 9 हटिया मोड़ के निकट कमाटांड़ स्थित मो असलम की बेकरी दुकान जलकर खाक हो गई। प्राप्त जानकारी के अनुसार रात 12 के आसपास आग लगने की सुचना बेकरी मालिक को उनके पुत्र ने दी जो दुकान में ही सोया हुआ था। सुचना पाकर दमकल विभाग को सूचित किया गया। दमकल की तीन गाड़ियों के अथक प्रयास के बाद आग पर काबू पाया गया परन्तु तबतक सबकुछ जलकर खाक हो चुका था। किसी के हताहत की सुचना नहीं है। आग लगने का कारण स्पष्ट नहीं हो सका है। शार्ट सर्किट की सम्भावना व्यक्त की जा रही है परन्तु मो असलम ने किसी के द्वारा आग लगाए जाने की सम्भावना व्यक्त की है। पुलिस छानबीन कर रही है।

एक नजर में

बारकोप इंटर कॉलेज में परीक्षा के दौरान छात्रा से छेड़खानी, आरोपी हिरासत में

गोड्डा/पथरगामा। प्रखंड के बारकोप इंटर कॉलेज में बुधवार को उस समय अफरातफरी मच गई, जब इंटर फर्स्ट ईयर की परीक्षा दे रहे एक छात्र पर सहपाठी छात्रा द्वारा छेड़खानी का आरोप लगाया गया। इस मामले में मिली जानकारी के अनुसार, आरोपी छात्र बसंतराय प्रखंड अंतर्गत धपरा गांव का निवासी है। बताया गया कि परीक्षा केंद्र में छात्रा से अशोभनीय हरकत करने की कोशिश की गई। वहीं छात्रा के विरोध करने पर हो हंगामा हो गया। जिसके बाद कॉलेज स्टाफ और छात्रों ने तत्काल इसकी सूचना प्रशासन को दी। सूचना मिलते ही पथरगामा पुलिस ने त्वरित कार्रवाई करते हुए आरोपी छात्र को हिरासत में ले लिया और पथरगामा थाना ले गई। उधर पीड़िता के परिजन भी थाना पहुंचे हुए थे। समाचार लिखे जाने तक थाने में कोई लिखित शिकायत दर्ज नहीं कराई गई है। पुलिस का कहना है कि आवेदन मिलते ही मामले में आगे की कानूनी कार्रवाई की जाएगी। पुलिस प्रशासन ने घटना को गंभीरता से लिया है और कॉलेज प्रबंधन से भी घटना से संबंधित जानकारी मांगी गई है। फिलहाल मामले की गहनता से जांच जारी है।

एसकेएमयू के पूर्व छात्रसंघ अध्यक्ष ने कुलाधिपति से किया मुलाकात

दुमका। सिदो कान्हू मुर्मू विश्वविद्यालय के पूर्व छात्रसंघ अध्यक्ष विश्वराज सिंह रांची स्थित राजभवन पहुंच राज्यपाल सह कुलाधिपति संतोष गंगवार से शिष्टाचार मुलाकात किया। छात्र संघ पूर्व अध्यक्ष संताल परगना प्रमंडल के तमाम छात्र संघ एवं छात्राओं की ओर से शहीद स्वतंत्रता सेनानी वीर सिदो कान्हू की तस्वीर सप्रेम भेंट किया। कुलाधिपति से वातालर्प के दरिम्यान वर्तमान में एसकेएमयू के शैक्षणिक व्यवस्था पर चर्चा किया। जिसमें मुख्य रूप से विश्वविद्यालय के पांच अंगीभूत बीएड कॉलेजों में से दो की मान्यता समाप्त एवं तीन कॉलेजों को एनसीआरटी की नोटिस पर चर्चा किया। कुलाधिपति से बीएड कॉलेजों को पुनः शुरूआत कराने का आग्रह करते हुए गुणवत्तापूर्ण शिक्षा, कदाचारमुक्त परीक्षा एवं छात्राओं को मूलभूत समस्याओं का निदान को लेकर भी चर्चा किया। गंभीर एवं शालीनता से भरे व्यक्तित्व वाले कुलाधिपति से भेंट पर पूर्व अध्यक्ष की बातें गंभीरतापूर्वक सुनने और छात्रहित में निर्णय लेने के आश्वासन पर प्रसन्नता जाहिर किया।

कल्याण गुरुकुल सरायदाहा के 45 छात्राओं को मिला रोजगार, दिया गया नियुक्ति पत्र

शिकारीपाड़ा। राज्य सरकार के कल्याण विभाग की विशेष पहल प्रेझा फाउंडेशन द्वारा संचालित कल्याण गुरुकुल सरायदाहा परिसर में गुरूवार को नियुक्ति पत्र वितरण कार्यक्रम का आयोजन हुआ। इस अवसर पर बैच संख्या– 37 एवं 38 की 43 छात्राओं को रोजगार को लेकर नियुक्ति पत्र दिया गया। छात्रा बेंगलुरु, कर्नाटक के प्रतिष्ठित कंपनी एमएसडब्ल्यू आईएल में रोजगार मिला है। कार्यक्रम में मुख्य अतिथि बीडीओ, शिकारीपाड़ा मो एजाज आलम ने छात्राओं को शुभकामनाएं देते हुए कहा कि यह सफलता न केवल छात्राओं की मेहनत बल्कि गुरुकुल द्वारा दिए गए गुणवत्तापूर्ण प्रशिक्षण का परिणाम है। उन्होंने छात्राओ का उत्साह वर्धन करते हुए संस्थान के कार्यों की सराहना किया। कार्यक्रम में क्षेत्रीय प्रबंधक मो शादाब, गुरूकुल प्राचार्य अशोक कुमार गुप्ता, चकलता गुरुकुल के प्राचार्य विनोद कुमार मौर्य, ट्रेनर अनुज कुमार उरांव, मो तमन्ना, वार्डन बसंती मुर्मू आदि उपस्थित रहे। यहां बता दें कि झारखंड सरकार के कल्याण विभाग की पहल पर प्रेझा फाउंडेशन विशेष प्रयोजन वाहिनी के रूप में कार्यरत है। जो कल्याण गुरुकुल के माध्यम से युवाओं के कौशल विकास और रोजगार के अवसर प्रदान कर रही है। पिछले 13 वर्षों में प्रेझा फाउंडेशन ने 42 हजार से अधिक युवाओं को रोजगार देकर उनकी आर्थिक और सामाजिक स्थिति में सुधार लाया है। वर्तमान में राज्य में 27 कल्याण गुरुकुल, 8 एएनएम नर्सिंग कॉलेज और एक आईटीआई कौशल कॉलेज का संचालन हो रहा है।

चतुर्वेद शतकम् पारायण यज्ञ एवं वेद कथा का भव्य आयोजन 23 से 25 मई तक

गोड्डा। जिले के सदर प्रखंड अंतर्गत अमरपुर, पथरा के लाल डंगाल आर्य समाज मंदिर में 23 मई से 25 मई तक तीन दिवसीय प्रकृति के सुरमय वातावरण में चतुर्वेद शतकम् पारायण यज्ञ एवं वेद कथा भव्य आयोजन किया जा रहा है। यह सम्मेलन आर्य समाज ग्रामवासी अमरपुर व परीक्षित प्रेमी आर्य प्रधान सत्यदेव गुप्ता, आर्य संरक्षक भावेश शास्त्री, मंत्री अभिमन्यु मंडल आर्य, गणेश आर्य समन्वयक, शुकदेव आर्य, दिवाकर आर्य कोषाध्यक्ष के अगुवाई में वर्ष 1976 ईस्वी से अब तक कि छठवीं बार होने जा रहा है, लेकिन इस बार सबसे बड़ी गौरव की बात यह है कि आर्य समाज मंदिर प्रांगण में होने जा रहा है। आर्य समाज के महत्त्व को समझते हुए ग्रामवासी सत्यदेव आर्य गुप्ता ने मंदिर निर्माण के लिए लगभग 1 एकड़ भूमि दान में दिया जहां मंदिर निर्माण के बाद पहली बार इस वर्ष अपार हर्ष के साथ तीनदिवसीय चतुर्वेद शतकम् पारायण यज्ञ एवं वेद कथा का आयोजन किया जा रहा है। जिसमें मुख्य रूप से विद्वान एवं कथाकार आचार्य प्रभामित्र अन्तर्राष्ट्रीय वैदिक प्रवक्ता पंचकूला हरियाणा, आचार्या आवृति प्रभा पंचकूला हरियाणा, नैनश्री प्रज्ञा शास्त्री, भजनोपदेशिका देवरिया डॉ० अम्बिका शास्त्री कन्या गुरूकुल चोटीपुरा अमरोहा, डॉ अंगिरा शास्त्री कन्या गुरूकुल चोटीपुरा, अमरोहा ब्रह्मचारिणी प्रकृति देव कन्या गुरूकुल विश्ववारा रूड़की, हरियाणा आमंत्रित हैं। वहीं आयोजनकताओं ने धर्मप्रेमी सज्जनों को उक्त कार्यक्रम में आमंत्रित करते हुए कहा था कि विद्वानों के आशीर्वचन को सुनकर जीवन को सफल बनाएंगे।

बोकारो के 93 स्कूलों में तम्बाकू निषेध पर सामूहिक शपथ कार्यक्रम का आयोजन

बेरमो। डीसी बोकारो के निर्देशानुसार विश्व तम्बाकू निषेध दिवस के पूर्व डॉ अभय भूषण प्रसाद सिविल सर्जन बोकारो के आदेशानुसार ग्रीष्मकालीन अवकाश से पहले 21 मई को बोकारो जिला में कुल 93 स्कूलों में तम्बाकू एवं अन्य मादक पदार्थ के रोकथाम के लिये सामूहिक शपथ कार्यक्रम का आयोजन स्कल के प्राचार्य द्वारा किया गया। जिसमें स्कूलों के 13127 बच्चों ने तम्बाकू निषेध पर सामूहिक शपथ लिया। जिला परामर्शी मो असलम ने बताया कि नशे के रूप में उपयोग किये जाने वाले पदार्थ में तम्बाकू, सिगरेट, गुटखा यह से गेटवे पदार्थ है। यही से बच्चा नशे की शुरूआत करता है और धीरे धीरे वह अन्य नशीले पदार्थ के तरफ बढते चला जाता है। गेटवे पदार्थ की शुरूआत अधिकतर 13 से 19 वर्ष के किशोर वर्ग के बच्चे ही करते है। ऐसे मे उन सभी बच्चों को इसके दुष्प्रभाव के प्रति जागरूक करने व इससे दूर रहने हेतु स्कूल में सामूहिक शपथ दिलाया गया। जिसमें स्कूल के प्राचार्य द्वारा काफी अच्छी सहभागिता के साथ इस कार्य को किया गया जिस हेतु स्वास्थ्य विभाग उनका आभारी है। इस कार्यक्रम में स्कूल के प्राचार्य एवं शिक्षक के अलावा बच्चे भी उपस्थित थे।

स्नातक में नामांकन की तैयारी शुरू, नामांकन समिति का हुआ गठन

दुमका। सिदो कान्हू मुर्मू विश्वविद्यालय के विभिन्न अंगीभूत व संबद्ध कॉलेजों में जल्द ही स्नातक सत्र–2025–29 के लिए नामांकन प्रक्रिया प्रारंभ होगी। इसको लेकर विश्वविद्यालय स्तर पर तैयारियां तेज कर दी गई हैं। डीएसडब्ल्यू डॉ जैनेन्द्र यादव ने कुलपति प्रो कुनुल कंदीर के निर्देशानुसार यूजी नामांकन के लिए विश्वविद्यालय स्तरीय प्रवेश समिति का गठन किया है। समिति अध्यक्ष स्वयं कुलपति प्रो कुनुल कंदीर हैं। जबकि सदस्य सचिव डीएसडब्ल्यू डॉ जैनेन्द्र यादव है। समिति में प्रतिकुलपति प्रो बिमल प्रसाद सिंह, विज्ञान संकाय के डीन डॉ एसके सिंह, सामाजिक विज्ञान एवं वाणिज्य संकाय के डीन डॉ टीपी सिंह, मानविकी संकाय के डीन डॉ पीपी सिंह, परीक्षा नियंत्रक डॉ जयकुमार शाह, पीजी राजनीति विज्ञान विभागाध्यक्ष डॉ संजीव कुमार सिन्हा, वनस्पति विज्ञान विभागाध्यक्ष डॉ एसएल बोंडिया, संथाली विभागाध्यक्ष डॉ सुशील टुडू, समाजशास्त्र विभागाध्यक्ष डॉ सुजीत सोरेन, वाणिज्य विभागाध्यक्ष दीपक कुमार दास, सहायक डीएसडब्ल्यू डॉ पूनम हेम्ब्रम के साथ देवघर कॉलेज देवघर, साहेबगंज कॉलेज साहेबगंज, एएन कॉलेज दुमका, सेंट जेवियर्स कॉलेज महारो, महिला कॉलेज पाकुड़, मॉडल कॉलेज दुमका और डिग्री कॉलेज नाला फतेपुर के प्राचार्यों को सदस्य के रूप में शामिल किया गया है। ज्ञात हो कि सीबीएसई बोर्ड द्वारा इंटरमीडिएट परीक्षा का परिणाम जारी कर दिया गया है। जबकि झारखंड एकेडमिक काउंसिल का परिणाम अभी प्रतीक्षित है। ऐसे में यह माना जा रहा है कि जैक बोर्ड का परिणाम जारी होते ही चांसलर पोर्टल के माध्यम से विश्वविद्यालय में स्नातक नामांकन की प्रक्रिया प्रारंभ कर दी जाएगी।

स्पीड न्यूज

प्रधानमंत्री ने 103 अमृत रेलवे स्टेशनों का किया उद्घाटन

कांस में ऐश्वर्या राय ने फिर बिखेरा जलवा

कांस। पूर्व मिस वर्ल्ड और बॉलीवुड अभिनेत्री ऐश्वर्या राय ने कान्स फिल्म फेस्टिवल में अपना जलवा बिखेरा दिया। ऐश्वर्या राय ने भी धमाकेदार एंट्री की है। ऐश्वर्या, साड़ी, मांग में सिंदूर, खुले बालों के साथ साइड दुपट्टा और लाल जड़ाऊ हार पहनकर बेहद ही स्टनिंग लग रही थी। वहीं, लाल जड़ाऊ हार उनके लुक को शाही टच दे रहा था। सबसे ज्यादा ऐश्वर्या के लुक में जिस चीज ने ध्यान खींचा वो था उनका सिंदूर। इसी के साथ ऐश्वर्या ने पति अभिषेक संग शादी में अनबन की खबरों को भी खत्म कर दिया है। ऐश्वर्या के लुक की नेटिजन्स जमकर तारीफ कर रहे हैं।

कलाम का किरदार निभायेंगे धनुष

मुंबई। दक्षिण भारतीय फिल्मों के सुपरस्टार धनुष सिल्वर स्क्रीन पर पूर्व राष्ट्रपति दिवंगत डॉ. एपीजे अब्दुल कलाम का किरदार निभायेंगे। डॉ. एपीजे अब्दुल कलाम के जीवन पर बायोपिक बनायी जा रही है। इस फिल्म की घोषणा हाल ही में कान्स फिल्म फेस्टिवल 2025 में हुयी है ।इस फिल्म का निर्देशन राष्ट्रीय पुरस्कार विजेता निर्देशक ओम राउत करेंगे। इस फिल्म का निर्माण अभिषेक अग्रवाल और भूषण कुमार (टी-सीरीज) कर रहे हैं, और स्क्रीनप्ले साईविन क्वाड्रास ने लिखा है।

द. लेबनान में हिज्बुल्लाह के हथियार इंजीनियर ढेर

यरूशलम/बेरूत। इजरायली सेना ने बुधवार को दक्षिणी लेबनान में ड्रोन हमला किया, जिसमें हिज्बुल्लाह के हथियार विकास कार्यक्रम में शामिल एक कार्यकर्ता की मौत हो गई। हुसैन नाजीह बरजी नामक व्यक्ति पर टायर क्षेत्र में एक वाहन में यात्रा करते समय हमला किया गया। बरजी को हिजबुल्लाह के निदेशालय में एक प्रमुख व्यक्ति के रूप में वर्णित किया गया था, जो सटीक मिसाइलों सहित हथियारों के विकास, निर्माण और रखरखाव की देखरेख करता था और समूह की आपूर्ति क्षमताओं का विस्तार करने के लिए काम करता था।

वाशिंगटन में दो इजरायली दूतावास कर्मियों की हत्या

वाशिंगटन। वाशिंगटन डी.सी. में यहूदी संग्रहालय के समीप बुधवार देर रात दो इजरायली दूतावास कर्मचारियों की हत्या कर दी गई। यह जानकारी अमेरिकी गृह सुरक्षा सचिव क्रिस्टी नोएम ने दी। उन्होंने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर एक पोस्ट में कहा कि बुधवार रात वाशिंगटन डीसी में यहूदी संग्रहालय के समीप दो इजरायली दूतावास कर्मचारियों की निर्मम हत्या कर दी गई नोएम ने कहा कि हम सक्रियता से जांच कर रहे हैं तथा अधिक जानकारी साझा करने के लिए काम कर रहे हैं।

ग्रीस में 6.0 तीव्रता का भूकंप, सुनामी की चेतावनी जारी

एथेंस। ग्रीस में 6.0 तीव्रता का भूकंप आया है, जिसके बाद सुनामी की चेतावनी जारी की गई। जर्मन रिसर्च सेंटर फॉर जियोसाइंसेज ने बताया कि ग्रीस के क्रेते के तट के पास गुरुवार को 6.0 तीव्रता का भूकंप आया। जर्मन रिसर्च सेंटर ने बताया कि भूकंप सुबह 6:19 बजे आया, जो क्रेते के उत्तर-पूर्व में एलौंडा से 58 किमी दूर और 60 किमी गहराई में था। भूकंप के कारण यूरोपीय अधिकारियों ने सुनामी की चेतावनी भी जारी की। भूकंप के कारण कोई क्षति नहीं हुई है। भूकंप क्रेते और आसपास के द्वीपों में महसूस किया गया ।

एजेंसी

- बीकानेर के देशनोक समेत राजस्थान के आठ रेलवे स्टेशन का हुआ कायाकल्प
- बीकानेर-मुंबई एक्सप्रेस को दिखायी हरी झंडी

बीकानेर/जयपुर। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने गुरुवार को बीकानेर जिले के देशनोक में अमृत भारत स्टेशन योजना के तहत पुनर्विकसित रेलवे स्टेशन का उद्घाटन किया। इसके साथ ही देशभर के 103 पुनर्विकसित रेलवे स्टेशनों को वर्चुअल माध्यम से राष्ट्र को समर्पित किया। इस अवसर पर प्रधानमंत्री ने बीकानेर-मुंबई एक्सप्रेस ट्रेन की भी सौगात दी। उन्होंने देशनोक रेलवे स्टेशन से हरी झंडी दिखाकर ट्रेन को रवाना किया। अमृत भारत स्टेशन योजना के तहत देशभर में एक लाख करोड़ रुपए की लागत से 1300 से अधिक स्टेशनों का पुनर्विकास किया जा रहा है। इसी क्रम में पुनर्विकसित किए गए 103 रेलवे स्टेशनों में राजस्थान के आठ रेलवे स्टेशन देशनोक, गोगामेड़ी, बूंदी, माण्डलगढ़, गोविंदगढ़, मण्डावर-महुआ रोड, फतेहपुर शेखावाटी और राजगढ़ शामिल हैं। हर स्टेशन के विकास में विरासत भी-विकास भी के मूलमंत्र के आधार पर स्थानीय वास्तुकला एवं संस्कृति से प्रेरित निर्माण के साथ ही आधुनिक सुविधाओं का समायोजन किया गया हैं।

बिजली परियोजना समेत कई दीं सौगातें : प्रधानमंत्री ने राज्य में बुनियादी ढांचे, संपर्क सुविधा, बिजली आपूर्ति, स्वास्थ्य सेवाओं और पानी की उपलब्धता को बढ़ाने के लिए जमकर सौगातों की बौछार कीं। उन्होंने पूरे राजस्थान में 25 महत्वपूर्ण राज्य सरकार की परियोजनाओं का शिलान्यास, उद्घाटन और राष्ट्र को समर्पित किया। इनमें 3,240 करोड़ रुपये से अधिक की लागत के 750 किलोमीटर से अधिक लंबाई के 12 राज्य राजमार्गों के उन्नयन और रखरखाव के लिए परियोजनाओं का शिलान्यास और राष्ट्र को समर्पित करना शामिल है। कार्यक्रम के तहत आगे विस्तार में अतिरिक्त 900 किलोमीटर नए राजमार्ग का भी निर्माण किया जाएगा। इस अवसर पर राजस्थान के राज्यपाल हरिभाऊ बागडे, मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा, रेल मंत्री अश्विनी वैष्णव, केंद्रीय कानून एवं न्याय राज्य मंत्री अर्जुन राम मेघवाल समेत विभिन्न जनप्रतिनिधि, प्रशासनिक अधिकारी एवं बड़ी संख्या में लोग मौजूद थे।

राजस्थान के बीकानेर में कई योजनाओं का शिलान्यास और उद्घाटन करते प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी।

11 वर्षों में रेलवे का हुआ अभूतपूर्व विकासः वैष्णव

केन्द्रीय रेल मंत्री अश्विनी वैष्णव ने कहा कि 11 वर्षों में देश में रेलवे के क्षेत्र में अभूतपूर्व विकास हुआ है। 34 हजार किलोमीटर लंबी रेल पटरियां बनी हैं, जो जर्मनी के कुल रेल नेटवर्क से भी बड़ा है। 47 हजार किलोमीटर लंबी रेल लाइनों का विद्युतीकरण हुआ है। वह गुरुवार को राजस्थान के बीकानेर में प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी द्वारा अमृत योजना के तहत पुनर्विकसित स्टेशनों के वर्चुअल लोकार्पण के मौके पर बोल रहे थे। रेल मंत्री ने कहा कि आजादी के बाद पहली बार देश में छोटे और मध्यम दर्जे के रेलवे स्टेशनों के विकास पर ध्यान दिया गया है। 103 स्टेशनों का उद्घाटन प्रधानमंत्री द्वारा किया गया है। अगले 100 स्टेशन भी आठ माह में बनकर तैयार हो जाएंगे।

जहां भी होंगे आतंकी, घुसकर मारेंगे

आतंकवाद को लेकर जीरो-टॉलरेंस की नीति पर कायम रहेगा भारत :जयशंकर

एजेंसी

नयी दिल्ली। भारत को पाकिस्तान व चीन के साथ अपनी सुरक्षा चिंताओं को दूर रख कर आर्थिक सहयोग पर ध्यान देने की कोशिश कर रहे अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप और पश्चिमी देशों के कुछ विश्लेषकों को विदेश मंत्री एस जयशंकर ने बहुत ही स्पष्ट शब्दों में जवाब दिया है कि भारत के लिए राष्ट्रीय सुरक्षा सर्वोपरि है। उन्होंने कहा कि जहां भी होंगे आतंकी, हम घुसकर मारेंगे। विदेश मंत्री ने कहा कि किसी भी सरकार के लिए अपने देश की भौगोलिक सीमा की सुरक्षा करना पहला कर्तव्य है।

पश्चिमी देशों को भी खरी-खरी: पश्चिमी देशों को विदेश मंत्री जयशंकर ने कहा कि वह भारत की सुरक्षा चिंताओं को नहीं समझ सकते क्योंकि सोवियत संघ के विघटन के बाद ये देश बहुत ही सुरक्षित माहौल में रह रहे थे, हालांकि अब (यूक्रेन-रूस युद्ध के बाद) इन्हें भी सुरक्षा से जुड़े सवालों से दो-चार होना पड़ा है।

पाकिस्तान को संदेश

- किसी भी सरकार का देश की भौगोलिक सीमा की सुरक्षा करना पहला कर्तव्य

कट्टरपंथियों को बढ़ावा देता है पड़ोसी देश : नीदरलैंड की एनओएस चैनल को दिए गए एक वीडियो साक्षात्कार में विदेश मंत्री जयशंकर से पूछा गया कि राष्ट्रपति ट्रंप यह संकेत देना चाह रहे हैं कि अगर भारत चीन व पाकिस्तान के साथ अपने तनाव को हटा कर उनके साथ आर्थिक संबंधों को बढ़ावा दे तो आप साथ-साथ अमीर हो सकते हैं। यह काफी मजेदार सवाल है। पश्चिमी देश अभी यह महसूस कर रहे हैं कि अगर लंबे समय तक अपनी सुरक्षा जरूरतों पर ध्यान नहीं दिया जाए तो क्या

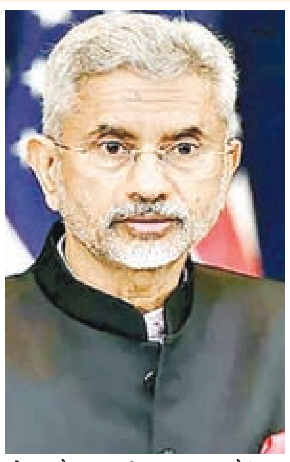

होता है। हमारी सुरक्षा चुनौतियां पश्चिमी देशों के मुकाबले काफी ज्यादा गंभीर है। हम जिस क्षेत्र में रहते हैं वह ज्यादा कठिन है और वहां की स्थिति ऐसी है जिससे पश्चिमी देश कई दशकों तक दूर रहे हैं। भारत के पास सुरक्षा और आर्थिक प्रगति के बीच विकल्प का सवाल नहीं है। किसी भी सरकार या देश के लोगों के लिए देश की सुरक्षा करना हमेशा प्राथमिकता है। भारत के पास काफी कठिन पड़ोसी हैं, चीन व पाकिस्तान। पाकिस्तान लगातार आतंकवाद का समर्थन करता है। पाकिस्तान बहुत ही कट्टर धार्मिकता को बढ़ावा देता है, यह उनका इतिहास रहा है जो हम पर दबाव बनाने के लिए इस्तेमाल करता है। आपरेशन सिंदूर के बाद यह विदेश मंत्री जयशंकर का पहला मीडिया को साक्षात्कार है। लेकिन इसके साथ ही विदेश मंत्री जयशंकर ने यह भी स्पष्ट किया कि भारत अपने आर्थिक विकास को नजरअंदाज नहीं कर रहा।

सिर्फ पीओके पर ही होगी बात

इस बीच पाकिस्तान से जुड़े एक अन्य सवाल के जवाब में जयशंकर ने कहा कि पाकिस्तान के साथ हमारे संबंध काफी लंबे समय से तनावपूर्ण रहे हैं। आजादी के तुरंत बाद ही पाकिस्तान भारत में अपनी फौज भेजी थी और पहले कहा था कि यह उनके आदमी नहीं हैं, बाद में वह पाकिस्तानी सेना के लोग ही निकले। जयशंकर ने कहा कि हम पाकिस्तान के साथ आतंकवाद पर गंभीर तौर पर बात करके इसे खत्म करना चाहते हैं। जहां तक कश्मीर की बात है तो यह भारत का हिस्सा है। कोई भी देश अपने हिस्से को लेकर दूसरे देश से बात नहीं करता। लेकिन कश्मीर का एक हिस्सा पाकिस्तान के पास अनाधिकृत तौर पर है। हम इस पर पाकिस्तान से बात कर सकते हैं। इस पर पत्रकार ने पूछा कि क्या इसमें राष्ट्रपति ट्रंप इसमें एक अहम भूमिका निभा सकते हैं तो जयशंकर ने उनकी बात को काटते हुए कहा कि यह मुद्दा भी भारत व पाकिस्तान के बीच का है।

पाक के पीएम शहबाज ने की भारत के साथ वार्ता की पेशकश

एजेंसी

इस्लामाबाद। पाकिस्तान के प्रधानमंत्री शहबाज शरीफ ने गुरुवार को सऊदी अरब में भारत के साथ वार्ता की पेशकश की। उन्होंने कहा कि अमेरिका दोनों देशों के बीच मध्यस्थ की भूमिका निभा सकता है। इस्लामाबाद में पत्रकारों से बात करते हुए प्रधानमंत्री शरीफ ने कहा कि भारत और पाकिस्तान के बीच अगर वार्ता होती है तो वह राष्ट्रीय सुरक्षा सलाहकार (एनएसए) स्तर पर होगी। बातचीत का एजेंडा कश्मीर, पानी, आतंकवाद और व्यापार पर केंद्रित होगा। पाकिस्तान-भारत वार्ता के दौरान ये मुख्य बिंदु होंगे। शहबाज ने कहा कि भारत और पाकिस्तान के बीच तनाव धीरे-धीरे कम हो रहा है, दोनों पक्षों के डीजीएमओ एक-दूसरे से बातचीत करने लगे हैं। उन्होंने कहा कि अगर दोनों कट्टर प्रतिद्वंद्वियों के बीच

दोनों देशों के बीच मध्यस्थ की भूमिका निभा सकता है अमेरिका

वार्ता होती है तो पाकिस्तान का नेतृत्व राष्ट्रीय सुरक्षा सलाहकार करेंगे। पाकिस्तान के प्रधानमंत्री की यह टिप्पणी उस दिन आई है जब भारतीय प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने आतंकवाद के खिलाफ भारत के दृढ़ रुख को दोहराते हुए कहा कि, ₹जब तक इस्लामाबाद कश्मीर पर अपने अवैध कब्जे को नहीं छोड़ता, तब तक उसके साथ कोई बातचीत या व्यापार नहीं होगा।

पाकिस्तान को हमले के बाद दी गयी थी सूचना : विदेश मंत्रालय

नयी दिल्ली। विदेश मंत्रालय ने गुरुवार को स्पष्ट किया कि ऑपरेशन सिंदूर के तहत आतंकी ठिकानों को पहले निशाना बनाया गया और बाद में पाकिस्तान को सूचना दी गई। विदेश मंत्रालय के प्रवक्ता रणधीर जायसवाल ने गुरुवार को पत्रकार वार्ता में एक प्रश्न के उत्तर में यह बातें कहीं। उन्होंने कहा कि हमने डीजीएमओ के माध्यम से पाकिस्तान को बताया कि हमने ऑपरेशन सिंदूर के तहत जवाब देने के अपने अधिकार का प्रयोग किया है। हमने हमले के बाद उन्हें बताया। विदेश मंत्री एस. जयशंकर ने हाल ही में भारत और पाकिस्तान के बीच संघर्ष और सैन्य कार्रवाई की स्थिति पर बात करते हुए कहा था कि ऑपरेशन की शुरूआत में ही हमने पाकिस्तान को यह संदेश भेज दिया था कि हम आतंकवादी ढांचे पर हमला कर रहे हैं, न कि सेना पर और सेना के पास यह विकल्प है कि वह बाहर खड़ी रहे और हस्तक्षेप न करे। उनके इसी बयान का एक वीडियो जारी करते हुए राहुल गांधी ने केन्द्र सरकार पर हमला बोला था।

यूपी एटीएस ने दो जासूस को दबोचा

वाराणसी से आइएसआइ एजेंट तुफैल और दिल्ली के सीलमपुर से हारून को किया गिरफ्तार

एजेंसी

लखनऊ। उत्तर प्रदेश एटीएस ने गुरुवार को पाकिस्तान के लिए जासूसी करने वाले दो लोगों को गिरफ्तार किया है। एटीएस ने वाराणसी से आईएसआई एजेंट तुफैल और दिल्ली के सीलमपुर से हारून को गिरफ्तार किया है। हारून वहां पर स्क्रैप का काम करने के साथ पाकिस्तानी दूतावास के संपर्क में था। पाकिस्तान के वाट्सएप ग्रुप का लिंक तुफैल ने कई लोगों को साझा किया था। तुफैल करीब छह सौ से अधिक पाकिस्तानी नम्बरों के सम्पर्क में था। तुफैल ने राजघाट, नमो घाट, ज्ञानवापी, रेलवे स्टेशन, जामा मस्जिद के चित्र एवं जानकारी पाकिस्तानी नंबरों पर साझा की थी।

ज्योति मल्होत्रा को चार दिन की रिमांड पर भेजा

हिसार। जासूसी कांड में गिरफ्तार ज्योति मल्होत्रा को गुरुवार को कोर्ट में पेश किया गया। उसकी पांच दिनों की पुलिस रिमांड खत्म होने वाली थी, जिस वजह से उसे कड़ी सुरक्षा के बीच कोर्ट ले जाया गया, जहां कोर्ट ने फिर से उसे चार दिनों के लिए पुलिस रिमांड में भेजने का आदेश दिया। पुलिस के अनुसार, ज्योति मल्होत्रा तीन बार पाकिस्तान जा चुकी है। इसके साथ ही, वह जम्मू-कश्मीर और उत्तराखंड की यात्रा कर चुकी है। इन यात्राओं के दौरान उसने वहां की व्यवस्थाओं और महत्वपूर्ण जानकारियों को साझा किया। पुलिस को एक वीडियो भी मिला है, जिसमें केदारनाथ धाम की व्यवस्थाओं और साधु-संतों से जुड़ी जानकारियां नजर आ रही हैं।

प्रख्यात साहित्यकार गुलजार को मिला ज्ञानपीठ पुरस्कार
मुंबई। भारतीय ज्ञानपीठ के ट्रस्टी मुदित जैन ने गुरुवार को प्रख्यात साहित्यकार गुलजार को बांद्रा स्थित उनके आवास पर जाकर 58 वां ज्ञानपीठ पुरस्कार देकर सम्मानित किया। मौके पर ज्ञानपीठ के सचिव धर्मपाल संगीतकार विशाल भारद्वाज, गायिका रेखा भारद्वाज, गुलजार के दामाद गोविंद संधू सहित कला जगत की जानी मानी हस्तियां उपस्थित थीं।

बिहार में भूमि शिकायतों को दूर करने के लिए पोर्टल लांच

खबर मन्त्र संवाददाता

- मंत्री तक भेज सकते हैं शिकायतें : सरावगी

समस्तीपुर। बिहार के राजस्व एवं भूमि सुधार मंत्री संजय सरावगी ने गुरुवार को कहा कि भूमि समस्याओं से संबंधित शिकायतों को दूर करने के लिए विभाग ने ऑनलाइन शिकायत पोर्टल लांच किया गया है। जिसके माध्यम से अब लोग सीधे तौर पर मंत्री तक अपनी शिकायतें भेज सकते हैं। सरावगी गुरुवार को पत्रकारों को बताया कि इस शिकायत पोर्टल के लांन्च होने से अब लोगों को अंचल कार्यालय बार-बार नहीं जाना पड़ेगा। उन्होंने बताया कि सरकार ने भूमि विवाद से सम्बंधित शिकायतों को जल्द निष्पादित करने की दिशा मे यह बड़ा कदम उठाया है। उन्होंने बताया कि अब लोग अपनी शिकायतें राजस्व एवं भूमि सुधार विभाग के साथ-साथ सीधे तौर पर विभागीय मंत्री को भेज सकते हैं।

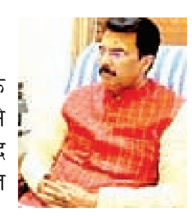

वक्फ कानून पर सुनवाई पूरी, फैसला सुरक्षित

एजेंसी

नयी दिल्ली। सुप्रीम कोर्ट ने वक्फ (संशोधन) अधिनियम, 2025 की संवैधानिक वैधता को चुनौती देने वाली याचिकाओं पर सुनवाई के बाद गुरुवार को तीन मुद्दों पर अंतरिम आदेश सुरक्षित रख लिया, जिसमें अदालतों द्वारा वक्फ, वक्फ बाई यूजर या वक्फ बाई डीड घोषित संपत्तियों को गैर-अधिसूचित करने की शक्ति भी शामिल है। प्रधान न्यायाधीश बीआर गवई और न्यायमूर्ति ऑगस्टीन जॉर्ज मसीह की पीठ ने संशोधित वक्फ कानून का विरोध करने वालों की ओर से पेश वरिष्ठ अधिवक्ता कपिल सिब्बल, राजीव धवन और अभिषेक सिंघवी तथा केंद्र का प्रतिनिधित्व कर रहे सॉलिसिटर जनरल तुषार मेहता की दलीलें लगातार तीन दिन तक सुनीं, जिसके बाद अंतरिम आदेश सुरक्षित रख लिया।

अमेरिकी ऋण में बढ़ोतरी से बाजार में भूचाल

सेंसेक्स 645 और निफ्टी 204 अंक लुढ़का

एजेंसी

मुंबई। अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप के कर और व्यय विधेयक से अमेरिका के सार्वजनिक ऋण में भारी बढ़ोतरी होने तथा ईरान और इजराइल के बीच तनाव बढ़ने की आशंका से विश्व बाजार में आई गिरावट से हतोत्साहित निवेशकों की स्थानीय स्तर पर हुई चौतरफा बिकवाली से गुरुवार को शेयर बाजार में भूचाल आ गया। बीएसई का तीस शेयरों वाला संवेदी सूचकांक सेंसेक्स 644.64 अंक यानी 0.79 प्रतिशत का गोता लगाकर नौ कारोबारी सत्र के बाद 81 हजार अंक के मनोवैज्ञानिक स्तर के नीचे 80,951.99 अंक और नेशनल स्टॉक एक्सचेंज (एनएसई) का निफ्टी 203.75 अंक अर्थात 0.82 प्रतिशत की

गिरावट लेकर 25 हजार अंक के मनोवैज्ञानिक स्तर से नीचे 24609.70 अंक पर बंद हुआ। हालांकि बीएसई की मझौली और छोटी कंपनियों के शेयरों में मिलाजुला रुख रहा। इससे मिडकैप 0.33 प्रतिशत उतरकर 44,638.43 अंक रह गया जबकि स्मॉलकैप 0.17 प्रतिशत बढ़कर 51,289.32 अंक हो गया।

इस दौरान बीएसई में कुल 4086 कंपनियों के शेयरों में कारोबार हुआ, जिनमें से 2178 में गिरावट जबकि 1741 में तेजी रही वहीं 167 में कोई बदलाव नहीं हुआ। इसी तरह एनएसई में कारोबार के लिए रखी गई कुल 2949 कंपनियों के शेयरों में से 1582 में बिकवाली जबकि 1275 में लिवाली हुई वहीं 92 में टिकाव रहा। हाल ही में अमेरिकी 20-वर्षीय बॉन्ड की कमजोर नीलामी और पांच वर्षीय, 10-वर्षीय और 30-वर्षीय बॉन्ड यील्ड में तेज उछाल ने अमेरिकी बॉन्ड बाजार में घटते निवेशक विश्वास को उजागर किया है।

इसके अलावा ईरान और इजराइल के बीच बढ़ते तनाव ने वैश्विक निवेशकों की जोखिम उठाने की क्षमता को झटका दिया है। इस क्षेत्र में सैन्य संघर्ष की संभावना ने न केवल भू-राजनीतिक स्थिति को अस्थिर किया है, बल्कि वैश्विक बाजारों में भी अनिश्चितता बढ़ा दी है।

इससे विश्व बाजार में भारी गिरावट दर्ज की गई। ब्रिटेन का एफटीएसई 0.66, जर्मनी का डैक्स 0.86, जापान का निक्केई 0.84, हांगकांग का हैंगसेंग 1.19 और चीन के शंघाई कंपोजिट ने 0.22 प्रतिशत का गोता लगाया।

विश्व बाजार के रुख ने घरेलू स्तर पर भी निवेश धारणा को प्रभावित किया। इस दौरान कमोडिटीज 0.09, सीडी 0.67, ऊर्जा 1.25, एफएमसीजी 1.25, वित्तीय सेवाएं 0.37, हेल्थकेयर 0.18, आईटी 1.09, यूटिलिटीज 0.77, ऑटो 0.87, बैंकिंग 0.27, कैपिटल गुड्स 0.21, कंज्यूमर ड्यूरेबल्स 1.07, धातु 0.44, तेल एवं गैस 1.13, पावर 0.81, रियल्टी 0.37, टेक 0.63 और फोकस्ड आईटी समूह के शेयर 1.19 प्रतिशत लुढ़क गए।

निवेशकों को 2.09 लाख करोड़ नुकसान

शेयर बाजार में गिरावट से स्टॉक मार्केट के निवेशकों की संपत्ति में 2 लाख करोड़ रुपये से अधिक की कमी हो गई। बीएसई में लिस्टेड कंपनियों का मार्केट कैप घट कर 439.09 लाख करोड़ रुपये (अस्थाई) हो गया। जबकि पिछले कारोबारी दिन यानी बुधवार को इनका मार्केट कैपिटलाइजेशन 441.18 लाख करोड़ रुपये था। निवेशकों को करीब 2.09 लाख करोड़ रुपये का नुकसान हो गया।